आज

मां ने सिखाया मुश्किलों का सामना करना

दुर्गा सप्तशती- शक्तिशाली सिद्ध मंत्र और उनका चमत्कारी महत्व

माधुरी

गोरखपुर, शुक्रवार १६ अक्तूबर २०२६ सौर ३०, आश्विन शुक्ल ६, सं. २०८३ वि. | वाराणसी, गोरखपुर, प्रयागराज, कानपुर, लखनऊ, आगरा, बरेली, हल्द्वानी, पटना (कोलकाता संस्करण), रांची तथा जमशेदपुर से प्रकाशित, (वर्ष-४६ पू.सं. २०४१२६६ | * नगर संस्करण पृष्ठ १२, मूल्य ३.०० रुपये

न्यायपालिकाको कोई डरा नहीं सकता-सीजेआई सूर्यकांत

जंतर-मंतरपर भी सुप्रीम कोर्टने मांगा जवाब

नयी दिल्ली (आससे)। राहुल गांधी के सुप्रीम कोर्ट मार्च और सीजेपी के प्रदर्शन के मुद्दे पर गुरुवार को सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा कि न्यायपालिका को कोई डरा-धमका नहीं सकता। उन्होंने कहा कि अदालत वास्तविक दुनिया से कटी नहीं है और उसे हर चीज की जानकारी है। वरिष्ठ अधिवक्ता गौरव भाटिया ने सुप्रीम कोर्ट परिसर में राजनीतिक जुलूस निकालने पर आपत्ति जताते हुए इसे न्यायपालिका पर दबाव बनाने की कोशिश बताया। सुप्रीम कोर्ट ने संबंधित कानूनी एजेंसियों को प्रदर्शन से जुड़े सीसीटीवी फुटेज और सभी डिजिटल रिकॉर्ड सुरक्षित रखने का

निर्देश दिया। अदालत ने यह भी कहा कि निजी पक्ष पुलिस को उपलब्ध सामग्री सौंप सकते हैं। सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने स्पष्ट किया कि इंटरनेट बंद करने के मामले में अवमानना नोटिस पर सरकार ने कोई माफी नहीं मांगी है। (शेष पृष्ठ ९ पर)

धर्म परिवर्तनके बाद आरक्षणका लाभ नहीं ले सकते

नयी दिल्ली (आससे)। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि हिंदू सामाजिक व्यवस्था के पिछड़े वर्ग या अनुसूचित जाति से संबंधित व्यक्ति इस्लाम जैसे दूसरे धर्म को अपनाने के बाद उसी आधार पर आरक्षण का लाभ पाने का दावा नहीं कर सकता। न्यायमूर्ति पीके मिश्रा और न्यायमूर्ति श्री चंद्रशेखर की पीठ ने तमिलनाडु सरकार की याचिका खारिज करते हुए मद्रास हाईकोर्ट के फैसले को बरकरार रखा। मद्रास हाईकोर्ट ने तमिलनाडु सरकार के उस सरकारी आदेश को रद्द कर दिया था, जिसके तहत इस्लाम अपनाने वाले कुछ लोगों को (शेष पृष्ठ ९ पर)

पीड़ितों की आवाज दबा रही सरकार-राहुल

नयी दिल्ली (आससे)। कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने अंकिता भंडारी के माता-पिता को हिरासत में लिए जाने का आरोप लगाते हुए केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि दुनिया सो रही थी, तब सुबह 4 बजे अंकिता के माता-पिता को हिरासत में ले लिया गया। उनका आरोप है कि माता-पिता इंडिया गेट पर शांतिपूर्वक बैठकर मांग कर रहे थे कि सीबीआई

अंकिता भंडारीके माता-पिता को हिरासतमें लेने का आरोप

जांच पूरी होने तक दुष्यंत गौतम को सिक्किम का राज्यपाल नियुक्त न किया जाए। राहुल गांधी ने गुरुवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट कर कहा कि अंकिता के माता-पिता का कसूर सिर्फ इतना था कि वे बिना किसी हंगामे के न्याय की मांग कर रहे थे। उन्होंने बताया कि एक दिन पहले उन्होंने और कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने अंकिता के माता-पिता से मुलाकात की थी। राहुल गांधी ने सवाल उठाया कि जांच पूरी होने से पहले ही नियुक्ति की इतनी जल्दी क्यों है और सवाल पूछने वाले माता-पिता को रात के अंधेरे में हिरासत में क्यों लिया गया? उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार पीड़ितों की आवाज दबाने और सवाल उठाने वालों को (शेष पृष्ठ ९ पर)

यूपी : आजका युवा केवल जॉब सीकर नहीं, जॉब गिवर बना-योगी

प्रयागराजमें माफियापर कारवाईसे विकसित-बेहतर हुआ माहौल

प्रयागराज (आससे.)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रयागराज के एक चुनावी सम्मेलन में समाजवादी पार्टी (सपा) की पूर्ववर्ती सरकारों पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि पिछली सरकारों के दौर में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया जाता था। उन्होंने कहा कि उस समय न तो समय पर नौकरियां निकलती थीं और यदि विज्ञापन आ भी जाते थे, तो वसूली का दौर शुरू हो जाता था। अयोग्य लोगों को आयोगों में महत्वपूर्ण पदों पर बैठाकर युवाओं के अधिकारों पर डाका डाला गया, लेकिन डबल इंजन की सरकार ने पूरी पारदर्शिता, निष्पक्षता और योग्यता के आधार पर युवाओं को नौकरियां प्रदान की हैं। मुख्यमंत्री ने

जोर देकर कहा कि आज प्रयागराज के युवा और प्रतियोगी छात्र पूरी मुस्तैदी और मेहनत के साथ विभिन्न परीक्षाओं की तैयारी में जुटे हैं। डबल इंजन सरकार के कार्यकाल में पारदर्शी चयन प्रक्रियाओं के जरिए बड़े पैमाने पर युवाओं को सरकारी नौकरियां दी गयी हैं, जिससे युवाओं का आत्मविश्वास काफी बढ़ा है। उन्होंने (शेष पृष्ठ ९ पर)

कसारी-मसारीका अब कृष्ण पुरी होगा नाम

अतीकके कब्जेसे मुक्त जमीनपर किया भूमि पूजन

प्रयागराज (आससे.)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने माफिया अतीक अहमद के कब्जे से मुक्त करायी गयी जमीन पर पद्म लोक आवास योजना के लिए भूमि पूजन किया। सभा को संबोधित करते हुए योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अब यह क्षेत्र कसारी मसारी के नाम से नहीं बल्कि कृष्ण पुरी के नाम से जाना जायेगा। उन्होंने कहा कि प्रयागराज में अब कोई भी माफियागिरी का दुस्साहस नहीं करेगा। अगर करेगा तो मिट्टी में मिला (शेष पृष्ठ ९ पर)

१० को प्रदर्शन की इजाजत देते तो २० जुलाईसे भी बिगड़ सकते थे हालात

दिल्ली पुलिसने कोर्टमें दाखिल किया हलफनामा

नयी दिल्ली (आससे)। दिल्ली पुलिस आयुक्त अनुराग कुमार ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दाखिल कर 10 अक्टूबर को जंतर-मंतर पर कॉकरोज जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रदर्शन की अनुमति नहीं देने की वजह बताई है। उन्होंने कहा कि 20 जुलाई को प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा, नेताओं की भीड़ को नियंत्रित करने में कथित विफलता और 6 से 8 अक्टूबर तक लगातार प्रदर्शनों से मध्य दिल्ली में पैदा हुई यातायात समस्या को देखते हुए अनुमति नहीं दी गई। पुलिस को आशंका थी कि प्रदर्शन की इजाजत देने पर हालात 20 जुलाई से भी ज्यादा बिगड़ सकते थे। हलफनामे में कहा गया है कि राष्ट्रपति भवन, संसद, सुप्रीम कोर्ट, विभिन्न दूतावासों और महत्वपूर्ण संस्थानों की मौजूदगी के कारण मध्य दिल्ली अत्यंत (शेष पृष्ठ ९ पर)

आरामें पूर्व कस्टम अधिकारी की हत्या, थानेदार निलंबित

डेहरी ऑन सोन (आससे.)। बिहार के भोजपुर जिले के आरा शहर में गुरुवार की सुबह टहलने निकले पूर्व कस्टम अधिकारी और क्षेत्रीय महासभा के प्रदेश अध्यक्ष 70 वर्षीय रामकुमार सिंह की दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या कर दी गई। नवादा क्षेत्र के जैन कॉलेज के पास हथियारबंद बदमाशों ने उन्हें घेर कर ताबड़तोड़ आठ गोलियां दाग दी। अस्पताल लाने के दौरान रास्ते में उनकी मौत हो गई। आरा के पुलिस कप्तान अवधेश दीक्षित ने मुफस्सिल के थानेदार राम कल्याण यादव को निलंबित कर दिया है।

पाकिस्तान में स्कूल की छत गिरनेसे ३५ की मौत

पेशावर (एजेंसी)। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत की राजधानी पेशावर में गुरुवार को एक निजी स्कूल की छत गिरने से कम से कम ३४ बच्चों और एक शिक्षिका की मौत हो गयी जबकि 40 से अधिक लोग घायल हो गये। पेशावर के कैपिटल सिटी पुलिस प्रमुख मियां सईद ने बताया कि हादसा शहर के अंदरूनी इलाके में स्थित दिर कॉलोनी में हुआ। उन्होंने बताया कि स्कूल के मालिक को गिरफ्तार कर लिया गया है। लेडी रीडिंग अस्पताल के प्रवक्ता मुहम्मद आसिम के अनुसार, हादसे में ३४ विद्यार्थियों की मौत हुई, जिनमें छह लड़कियां शामिल हैं। एक शिक्षिका की भी मौत हो गयी। उन्होंने बताया कि हादसे में 40 से अधिक लोग घायल हुए हैं। घायलों के उपचार के लिए अस्पताल में आपात स्थिति घोषित कर दी गयी है। आसिम ने कहा कि हादसे में मारे गए सभी बच्चों की उम्र 13 वर्ष या उससे कम थी। पेशावर के उपायुक्त अफाक वजीर ने इमारत ढहने की घटना की जांच के आदेश दिये हैं

यूपी : मदीनामें फंसे बरेलीके ३०० लोग

बरेली (एजेंसी)। हूती विद्रोहियों के हमले के बाद सऊदी अरब के रियाद और जेद्दा की उड़ानों को रद्द कर दिया गया है। इस कारण बरेली से उमरा पर जाने के लिए तैयार ढाई सौ यात्रियों का सफर थम गया है। वहीं, पहले से उमरा पर गए बरेली के तीन सौ यात्री मक्का और मदीना में फंसे हुए हैं। वह सुरक्षित वतन वापसी की दुआ कर रहे हैं। ट्रैवल एजेंसी संचालक मोहम्मद आसिम हुसैन कादरी ने बताया कि सिर्फ सऊदी अरब की एयरलाइंस ही उड़ानों का संचालन कर रही हैं। इंडिगो सहित अन्य एयरलाइंस की उड़ानें कैंसिल हैं।

प्रदेशमें पेंशनधारियों के लिए बड़ी राहत

लखनऊ (आससे)। मुख्य सचिव एसपी गोयल ने डिजिटल जीवन प्रमाणपत्र अभियान की समीक्षा की।

उन्होंने कहा है कि आधार आधारित फेस अथेंटिकेशन तकनीक से पेंशनभोगी घर बैठे ही अपना जीवन प्रमाणपत्र जमा कर सकते हैं। इसका लाभ उठाने के लिए पेंशनर्स को अपने स्मार्टफोन में जीवन प्रमाण व आधार फेस आरडी एप डाउनलोड करना होगा। उन्होंने इस तकनीक के व्यापक प्रचार-

जीवित प्रमाण पत्र देनेके लिए नहीं लगाने होंगे दफ्तरोंके चक्कर

प्रसार व जनजागरूकता के निर्देश दिये। विशेष रूप से उन पेंशनभोगियों को लक्ष्य किया जाय, जो अभी तक जीवन प्रमाणपत्र मैन्युअल तरीके से जमा करते हैं। मुख्य सचिव ने बताया कि अभियान के तहत (शेष पृष्ठ ९ पर)

पत्रकारपुरम चौराहा, गोमती नगर, लखनऊ. संपर्क: +91 77670 07323 | बिरहाना रोड, त्रिपाल मार्केट, कानपुर. संपर्क: +91 77670 07293
मेडिकल रोड, विष्णु मंदिर के पास, गोरखपुर. संपर्क: 77670 07358 | सिगरा चौराहा, वाराणसी. संपर्क: +91 77670 07304
राम पथ रोड, रिकाबगंज चौराहा, जीवानी दवे टावर, अयोध्या. संपर्क: +91 77670 07366

टोल फ्री नं: 1800 233 5005 (सुबह 11 – शाम 7) www.pngjewellers.com | info@pngadgil.com INDIA | USA

सीआईएसएफ जवान की हत्या में कैब चालक गिरफ्तार

अपराध संवाददाता

गोरखपुर, १५ अक्टूबर। गीडा थाना क्षेत्र के कालेसर जीरो प्वाइंट के पास गत ५ अक्तूबर की देर रात गश्त के दौरान पुलिस को मिले सीआईएसएफ के हेड कांस्टेबल कर्मबीर यादव निवासी ग्राम बाघागाड़ा, थाना गीडा के संदिग्ध परिस्थितियों में मिले शव मामले का आज पुलिस ने खुलसा कर दिया। सीआईएसएफ जवान की कैब चालक ने कार बुकिंग के बकाया पैसा को लेकर हुए विवाद के बाद ईंट से मारकर हत्या की थी। पुलिस ने आज कैब चालक सुनील कुमार यादव पुत्र श्याम नारायण यादव निवासी नवाबगंज थाना नगरा जनपद बलिया हालपता न्यू विशुनपुर निकट हनुमान मंदिर थाना धनबाद जनपद धनबाद झारखण्ड को गिरफ्तार करके उसे जेल भेज दिया। आपको बता दें कि सीआईएसएफ जवान के शव मिलने के बाद से ही परिजन उसकी हत्या की आशंका जताई थी, जिसमें बाद में पुलिस ने मृतक के पिता की तहरीर पर ६ अक्टूबर को मु०अ०सं० ४९६/२०२६ धारा १०३ (१) भा०न्या०सं० दर्ज कर पुलिस घटना की जांच पड़ताल कर रही थी। पुलिस ने बताया कि दौरान विवेचना जानकारी मिली कि मृतक सीआईएसएफ जवान धनबाद झारखण्ड में तैनात था। ०४ अक्टूबर को वह छुट्टी लेकर एक निजी कैब बुक करके उसी से अपने पैतृक घर आ रहा था। पुलिस ने बताया कि

◆ कार बुकिंग के रुपये को लेकर हुआ था विवाद, धक्का देकर गिराया, फिर ईंट से मारकर की हत्या

गिरफ्तार आरोपी से हुई पूछताछ में पता चला कि घर पहुंचने के लिए कैब बुकिंग का किराया १४ हजार रुपये तय हुआ था। इसमें से ७,८०० रुपये अग्रिम भुगतान के रूप में दिए गए थे, जबकि शेष रकम घर पहुंचने पर देनी थी। कार से यात्रा के दौरान गोरखपुर के गीडा थाना क्षेत्र में बोक्टा के पास चालक सुनील कुमार यादव और जवान के बीच किराये के शेष रुपये को लेकर विवाद हो गया। विवाद बढ़ने पर आरोपी ने जवान को अपनी कार से धक्का देकर नीचे गिरा दिया। इसके बाद पास में पड़ी ईंट से हमला कर दिया, जिससे जवान की मौत हो गई। घटना के बाद आरोपी के खिलाफ साक्ष्य जुटाकर उसकी पहचान की गई और उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

एमएमएमयूटी के खिलाड़ियों ने जीते 16 पदक

गोरखपुर, १५ अक्टूबर। मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के खिलाड़ियों ने आईआईटी पटना में आयोजित अंतर-महाविद्यालयीय खेल महोत्सव में कुल 16 पदक अपने नाम किए। इनमें 2 स्वर्ण, 8 रजत और 6 कांस्य पदक शामिल हैं। प्रतियोगिता में निशू यादव का प्रदर्शन सबसे शानदार रहा। उन्होंने 1500 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक जीता, जबकि 800 मीटर दौड़ और 4×100 मीटर रिले में रजत पदक हासिल किया। सुरभि कुमारी ने लंबी कूद और 4×100 मीटर रिले में रजत पदक पर कब्जा जमाया। सृष्टि ने भी 4×100 मीटर रिले में रजत पदक जीता। कांस्य पदक विजेताओं में आन्या यादव ने 1500 मीटर दौड़ और अंजलि सिंह ने गोला फेंक में सफलता पाई। बालक वर्ग में आलोक दुबे ने चक्र फेंक में रजत पदक जीता, वहीं 4×400 मीटर रिले टीम ने कांस्य पदक अपने नाम किया। इसके साथ ही महिला एथलेटिक्स टीम ने प्रतियोगिता में दूसरा स्थान प्राप्त कर विश्वविद्यालय का गौरव बढ़ाया।

1100 कन्याओं का पूजन, नौ देवियों के रूप में सजीं कन्याएं

गोरखपुर, १५ अक्टूबर। शारदीय नवरात्रि के पावन अवसर पर श्रद्धा, भक्ति और हर्षोल्लास के साथ 1100 बाल कन्याओं का पूजन कार्यक्रम आयोजन सरस्वती विद्या मन्दिर आर्यनगर में किया गया। इस दौरान कन्याओं को मां दुर्गा के नौ स्वरूपों के प्रतीक के रूप में सजाकर मंच पर विराजमान कर विधि-विधान से माँ के बाल स्वरूपों का विहंगम नजारा देखकर प्रतीत हो रहा था कि साक्षात मणिद्वीप में उपस्थिति है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि साध्वी निरंजना ज्योति अध्यक्ष पिछड़ा वर्ग आयोग भारत सरकार, विशिष्ट अतिथि गोरक्षपीठ के प्रधान पुजारी योगी कमल नाथ, पुष्पदंत जैन उपाध्यक्ष व्यापारी कल्याण बोर्ड उ.प्र.सरकार, अध्यक्षता शिवजी सिंह प्रमुख, विद्या मन्दिर शिक्षण संस्थान उपस्थित रहे सभी अतिथियों का स्वागत बृजेश मणि मिश्रा ने किया। कार्यक्रम का संचालन शीतल कुमार मिश्रा ने किया। आभार ज्ञापन कार्यक्रम संयोजक सोनिका खरवार ने किया। कार्यक्रम में साध्वी निरंजना ज्योति ने पूरे श्रद्धाभाव के साथ कन्याओं का पूजन-अर्चन किया। परंपरानुसार कन्याओं को भोग-प्रसाद अर्पित किया गया। इसके बाद उन्हें उपहार और दक्षिणा देकर सम्मानित किया गया। उपस्थित लोगों ने कन्याओं को मां दुर्गा का स्वरूप मानते हुए उनका वंदन किया और सुख-समृद्धि की कामना की।

किसानों की पंचायत में उठी जनसमस्याएं, डीएम को भेजा ज्ञापन

गोरखपुर, १५ अक्टूबर। चौरीचौरा तहसील परिसर में गुरुवार को भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) की ओर से पंचायत आयोजित की गई। इसमें किसानों और ग्रामीणों की विभिन्न समस्याओं को उठाते हुए उनके समाधान की मांग की गई। पंचायत के बाद संगठन के पदाधिकारियों ने उपजिलाधिकारी चौरीचौरा के माध्यम से जिलाधिकारी को ज्ञापन भेजकर आवश्यक कार्रवाई की मांग की। चौरी चौरा प्रतिनिधि के अनुसार ज्ञापन में ग्राम पंचायत जंगल रसूलपुर नंबर दो में चकआउट की जमीन, सड़क और चक से संबंधित चकबंदी कार्यों में कथित अनियमितता का आरोप लगाते हुए जांच कराने की मांग की गई। इसके साथ ही सरदारनगर और ब्रह्मपुर ब्लॉक के फुलवरिया, खजुआ, उसरहा सहित विभिन्न गांवों में पात्र एवं गरीब परिवारों के कटे अंत्योदय और पात्र गृहस्थी राशन कार्ड बहाल करने की मांग उठाई गई। यूनियन ने दोनों ब्लॉकों के विभिन्न गांवों में पात्र लाभार्थियों को आवास उपलब्ध कराने तथा फुलवरिया, उसरहा, खजुआपार और तिलौली समेत अन्य गांवों में शिविर लगाकर गरीब, असहाय और पात्र लोगों के आयुष्मान कार्ड बनवाने की मांग की। बिजली समस्याओं को लेकर चौरीचौरा विद्युत उपकेंद्र के अंतर्गत उपभोक्ताओं को कथित रूप से गलत बिजली बिल जारी होने की जांच कराने और स्मार्ट मीटर लगाने पर तत्काल रोक लगाने की मांग की गई। वहीं, मोतीराम अड्डा विद्युत उपकेंद्र के अंतर्गत किसानों को मुफ्त मोटर कनेक्शन उपलब्ध कराने तथा प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की लंबित धनराशि पात्र किसानों के खातों में भेजने की मांग भी ज्ञापन में शामिल रही। संगठन के पदाधिकारियों ने प्रशासन से सभी समस्याओं पर गंभीरता से विचार कर संबंधित विभागों से जांच कराने और पात्र लोगों को योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने की अपील की। इस दौरान भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) के तहसील अध्यक्ष रामानुज विश्वकर्मा, मंडल अध्यक्ष सतीश चंद्र ओझा सहित तमाम किसान उपस्थित रहे।

❖ चकबंदी की जांच, राशन कार्ड बहाली और पात्रों को आवास देने की मांग

२७ को शुष्क दिवस

गोरखपुर, १५ अक्टूबर। रिटर्निंग आफिसर, गोरखपुर-फैजाबाद खण्ड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उत्तर प्रदेश लखनऊ तथा आबकारी विभाग, उत्तर प्रदेश शासन के द्वारा उत्तर प्रदेश विधान परिषद के गोरखपुर-फैजाबाद खण्ड शिक्षक द्विवार्षिक निर्वाचन-2026 हेतु मतगणना के दिन अर्थात 27 अक्तूबर को शुष्क दिवस घोषित किया गया है।

मानक कार्निवाल मुरारी इंटर कॉलेज में निकली क्वालिटी रन

गोरखपुर, १५ अक्टूबर। विश्व मानक दिवस पर भारतीय मानक ब्यूरो, लखनऊ शाखा कार्यालय के तत्वावधान में गुरुवार मुरारी इंटर कॉलेज, सहजनवां में मानक कार्निवाल एवं 'क्वालिटी रन' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से उपभोक्ताओं को उत्पादों की गुणवत्ता, आईएसआई मार्क, हॉलमार्क तथा मानकीकरण के प्रति जागरूक किया गया। सहजनवां प्रतिनिधि के अनुसार कार्यक्रम के तहत विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने जागरूकता वाकाथन (रैली) निकाली। रैली को भारतीय मानक ब्यूरो के निदेशक एवं शाखा प्रमुख पीयूष महादेव तथा विद्यालय के प्रधानाचार्य मेजर साकेत ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली मुरारी इंटर कॉलेज से शुरू होकर सहजनवां थाना चौराहा, मुख्य बाजार और तहसील रोड होते हुए वापस विद्यालय पहुंची। इस दौरान विद्यार्थियों ने 'आईएसआई मार्क है तो गुणवत्ता है', 'हॉलमार्क है तो शुद्धता है', 'रजिस्ट्रेशन मार्क है तो गुणवत्ता है' और 'जागो ग्राहक जागो' जैसे नारों के माध्यम से लोगों को जागरूक किया।भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य विश्व मानक दिवस के संदेश को जन-जन तक पहुंचाना और उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण वस्तुओं की खरीदारी के लिए प्रेरित करना था। विद्यार्थियों ने रैली के बाद विद्यालय परिसर में पोस्टर एवं मॉडल प्रदर्शित कर उत्पादों की गुणवत्ता, मानकीकरण और उपभोक्ता जागरूकता से संबंधित जानकारियां साझा कीं। मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों ने प्रदर्शनी का निरीक्षण कर विद्यार्थियों के प्रयासों को देखा। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सहजनवां विधायक प्रदीप शुक्ला, विशिष्ट अतिथि सहजनवां नगर पंचायत अध्यक्ष संजू सिंह, विद्यालय प्रबंधक सत्य प्रकाश सिंह, तथा पूर्व चेयरमैन नागेन्द्र सिंह उपस्थित रहे। इस अवसर पर विद्यालय की उप प्रधानाचार्य सुप्रिया सिंह, प्रवक्ता संतोष कुमार, ज्ञान प्रकाश सिंह, संतोष कुमार, जयराज सिंह, प्रतिभा सिंह सहित भारतीय मानक ब्यूरो के निदेशक ऋत्विक आनंद, उपनिदेशक जितेश कुमार, उपनिदेशक आशुतोष राय एवं मानक संवर्धन अधिकारी मोहित सिंह समेत अन्य अधिकारी, शिक्षक-शिक्षिकाएं और हजारों की संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

आईआरसीटीसी ने डिजिटल, थर्ड-पार्टी खाद्य सुरक्षा के लिए साझेदारी की

गोरखपुर, १५ अक्टूबर। रोजाना सफर करने वाले लाखों रेल यात्रियों के लिए ट्रेन में भोजन के अनुभव को बेहतर बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए, इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉरपोरेशन लिमिटेड ने क्वालिटी काउंसिल ऑफ इंडिया के साथ एक रणनीतिक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। यह महत्वपूर्ण साझेदारी एक सख्त, तकनीक-आधारित और स्वतंत्र थर्ड-पार्टी ऑडिट व्यवस्था तैयार करती है। इसका उद्देश्य द्वारा संचालित सभी मोबाइल (ट्रेनों) और स्थिर (स्टेशनों) कैटरिंग इकाइयों में खाद्य सुरक्षा और स्वच्छता के उच्चतम मानकों को सुनिश्चित करना है।इस रणनीतिक गठबंधन के तहत, प्रमाणित पेशेवरों को तैनात करेगा, जो बिना पूर्व सूचना दिए हर तिमाही और छमाही में गहन निरीक्षण करेंगे। ये ऑडिट यह सुनिश्चित करेंगे कि भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण के नियमों और अंतरराष्ट्रीय खाद्य मानकों का सख्ती से पालन किया जाए।इस समझौता ज्ञापन पर के महाप्रबंधक (गुणवत्ता और परियोजनाएं) सुधीर वारियर और क्वालिटी काउंसिल ऑफ इंडिया के प्रधान सलाहकार,प्रमुख-सुब्रतो घोष ने हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर के रामानंद नागेंद्र शुक्ला, क्वालिटी काउंसिल ऑफ इंडिया के सहायक महासचिव मोहित पाधी के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक राहुल हिमालयन, तथा के निदेशक (कैटरिंग सेवाएं) मनोज कुमार शर्मा भी मौजूद थे। डेटा के साथ छेड़छाड़ को रोकने और पूरी पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए, इस ऑडिट प्रक्रिया में के अत्याधुनिक डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर का उपयोग किया जाएगा। निरीक्षक एक विशेष मोबाइल एप्लिकेशन का इस्तेमाल करेंगे, जिसमें जियो-टैगिंग, टाइम-स्टैम्पिंग और फोटो के जरिए सबूत जुटाना अनिवार्य होगा। ऑडिट रिपोर्ट 24 घंटे के भीतर जमा करनी होगी, जिससे कमियों का तुरंत पता चल सके और नियमों का पालन न करने वाले वेंडर्स के खिलाफ तत्काल सुधारात्मक और निवारक कार्रवाई शुरू की जा सके। आम जनता को मिलने वाले मुख्य लाभ और प्रभाव के क्षेत्र ट्रेनों में भोजन की गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं ट्रेनों में सख्त और स्वतंत्र जांच से यह सुनिश्चित होता है कि यात्रियों को खराब तरीके से तैयार किया गया भोजन न मिले। स्टेशनों पर एक समान गुणवत्ता- पूरी तरह से मानकीकृत प्रक्रियाओं के कारण, सभी प्रमुख स्टेशनों पर स्थित कैटरिंग इकाइयों में भोजन पकाने का माहौल एकदम साफ-सुथरा और सुरक्षित रहता है। ज विक्रेताओं की सख्त जवाबदेही- डिजिटल सबूतों के साथ 24 घंटे के भीतर रिपोर्ट जमा करना अनिवार्य है, जिससे नियमों का उल्लंघन होने पर तुरंत जुर्माना लगाया जा सके या सुधारात्मक कदम उठाए जा सकें।

श्रीराघव शक्ति मिलन का आयोजन 21 को

गोरखपुर, १५ अक्टूबर। श्रीश्री राघव शक्ति मिलन पूर्वांचल की एक अदभुत परम्परा है, अभी तक ज्ञात स्थानों में यह कार्यक्रम भारत वर्ष में सिर्फ दुर्गा मिलन चौक, बसन्तपुर मे ही मनायी जाती है। स्वतंत्रता के पूर्व सन् 1862 में विजयदशमी के दिन रामलीला भूमि बर्डघाट से रावण वध करने के बाद मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीरामचन्द्र अपनी भार्या जानकी, अनुज लक्ष्मण बजरंगबली एवं रामादल शेषपुर के हनुमानजी के साथ बसन्तपुर तिराहा होते हुए बन्धू सिंह पार्क के रास्ते स्व. बाबू जगन्नाथ प्रसाद अग्रवाल के निवास शेषपुर पहुंचकर विसर्जित हो जाती थी। श्रीश्री राघव शक्ति मिलन कमेटी के संस्थापक सदस्यों स्व. मोहन लाल यादव, स्व. रघुवीर मास्टर ने श्रीश्री राघव शक्ति मिलन कमेटी की स्थापना किया और इसको शानदार स्वरूप देने में स्व. रामचन्दर सैनी, स्व. मेवा लाल यादव, स्व. राधेश्याम मेढ़, स्व.कृष्ण मुरारी यादव एवं स्व. किशुन लाल यादव ने अपना विशेष योगदान दिया।

अखिलेश चन्द द्वारा ज्ञानमण्डल प्राइवेट लिमिटेड के लिए ज्ञानमण्डल यंत्रालय ज्ञानमण्डल प्राइवेट लिमिटेड लाहिड़ी बिल्डिंग बैंकरोड, गोरखपुर से मुद्रित एवं ज्ञानमण्डल लिमिटेड लाहिड़ी बिल्डिंग बैंक रोड गोरखपुर से प्रकाशित

सम्पादक : शार्दूल विक्रम गुप्त

स्थानीय व्यवस्थापक : अखिलेश चन्द

वाराणसी : सन्त कबीर मार्ग
प्रयागराज : ३, लीडर रोड
कानपुर : बांसमण्डी
लखनऊ : १, जापलिंग रोड
आगरा : महात्मा गांधी रोड
बरेली : रोड नं.-३, परसाखेड़ा
पटना : फ्रेजर रोड
रांची : नामकुम इंडस्ट्रीयल एरिया
जमशेदपुर : कालीमाटी रोड

पंजीयन संख्या-आर.एन. ३८७१०/८१
दूरभाष : २२०१८७६
फैक्स : २३३१२१२
e-mail-aj_gorakhpur@yahoo.com
ajgorakhpur@gmail.com

पी.आर.बी.अधिनियम के अन्तर्गत समाचार चयन के लिए स्थानीय सम्पादक जिम्मेदार होंगे तथा समस्त विवाद गोरखपुर न्यायालय के अधीन होगा।

पाठकों से

'आज' में छपे किसी भी विज्ञापन के सम्बन्ध में पाठक स्वतः जांच करके कार्य करें। इसके सम्बन्ध में कोई भी दावा 'आज' प्रकाशन पर न होगा।
प्रबंधक

सूचना-मै ऐनुल्लाह अहमद (AINULLAH AHMAD) पुत्र स्व० मतीन अहमद (MATIN AHMAD) ग्राम-चौरा खास, पोस्ट-सरया, तहसील -पडरौना, जनपद-कुशीनगर, (उ०प्र०)। मेरे पुत्र / पुत्री के विद्यालय अभिलेख तथा प्राप्त सभी प्रमाण - पत्रों में मेरा नाम **ऐनुल्लाह अहमद अंसारी** (|INULLAH AHMAD ANSARI) दर्ज है, जबकि मेरा सही नाम ऐनुल्लाह अहमद (AINULLAH AHMAD) है।

आवश्यक सूचना- सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आधार कार्ड में मेरा नाम प्रेमलता तिवारी अंकित हैं जबकि मैंने अब अपना नाम परिवर्तित कर प्रेमलता पाण्डेय रख लिया हैं। अतः मुझे अब प्रेमलता पाण्डेय के नाम से जाना व पहचाना जाय। **प्रेमलता पाण्डेय** पत्नी सुनील कुमार तिवारी, ग्राम - डिघवा बुजुर्ग वार्ड नं. 5 बापूनगर पोस्ट+ तहसील- कसया जनपद - कुशीनगर।

अदालती नोटिस
(बदस्त अवाम फरोख्त के लिए)
इत्तिलानामा बनाम रेस्पान्डेन्ट बावत इत्तिला
(तारीख मुकर्रर समाअत अपील)
न्यायालय-अपर आयुक्त (न्यायिक)
गोरखपुर मंडल, गोरखपुर
राजेन्द्र बनाम इन्द्रासन आदि
बनाम-1. इन्द्रासन पुत्र रामअवध, 2. रामसिंह, 3. रामरतन पुत्रगण ईश्वर साकिनान मौजा सिधरिया, तप्पा-रायपुरा, परगना स.म., तहसील-बरहज, जनपद-देवरिया, 4. श्रीमती शीला देवी पत्नी नर्वदा प्रसाद, साकिन टेकनपुरा, तप्पा रायपुरा, परगना स.म., तहसील-बरहज, जनपद-देवरिया, 5. श्रीमती निर्मला देवी पत्नी इन्द्रासन सिंह साकिन भलुवनी, तप्पा रायपुरा, परगना स.म., तहसील-बरहज, जनपद-देवरिया, 6. रामनगीना, 7. रामदवर, पुत्रगण भग्गू, साकिनान मौजा फुलवरिया लाला, तप्पा रायपुरा, परगना स.म., तहसील-बरहज, जनपद-देवरिया। **रेस्पा. प्रथम पक्ष** 8. गांवसभा मौजा सिधरिया, तप्पा रायपुरा, परगना स.म., तहसील-बरहज, जनपद-देवरिया जरिये प्रधान। **रेस्पा. द्वितीय पक्ष**
इत्तिला हो कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमे में मुसम्मी ने तारीख 26 महीना 11 सन् 2026ई. को समाअत इस अपील के मुकर्रर की है। अगर खुद आपके वकील या और कोई सख्श जो कानूनन आपकी तरफ से अपीलहाजा सवाल जवाब करने की मरजी रखता हो हाजिर न हो जायेगा तो उसकी समाअत और तजबीज आपकी गैरहाजिरी में एकतरफा की जायेगी।
आज तारीख 15 महीना 10 सन् 2026ई. को मेरे दस्तखत और मोहर अदालत के हवाले किया गया।
ह. अपर आयुक्त (न्यायिक)
गोरखपुर मंडल, गोरखपुर

सूचना-सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी माता मालती देवी पत्नी स्व. रघुनाथ प्रसाद वर्मा की मृत्यु दिनांक 03-08-2012 को अपने निवास पर हो चुकी है। **रवि कुमार वर्मा** पुत्र स्व. रघुनाथ प्रसाद वर्मा शेषपुर, गीता प्रेस, गोरखपुर (उ.प्र.)।

सूचना-सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा हाईस्कूल परीक्षा वर्ष 2019 अनुक्रमांक 2952483 का प्रमाण पत्र-सह-अंकपत्र वास्तव में खो गया है। **सत्य प्रकाश** पुत्र श्याम नारायण ग्राम-मकरन्दपुर, पोस्ट - महुआपार थाना - बड़हलगंज, जिला - गोरखपुर।

सूचना-सूचित किया जाता है कि मेरे सभी दस्तावेजो में मेरा नाम सफिदुन निशा दर्ज है जो सही है त्रुटि बस मेरे आधार कार्ड न0 327650862723 में मेरा नाम सोबराती दर्ज हो गया है जो गलत है मुझे मेरे सही नाम सफिदुन निशा के नाम से ही जाना व पहचाना जाए। **सफीदुन निशा** पुत्री सोबराती, ग्राम सोनरा पो0 सोनरा जनपद महराजगंज उ0प्र0 पिन 273303

सूचना-सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपना नाम बबलू कुमार यादव से बदलकर बृजेश यादव रख लिया हूँ। आज से हमें बृजेश यादव के नाम से जाना व पहचाना जाय। **बृजेश यादव** पुत्र लालजी यादव, ग्राम - मझवलिया, पोस्ट - मोहाल. जलकर मठिया, थाना - बड़हलगंज, जिला-गोरखपुर।

सूचना-सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे स्कूल के दस्तावेजों में मेरा नाम त्रुटिवश 'सिद्धेश मद्धेशिया' दर्ज हो गया है, जबकि मेरे आधार कार्ड में मेरा सही नाम 'अखिल कुमार मद्धेशिया' अंकित है। 'सिद्धेश मद्धेशिया' और 'अखिल कुमार मद्धेशिया' दोनों एक ही व्यक्ति के नाम हैं। भविष्य में मुझे मेरे आधार कार्ड वाले नाम **'अखिल कुमार मद्धेशिया'** पुत्र राजेश, निवासी-मोहल्ला विष्णुपुरी वार्ड नम्बर 4, न.पा.प. नौतनवां, तहसील - नौतनवा, जिला - महराजगंज (273164) के नाम से ही जाना और पहचाना जाए।

सूचना-मैं **कशिश** पुत्री राजकुमार अग्रहरी, निवासिनी अग्रहरी टोला श्यामनगर, पोस्ट-बांसी, जिला-सिद्धार्थनगर। मैंने अपना नाम Kashish Agrahari से बदल कर नाम Kashish कर लिया है। भविष्य में मुझे Kashish के नाम से जाना व पहचाना जाये।

सूचना-सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपना नाम सहाबुद्दीन मोहम्मद वशीर से बदल कर सहाबुद्दीन रख लिया है। अब मुझे इसी नाम से जाना एवं समझा जाए। **सहाबुद्दीन** पुत्र मोहम्मद वशीर मो. रसूल ग्राम मुजहना खुर्द पोस्ट महराजगंज, जिला महराजगंज

सूचना-सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा हाईस्कूल परीक्षा वर्ष 2024 अनुक्रमांक 1242836769 का मूल प्रमाण पत्र सह अंक पत्र वास्तव में खो गया है। **दिलीप प्रजापति** पुत्र दिनेश प्रजापति, ग्राम कुइचवर, पोस्ट भाटपार रानी, जिला देवरिया।

सूचना-सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है की मेरा हाईस्कूल वर्ष 2021 अनुक्रमांक 9935000315 का मूल अंकपत्र(मार्कशीट)वास्तव में कही खो गया है। **अमन कन्नौजिया** पुत्र छोटेलाल कन्नौजिया, ग्राम, बलहिखोर पो0 बसूली फार्म जनपद महराजगंज उ0प्र0

सूचना-सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा सेंट जोसफ सीनियर सेकेंडरी स्कूल सिसवा बाजार का वर्ष 2014-15 कक्षा 8 का स्थानांतरण प्रमाण पत्र वास्तव में कही गुम हो गया है। **मंगलम जायसवाल** पुत्र नवल किशोर जायसवाल पता मो. जायसवाल नगर, पोस्ट-सिसवा बाजार, जनपद महराजगंज।

सूचना-सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे बैंक पासबुक में मेरा नाम कुमारी रबड़ी हो गया है जो गलत है, मेरे आधार कार्ड मे मेरा नाम निर्मला तिवारी है जो सत्य है, मुझे इसी नाम से जाना पहचाना जाय। **निर्मला तिवारी** पुत्री तारकेश्वर तिवारी, ग्राम-मालीबारी बड़कागाँव थाना भाटपार रानी देवरिया उ. प्र.

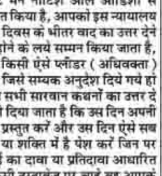

सूचना-सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा हाईस्कूल परीक्षा वर्ष 2018 अनुक्रमांक 2552095 का मूल प्रमाणपत्र-सह-अंकपत्र वास्तव में खो गया है। **सकीना खातून** पुत्री शकील अहमद, रसूलपुर, कामरेड नगर, गोरखपुर (उ.प्र.)।

सूचना-सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपना नाम PRADEEP KUMAR से बदलकर PRADEEP KUNAR GAUR कर लिया है, अब मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाए। **प्रदीप कुमार गौड़** पुत्र सोभाराम, निवासी -188, बड़ी रेतवहिया, पोस्ट जंगल धूसड़, गोरखपुर, उत्तर प्रदेश-273014.

सूचना-सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपने पुत्र परमात्मा चौहान व उसकी पत्नी रेशमा देवी के व्यवहार से दुखी होकर उन्हें अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में इनके किसी कार्य से मेरा कोई सरोकार नहीं होगा। **विश्वनाथ** पुत्र स्व. कन्हैया लाल, लच्छीपुर, टोला-जप्ती, गोरखनाथ, गोरखपुर (उ.प्र.)।

सूचना-सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपना नाम अलीमुन निशा मोहम्मद मसीहुद्दीन से बदलकर अलीमुन निशा रख लिया है। अब मुझे इसी नाम से जाना पहचान जाए। **अलीमुन निशा** पत्नी मोहम्मद मसीहुद्दीन निजामुद्दीन निवासी बर्डपुर नं 4 टोला जगदीशपुर, पोस्ट ककरहवा बाजार, थाना मोहाने, जिला सिद्धार्थनगर 272202

गुमशुदा की तलाश

नाम-गुड्डू पुत्र गोली निषाद, उम्र-21 वर्ष, रंग-सांवला, लम्बाई-5 फीट, पहनावा-काला शर्ट और नीली जींस, पता-जंगल पकड़ी, दक्षिण टोला, थाना-पिपराइच, जिला-गोरखपुर, लापता होने की तिथि 13-10-2026
विवरण: दिनांक 13-10-2026 को अपने घर से दुर्गा पण्डाल के लिए निकले, अभी तक वापस नहीं आये, काफी खोजबीन के बावजूद नहीं मिले। यदि किसी व्यक्ति को इनके बारे में कोई जानकारी मिले तो कृपया निम्न नम्बरों पर सूचित करें।
गोलू मो.नं.-7310402167
थाना-प्रभारी, थाना-पिपराइच, मो.नं.-9454403519

COURT NOTICE Platt. Adv.: C.S.Shrma
IN THE COURT OF FAMILY COURT, NADIAD. DIST. KHEDA AT. NADIAD, State of Gujrat, INDIA.
Plaintiff : Jyotiben Mukehbhai Prajapati.
Resi: Kalal Faliyu, At. Andhaj, Ta, Nadiad, Dist. Kheda.
F.S.No.12 of 2025 Fixed On 07.11.2026. Exh.15.
Versus
Deffendent: Jitendrakumar Kishnkumar Dube
Resi: Imiliya, Post-Asanar Police Station, Khesara, Ta.Bansi, Dist:-Siddharth Nagar, State of UTTARPRADESH.
Mo.No.09628759383/07379350880.
To,
Whereas the above named petitioner had made application under section 13 Of Hindu Marriage Petition Act to the court that,
Where as the applicant above named has instituted a petition against you, You are hereby notice to appear in this court in person, and able to answer relating the petition on the Date : 07.11.2026, at 11:00 A.M.
In default of your appearance on the day mentioned before the Hon'ble Court, the Court will pass appropriate order in your absence according to law. Which may please be noted.
Given under my hand & the seal of the Court.
Dated, this 8th day Octo of 2026.
COURT STAMP
By order,
Superintendent
Family Court, Nadiad.
Dist. Kheda.-Gujarat

IN THE COURT OF XI ADDITIONAL MOTOR ACCIDENT CLAIMS TRIBUNAL, DISTRICT COURT, GWALIOR
Presiding Officer : महेश कुमार झा
आदेश 5 नियम 20 व्यवहार प्रक्रिया संहिता 1908 के अन्तर्गत प्रकाशन हेतु।
(MACC/0001592/2023)
दिनेश बाबू शर्मा ....वादी
V/S
वासुदेव चौधरी..........प्रतिवादी
Process Id-/22/2026
पेशी दिनांक :- 12/11/2026
प्रेषिती-
(1) वासुदेव चौधरी पिता झोधू चौधरी पता- गाम गोलहडारा थाना सोहरतगढ पोस्ट मध्याबाजार जिला सिद्धार्थ नगर उ.प्र.
यह कि प्रार्थी दिनेश बाबू शर्मा ने आपके विरूद्ध दैनिक आज समाचार पत्र उ्र एवं स्टेट मेन नोटिश ऑल ओडिशा से प्रकाशन के लिए वाद संस्थित किया है, आपको इस न्यायालय में सूचना के प्रकाशन के 30 दिवस के भीतर वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात/हाजिर होने के लये सम्मन किया जाता है, आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर (अधिवक्ता) द्वारा उपसंजात हो सकते है, जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो इस वाद में संबंधित सभी सारवान कथनों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन प्रस्तुत करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपका प्रतिरक्षा या मुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित हो, और यदि आप अन्य किसी दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजरा के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो ऐसी सभी दस्तावेज की लिखित कथन के साथ उपलब्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्टि करें। आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप उपर बताई गई अवधि में इस न्यायालय में उपस्थित नहीं होंगे तो वाद की एक पक्षीय सुनवाई कर उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। साथ ही यह भी सूचित किया जाता है कि यदि आप निराकरण मध्यस्थ के माध्यम से करने के इच्छुक हैं तो पीठासीन अधिकारी को अवगत करावें। यह आज तारीख 13 October 2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर दिया गया है।
टिप्पणी :- कृपया ध्यान दें. 1. यदि किसी कारणवश उक्ततिथि को न्यायालय अवकाश पर रहेगा तो अगामी कार्यदिवस पर यह प्रकरण सुनवाई में लिया जायेगा।
न्यायालय एकादशम जिला न्यायाधीश जिला ग्वालियर मध्यप्रदेश

पूर्वोत्तर रेलवे
ई-निविदा सूचना
भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिए मण्डल रेल प्रबंधक (विद्युत/सामान्य) पूर्वोत्तर रेलवे, वाराणसी निम्नलिखित कार्यों हेतु ऑनलाइन (ई-टेंडरिंग) के माध्यम से "खुली" निविदायें आमंत्रित करते है। क्र0 सं0 1. निविदा सूचना संख्याः ई-निविदा-एल-36-26-27 **कार्य का नामः** सिवान एवं मऊ स्टेशनों पर प्री-कूलिंग सह बैटरी चार्जिंग पॉइंट्स की व्यवस्था। **अनुमानित लागतः** 9235381.38 **अमानत राशिः** 184700.00 **कार्य समापन का समय : 04 महीने। निविदा समापन की तिथि एवं समय :** 06.11.2026 14:30 बजे। **निविदा खोलने की तिथि एवं समय :** 06.11.2026 14:30 बजे। उपरोक्त ई-निविदा कार्यों के पूर्ण विवरण एवं निविदाओं में प्रतिभाग करने हेतु भारतीय रेल की वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जाये
वरि0 मंडल विद्युत इंजी0/सामान्य वाराणसी
मुजाधि/विद्युत-223
ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

पूर्वोत्तर रेलवे
खुली ई-निविदा सूचना **NER-LJN-2026-256**
भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेल प्रबन्धक/इंजीनियरिंग/पूर्वोत्तर रेलवे/लखनऊ द्वारा निम्नलिखित कार्यों हेतु आनलाईन 'खुली' ई-निविदायें आमंत्रित की जाती हैं जिसका विवरण नीचे निम्नवत है-
ई-निविदा संख्या- NER-LJN-2026-256, कार्य का नामः पूर्वोत्तर रेलवे लखनऊ मण्डलः- वरिष्ठ मंडल इंजीनियर, तृतीय-लखनऊ के अधिकार क्षेत्र में विभिन्न समपारों (लेवल क्रॉसिंग) पर रबराइज्ड एल.सी. पैड लगाकर सड़क की सतह में सुधार करना। अनुमानित लागत(रू0): ₹ 58833841.05, अग्रिम धन(रू0): 1176700.00, समापन अवधिः 12 माह।
1.उपरोक्त ई-निविदा संख्या NER-LJN-2026-256 के लिये ई-निविदा दिनांक 12.11.2026 को 15.00 बजे तक अपलोड की जा सकती है तथा उसी दिन समय 15.00 बजे के बाद ई-निविदा खोली जायेंगी। 2. उपरोक्त ई-निविदा से सम्बन्धित सभी सूचना, निम्नतम अर्हता, नियम एवं शर्तो का पूर्ण विवरण पूर्वोत्तर रेलवे के वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदाकार ई निविदा प्रपत्र को अपलोड करने से पूर्व इस ई-निविदा सूचना से सम्बन्धित वेबसाइट पर उपलब्ध शुद्धि पत्र (यदि कोई हो तो) को भी संज्ञान में लेना सुनिश्चित करें।
मंडल रेल प्रबंधक/इंजीनियरिंग
मुजाधि/डब्लू-379 लखनऊ
गाड़ियों की छतों व पायदान पर कदापि यात्रा न करें।

कार्यालय अधिशासी अभियंता, ग्रामीण अभियंत्रण विभाग, प्रखण्ड-देवरिया
पता-विकास भवन, देवरिया
पत्रांक-1264/ग्रा.अ.वि./निविदा-ई-टेण्डर/2026-27 दिनांक 06-10-2026
ई-प्रोक्योरमेण्ट निविदा कॉल नोटिस
महामहिम श्री राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, प्रखण्ड-देवरिया 0के द्वारा ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, उ0प्र0 में ए, बी, सी व डी श्रेणी में कार्य की लागत के सीमा के अनुरूप पंजीकृत निविदादाताओं से ई-टेण्डरिंग के माध्यम से प्रतिशत दर के आधार पर नीचे दर्शाये गये कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। बिड डाक्यूमेंट के साथ संलग्न बिल ऑफ क्वान्टिटी के अंकित दरों में जी0एस0टी0 के अतिरिक्त अन्य सभी कर सम्मिलित है, जी0एस0टी0 का भुगतान सरकार के निर्देशानुसार नियमानुसार अलग से किया जायेगा। निविदादाता किसी एक कार्य अथवा सभी कार्यों के लिए निविदा दे सकता है।
कार्य से सम्बन्धित विवरण निम्नवत है:-

क्र0 सं0	जनपद	कार्य का नाम	योजना/वर्ष	अनुमानित लागत (लाख रु0 में)	बिड सिक्योरिटी (इ0एम0डी0) (रु0 लाख)	निविदा प्रपत्र का मूल्य या निविदा फीस जी0एस0टी0 सहित (यदि आवश्यक हो) (रु0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि (वर्षा ऋतु सहित)
1	2	3	4	5	6	7	8
1.	देवरिया	विकास खण्ड भटनी के ग्राम सभा अहिरौली में सौरभ पाण्डेय के घर के उत्तर टोला पिच के तरफ सी0सी0 कार्य।	विधायक निधि वर्ष 2025-26	17.250	0.35	854.00	04 माह
2.	देवरिया	विकास खण्ड देवरिया सदर के लाहिलपार मुख्य मार्ग (पश्चिमी) से दुर्गा माता मन्दिर तक सी0सी0 सड़क निर्माण कार्य।	विधायक निधि वर्ष 2025-26	12.130	0.24	766.00	04 माह
3.	देवरिया	विकास खण्ड तरकुलवा के ग्रामसभा कैथौली में रामाश्रय राव के घर से नरेन्द्र राव के घर तक सी0सी0 रोड निर्माण कार्य।	विधायक निधि वर्ष 2025-26	11.640	0.23	766.00	04 माह
4.	देवरिया	विकास खण्ड देवरिया के ग्रामसभा बतरौली में सिरसिया टोला पर अवध बिहारी पाण्डेय के घर से काली माता मन्दिर तक सी0सी0 रोड निर्माण कार्य।	विधायक निधि वर्ष 2025-26	10.840	0.22	766.00	04 माह
5.	देवरिया	विकास खण्ड भटनी के ग्राम सभा सिसवा (एकडंगा) में सी0सी0 रोड के पास पंकज सिंह के दरवाजे से गौतम सिंह के दरवाजे तक सी0सी0 रोड निर्माण कार्य।	विधायक निधि वर्ष 2025-26	10.670	0.21	766.00	04 माह
6.	देवरिया	विकास खण्ड रामपुर कारखाना के ग्रामसभा नौतन में प्राथमिक विद्यालय के पीछे ट्यूबेल से कुशेश्वर शाही के घर तक सी0सी0 रोड निर्माण कार्य।	विधायक निधि वर्ष 2026-27	15.460	0.31	854.00	04 माह
7.	देवरिया	विकास खण्ड भटनी के ग्राम सभा पिपरा शुक्ल में सरकारी हास्पिटल से पारस शुक्ला के घर के आगे तक सी0सी0 रोड निर्माण कार्य।	विधायक निधि वर्ष 2026-27	12.260	0.25	766.00	04 माह
8.	देवरिया	विकास खण्ड भटनी के ग्रामसभा सल्लहपुर पूरब टोला में पिच मार्ग से विनय चौरसिया के मकान के तरफ सी0सी0 रोड का निर्माण कार्य।	विधायक निधि वर्ष 2026-27	12.750	0.26	766.00	04 माह
9.	देवरिया	विकास खण्ड पथरदेवा के ग्राम गोरयाघाट मेन पिच मार्ग से दुलारी देवी डिग्री कालेज होते हुए बिन्दवलिया सम्पर्क मार्ग का सी0सी0 रोड निर्माण कार्य।	विधायक निधि वर्ष 2026-27	14.350	0.29	766.00	04 माह
10.	देवरिया	विकास खण्ड सलेमपुर के ग्रामसभा अनुपापार में पिवकोल अण्डरपास से रेलवे स्टेशन तक मि0/ख0 कार्य।	विधायक निधि वर्ष 2026-27	10.770	0.22	766.00	04 माह

1. वेब साइट पर बिड डाक्यूमेंट उपलब्धता की तिथि/समय - 07.11.2026 से।
2. बिड डाक्यूमेंट डाउन लोडिंग प्रारम्भ करने की तिथि एवं समय - 07.11.2026 को प्रातः 10.00 बजे से।
3. ई-निविदा के माध्यम से निविदा डालने की प्रारम्भ तिथि/समय - 07.11.2026 को प्रातः 10.00 बजे से।
4. ई-निविदा के माध्यम से निविदा प्राप्ति के लिए अन्तिम तिथि/समय - 16.11.2026 को दोपहर 12.00 बजे तक।
5. ई-निविदा के माध्यम से निविदा खोलने की तिथि एवं समय - 17.11.2026 को दोपहर 02.30 बजे से।
6. टेंडर प्रक्रिया से पूर्व का कोई भी शपथ-पत्र मान्य नहीं होगा।
7. निविदा ऑन-लाईन वेब साईट-http://etender-up-nic-in पर उपलब्ध होगा एवं उसी साईट पर डाला जायेगा।
8. निविदा आमंत्रकर्ता को आई0टी0बी0 के क्लॉज-9 के अनुसार परिशिष्ट/शुद्धि पत्र जारी करने का अधिकार है, जो किसी भी समाचार पत्र में प्रकाशित नहीं किया जायेगा। सभी सम्भावित निविदादाताओं को सलाह दी जाती है, कि वह नियमित रूप से ई-निविदा पोर्टल पर निगरानी रखें।

अधिक जानकारी के लिए कृपया वेब साईट-http://etender-up-nic-in पर लॉग इन करें तथा बिड डाक्यूमेंट को डाउनलोड करें।
सभी सम्भावित निविदादाता को सलाह है कि बिड सबमिट करने से पूर्व बिड डाक्यूमेंट को भली भांति पढ़ लें।

अधिशासी अभियंता
ग्रामीण अभियंत्रण विभाग
प्रखण्ड-देवरिया
श्री राज्यपाल, उत्तर प्रदेश की ओर से
उ.प्र.-258311/दिनांक 14-10-2026 इमेल-upinformataion@nic.in

आज

मां ने सिखाया मुश्किलों का सामना करना

दुर्गा सप्तशती- शक्तिशाली सिद्ध मंत्र और उनका चमत्कारी महत्व | माधुरी

गोरखपुर, शुक्रवार १६ अक्तूबर २०२६ सौर ३०, आश्विन शुक्ल ६, सं. २०८३ वि. | वाराणसी, गोरखपुर, प्रयागराज, कानपुर, लखनऊ, आगरा, बरेली, हल्द्वानी, पटना (कोलकाता संस्करण), रांची तथा जमशेदपुर से प्रकाशित, (वर्ष-४६ पू.सं. २०४१२६६ | * नगर संस्करण पृष्ठ १२, मूल्य ३.०० रुपये

विंध्य धामके विकाससे पर्यटनको बढ़ावा, रोजगारके अवसर बढ़े

मुख्यमंत्रीने मां विंध्यवासिनीका किया दर्शन, प्रदेशके लिए मांगा सुख-चैन

मीरजापुर (ह.स.)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को विंध्याचल पहुंचकर मां विंध्यवासिनी देवी का विधि-विधान से दर्शन-पूजन किया और प्रदेश की सुख-समृद्धि, शांति एवं खुशहाली की कामना की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मां विंध्यवासिनी धाम में कॉरिडोर निर्माण से श्रद्धालुओं को दर्शन में बड़ी सुविधा मिली है। अब भक्त सुगमता से मां के दर्शन कर रहे हैं। धार्मिक स्थलों के विकास से पर्यटन को बढ़ावा मिलने के साथ स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी बढ़े हैं। मुख्यमंत्री ने दर्शन-पूजन के बाद पक्का घाट पहुंचकर गंगा नदी पर निर्माणाधीन घाटों का निरीक्षण किया और जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार से निर्माण कार्यों की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को गुणवत्तापूर्ण निर्माण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। इसके बाद कालीखोह मोड़ पर आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अयोध्या, काशी विश्वनाथ और विंध्याचल सहित प्रमुख धार्मिक स्थलों का विकास किया गया है। योगी ने कहा कि विंध्याचल मंडल में दो मेडिकल कॉलेज और दो राज्य विश्वविद्यालय संचालित हो रहे हैं। प्रदेश में साढ़े नौ वर्षों में साढ़े नौ लाख युवाओं को सरकारी नौकरी देने का दावा करते हुए उन्होंने कहा कि सरकार युवाओं को रोजगार और शिक्षा के बेहतर अवसर उपलब्ध करा रही है। दो करोड़ युवाओं को टैबलेट देने की योजना के तहत 62 लाख युवाओं को टैबलेट वितरित किए जा चुके हैं। ने कहा कि प्रदेश के 15 लाख शिक्षकों और उनके परिवारों को प्रतिवर्ष पांच लाख रुपये का स्वास्थ्य बीमा कवर दिया गया है। कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी और आशीष पटेल ने भी जनसभा को संबोधित किया।

सुप्रीम कोर्टसे महिला पत्रकार को गिरफ्तारी से राहत

नयी दिल्ली (आससे)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को दिल्ली पुलिस के एसीपी विवेक भगत पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाने वाली महिला पत्रकार को गिरफ्तारी से राहत देते हुए उसके खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं करने का आदेश दिया। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची की पीठ ने यह आदेश विरोध प्रदर्शनों की कवरेज के दौरान महिला पत्रकारों के खिलाफ यौन हिंसा के आरोपों की जांच की मांग से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान दिया। एसीपी ने महिला पत्रकार के खिलाफ एससी/एसटी एक्ट सहित भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। आरोप है कि महिला पत्रकार ने प्रदर्शन के दौरान अपने सहकर्मियों के साथ मिलकर एसीपी को सार्वजनिक रूप से अपमानित किया और जातिसूचक गालियां दीं। सुनवाई के दौरान वरिष्ठ अधिवक्ता इंदिरा जयसिंह ने आरोपों की जांच के (शेष पृष्ठ ९ पर)

सीजेपीके विरोध-प्रदर्शनको रोकनेसे हाईकोर्टका इनकार

गतिविधियोंको नियंत्रित करनेके लिए आवश्यक कदम उठानेके निर्देश

नयी दिल्ली (आससे)। दिल्ली उच्च न्यायालय ने गुरुवार को कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) और उसके संस्थापक अभिजीत दिपके को 16 अक्तूबर को कनॉट प्लेस सेंट्रल पार्क में विरोध प्रदर्शन से रोकने से इनकार कर दिया। न्यायालय ने पुलिस के इस आश्वासन को दर्ज किया कि उनकी गतिविधि को नियंत्रित करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाये जायेंगे। न्यायमूर्ति नितिन वासुदेव सांबरे और संजय शर्मा की पीठ ने इस मामले की सुनवाई की। कनॉट प्लेस के एक विक्रेता ने याचिका दायर कर पुलिस से सर्वोच्च न्यायालय के कानून के अनुसार विरोध प्रदर्शन नियमित करने का निर्देश मांगा। याचिकाकर्ता के वरिष्ठ अधिवक्ता ने कहा कि त्योहारों में विरोध प्रदर्शनों से एक और वीकेंड बंद होने पर व्यापारी सड़कों पर आ जायेंगे। अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल चेतन शर्मा ने सीजेपी की गतिविधियों को नियंत्रित करने के कदम बताए। उन्होंने याचिकाकर्ता की आशंका दूर करने का आश्वासन

दिया, जिसे न्यायालय ने दर्ज किया। याचिकाकर्ता के वरिष्ठ अधिवक्ता ने सीजेपी को रोकने के लिए विशिष्ट निर्देश मांगे, पर पीठ ने कहा आदेश पारित हो चुका है। यह मामला पीठ के समक्ष तब आया जब उसने दिन में पहले याचिका पर तत्काल सुनवाई की सहमति दी। याचिकाकर्ता के वरिष्ठ अधिवक्ता ने सुबह कहा कि कनॉट प्लेस सेंट्रल पार्क में विरोध प्रदर्शन बुलाया गया है। उन्होंने इसे विरोध का स्थल न बताते हुए दशहरा सप्ताहांत के कारण रोकने की मांग की। दिपके ने लोगों से शुक्रवार को कनॉट प्लेस के सेंट्रल पार्क में राष्ट्रीय ध्वज के (शेष पृष्ठ ९ पर)

गुजरात : फैक्टरी का बॉयलर फटनेसे चार की मौत

गांधीनगर (एजेंसी)। गुजरात के गांधीनगर के पास छत्राल स्थित एक केमिकल फैक्टरी में बॉयलर का नोजल फटने से चार मजदूरों की मौत हो गयी। हादसा छत्राल जीआईडीसी के फेज-4 में गुरुवार को हुआ। विस्फोट के बाद फैक्टरी में आग लग गयी और मौके पर अफरा-तफरी मच गयी। हादसे में जान गंवाने वाले चारों मजदूर प्रवासी थे। इनमें तीन झारखंड और एक राजस्थान का रहने वाला था। (शेष पृष्ठ ९ पर)

वाराणसी : अवैध पटाखा फैक्ट्रीमें विस्फोट से दो मंजिला मकान जमींदोज, तीन घायल

वाराणसी (का.प्र.)। सारनाथ थाना क्षेत्र के पंचक्रोशी स्थित पैगंबरपुर इलाके में गुरुवार को शाम पांच बजे एक अवैध रूप से संचालित पटाखा फैक्ट्री में जबरदस्त विस्फोट हो

चौकी प्रभारी-आरक्षी निलम्बित

गया। धमाका इतना भयानक था कि दो मंजिला मकान पूरी तरह जमींदोज हो गया और आसपास के मकानों का बाहरी हिस्सा भी ढह गया। इस घटना के बाद पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गयी और लोगों में भारी दहशत फैल गयी।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, धमाका इतना तेज था कि लोगों को लगा जैसे भूकंप आ गया हो और सड़क पूरी तरह कांपने लगी थी। मकान मालिक राजू खान के घर में हुए इस विस्फोट की चपेट में आने से आदिल (१६ वर्ष), चांदनी (३९ वर्ष) और अरबीया (१० वर्ष) घायल हो गये हैं, जिन्हें मंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं, मलबे में पटाखा कारोबारी राजू खान और उसके परिवार के करीब आधा दर्जन लोगों के दबे होने की आशंका जतायी जा रही है। इस मामले में डीसीपी वरुणा जोन राजेश कुमार पाण्डेय ने तत्काल प्रभाव से पुरानापुल चौकी प्रभारी अनुज शुक्ल और आरक्षी प्रकाशचन्द्र यादव को निलम्बित कर दिया। सूत्रों के अनुसार, हादसे के बाद राजू खान और उसकी मां मुन्नी खान पिछले दरवाजे से फरार होने की सूचना (शेष पृष्ठ ९ पर)

तिरंगा मार्चको लेकर सीपीका सेंट्रल पार्क दो दिन रहेगा बंद

नयी दिल्ली (आससे.)। कनॉट प्लेस का सेंट्रल पार्क 16-17 अक्टूबर को बंद रहेगा। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) के मुताबिक प्रशासनिक कारणों के चलते यह फैसला लिया गया है। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने कल यानी 16 अक्तूबर को सेंट्रल पार्क पर तिरंगा मार्च करने का आह्वान किया है।कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रस्तावित प्रदर्शन से पहले कनॉट प्लेस और जंतर-मंतर के आसपास सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए जाएंगे। पुलिस सूत्रों ने गुरुवार को बताया कि अर्धसैनिक बलों की कई कंपनियां पहले ही राष्ट्रीय राजधानी में तैनात की जा चुकी हैं। सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दिपके ने शुक्रवार शाम पांच बजे कनॉट प्लेस के सेंट्रल पार्क में 'लहरा दो तिरंगा' नाम से प्रदर्शन का आह्वान किया है।एक पुलिस सूत्र ने बताया कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने और किसी अप्रिय घटना को रोकने के लिए पुलिसकर्मियों को रणनीतिक (शेष पृष्ठ ९ पर)

अभिनेता इमरान खानको २८ तक भारत छोड़नेका आदेश

नयी दिल्ली (आससे)। बॉलीवुड अभिनेता इमरान खान को लेकर बड़ी खबर सामने आयी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, भारतीय अधिकारियों ने अभिनेता को 28 अक्तूबर तक देश छोड़ने का निर्देश दिया है। आरोप है कि उन्होंने चुनाव आयोग के खिलाफ विरोध प्रदर्शन में शामिल होकर इमिग्रेशन नियमों का उल्लंघन किया। दरअसल, इमरान खान अमेरिकी नागरिक हैं और भारतीय कानूनों के तहत विदेशी नागरिकों की राजनीतिक प्रदर्शनों में भागीदारी वीजा एवं आव्रजन नियमों का उल्लंघन मानी जा सकती है। हालांकि, इस मामले पर एक्टर की ओर से तत्काल कोई रिएक्शन सामने नहीं आया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, इमरान खान 10 अक्तूबर को मुंबई में आयोजित एक रैली में शामिल हुए थे।

सऊदीमें उड़ान संकटके बीच भारतने उमरा यात्रियों की मददके लिए खोला अतिरिक्त कक्ष

दुबई (एजेंसी)। भारत और सऊदी अरब के बीच उड़ानें प्रभावित होने के कारण वहां फंसे भारतीय नागरिकों, विशेष रूप से उमरा यात्रियों की मदद के लिए भारत ने मक्का में एक अतिरिक्त नियंत्रण कक्ष स्थापित किया है। जेद्दा स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास ने यह जानकारी दी। यमन के हूती विद्रोहियों की ओर से सऊदी अरब में असैन्य बुनियादी ढांचे को निशाना बनाकर किये गये कई घातक ड्रोन और मिसाइल हमलों के बाद खाड़ी क्षेत्र में तनाव बढ़ गया है, जिससे देशभर में उड़ानें प्रभावित हुई हैं। वाणिज्य दूतावास ने बुधवार को बताया कि नया नियंत्रण कक्ष मक्का स्थित भारतीय हज यात्री कार्यालय (आईएचपीओ) में स्थापित किया गया है और जेद्दा में पहले से मौजूद चौबीसों घंटे काम करने वाला नियंत्रण कक्ष भी अपनी सेवाएं जारी रखेगा। इससे पहले मंगलवार को वाणिज्य दूतावास ने भारतीय नागरिकों, विशेष रूप से जेद्दा और मदीना आने-जाने वाले उमरा यात्रियों को सलाह दी थी कि वे अपनी विमानन कंपनियों के नियमित संपर्क में रहें और हवाई अड्डे के लिए रवाना होने से पहले अपनी उड़ान की स्थिति जरूर पता कर लें। उमरा इस्लाम की एक धार्मिक परंपरा है, जिसे साल में किसी भी समय किया (शेष पृष्ठ ९ पर)

एक निश्चित लाभ देनेवाला हेल्थ प्लान जो आपको भुगतान करता है,
अस्पताल को नहीं - चिकित्सा के वास्तविक ख़र्चे चाहे जो भी हों।

प्रस्तुत है एलआईसी हेल्थ शील्ड

यूआईएन: 512N369V01 | प्लान नं.: 907

नॉन-पार, नॉन-लिंक्ड, हेल्थ, व्यक्तिगत, शुद्ध जोखिम प्लान

ऑनलाइन भी उपलब्ध है

पॉलिसी के लाभ:

- एक व्यापक प्लान जो आपके संपूर्ण परिवार को कवर करता है
- निश्चित दैनिक हॉस्पिटल कैश लाभ
- गंभीर बीमारियों और शल्य चिकित्साओं के लिए एकमुश्त भुगतान
- मेडिकल बिलों से आगे जाकर आय का आधार
- दावा-मुक्त वर्षों के लिए वृद्धिशील लाभ

क्यूआर कोड स्कैन कीजिए और My LIC App डाउनलोड करें | विज़िट करें: licindia.in | कॉल सेन्टर सर्विस (022) 6827 6827 | हमारा व्हॉट्सएप नं. 8976862090 कहिए 'Hi'

भारतीय जीवन बीमा निगम
LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA
हर पल आपके साथ

अधिक जानकारी के लिए, अपने बीमा एजेन्ट/अपनी निकटतम एलआईसी शाखा से संपर्क करें/www.licindia.in पर जाएं

हमें यहाँ फॉलो करें: LIC India Forever | IRDAI Regn No.: 512

धोखेधड़ी वाले फ़ोन कॉल्स तथा झूठे/भ्रामक प्रस्तावों से सावधान रहें। आईआरडीएआई या इसके कर्मचारी बीमा व्यवसाय जैसे कि बीमा पॉलिसियों की बिक्री, बोनस की घोषणा या प्रीमियम्स के निवेश, राशियां लौटाना जैसी कोई भी गतिविधियों में शामिल नहीं होते हैं। जिन पॉलिसीधारकों या संभावित ग्राहकों को ऐसे फ़ोन कॉल्स मिलें, वे कृपया पुलिस में इसकी शिकायत दर्ज करें। कृपया बिक्री के समापन से पहले बिक्री पुस्तिका को ध्यान से पढ़ लें।

LIC/R1/2026-27/07/Hin

एसआईआर : चुनावसे पूर्व यूपी समेत १७ राज्यों में अपडेट होगी वोटर लिस्ट

नयी दिल्ली (आससे.)। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर जारी विवाद के बीच चुनाव आयोग ने 17 राज्यों में मतदाता सूची का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण (एसएसआर) कराने की घोषणा की है। इनमें उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, मणिपुर और गोवा जैसे वे राज्य भी शामिल हैं, जहां अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं। चुनाव आयोग ने संबंधित राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को पत्र भेजकर इस प्रक्रिया की जानकारी दी है। आयोग के मुताबिक, पुनरीक्षण के लिए एक जनवरी 2027 को अर्हता तिथि निर्धारित किया गया है। विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण का उद्देश्य मतदाता सूची में पात्र लोगों के नाम शामिल (शेष पृष्ठ ९ पर)

यात्रियों को शुद्ध एवं स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराना पू.रे. की प्राथमिकता

गोरखपुर, १५ अक्टूबर। रेल यात्रियों एवं कर्मचारियों को स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से पूर्वोत्तर रेलवे द्वारा रेलवे स्टेशनों, कार्यालयों एवं आवासीय कॉलोनियों में पानी की टंकियों, वाटर कूलर, टैप, फिल्टर, वितरण बिंदुओं तथा पाइप लाइनों की निरन्तर निगरानी एवं रखरखाव के कार्य को प्राथमिकता दी गई है। रेलवे के मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षकों, स्वास्थ्य निरीक्षकों द्वारा पेयजल को सुरक्षित बनाने हेतु अवशिष्ट क्लोरीन परीक्षण, जीवाणु संवर्धन परीक्षण एवं रासायनिक विश्लेषण नियमित रूप से किये जा रहे हैं। रेल यात्रियों और कर्मचारियों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराना रेल प्रशासन की प्राथमिकताओं में से एक है और यह कार्य अभियान के रूप में निरन्तर चलता रहेगा। लखनऊ मंडल पर मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, मंडल चिकित्सालय, बादशाहनगर डॉ. रमेश चन्द तथा अपर मंडल रेल प्रबन्धक, इन्फ्रा भुवनेश सिंह के संयुक्त निर्देशन में मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षकों, स्वास्थ्य निरीक्षकों ने 21 प्रमुख स्टेशनों एवं 4 मुख्य आवासीय

कॉलोनियों में कुल 251 अवशिष्ट क्लोरीन परीक्षण तथा 37 जीवाणु संवर्धन परीक्षण किये, जांचोपरान्त सभी जल नमूने निर्धारित मानक के अनुरूप पाये गये। इसी प्रकार, इज्जतनगर मंडल के प्रमुख स्टेशनों पर निरन्तर अवशिष्ट क्लोरीन परीक्षण एवं जीवाणु संवर्धन परीक्षण किये जा रहे हैं। वाराणसी मंडल पर मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षकों, स्वास्थ्य निरीक्षकों द्वारा स्टेशनों, आवासीय कॉलोनियों, कोचिंग डिपो, चिकित्सालयों एवं स्वास्थ्य केंद्रों, रनिंग रूम, क्रू लॉबी तथा कार्यालयों में पानी की टंकियों, वाटर कूलर, वाटर फिल्टर, पाइप लाइनों एवं पंपिंग प्रणाली की जाँच की गई। पूर्वोत्तर रेलवे के सभी स्टेशनों, आवासीय कॉलोनियों एवं कार्यालयों में शुद्ध पेयजल सुनिश्चित करने के लिये यह जांच अभियान निरंतर जारी रहेगा। स्वास्थ्य निरीक्षकों द्वारा नियमित परीक्षण किये जा रहे हैं, ताकि यात्रियों और कर्मचारियों को निर्धारित मानकों के अनुरूप स्वच्छ पेयजल उपलब्ध हो सके। रेल यात्रियों एवं कर्मियों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराना रेल प्रशासन की प्राथमिकता है तथा इसके लिये जल गुणवत्ता की निगरानी निरन्तर जारी रहेगी।

रेलवे परिसरों में चलाया गया स्वच्छता अभियान

गोरखपुर, १५ अक्टूबर। भारतीय रेल पर 1 से 15 अक्टूबर तक चलाये जा रहे 'स्वच्छता पखवाड़ा' अभियान के अन्तर्गत पूर्वोत्तर रेलवे मुख्यालय, गोरखपुर तथा तीनों मंडलों विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। इसी क्रम में, आज रेलवे परिसरों में स्वच्छता व्यवस्था के सुदृढ़ करना , पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना, अपशिष्ट का वैज्ञानिक तरीके से निस्तारण सुनिश्चित करन तथा स्वच्छता को दैनिक जीवन का अभिन्न अंग बनाने के उद्देश्य से रेलवे परिसरों, कार्यालयों, स्टेशनों एवं अन्य प्रतिष्वानों में स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण संबंधी विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये गये। लखनऊ मंडल के प्रमुख स्टेशनों गोरखपुर, गोंडा, लखनऊ, ऐशबाग, बस्ती, खलीलाबाद, सीतापुर एवं मैलानी तथा अन्य रेलवे इकाइयों, कालोनियों, कोचिंग डिपो, लोको शेड में सफाई 'ठोस अवशिष्ट प्रबंधन' के अन्तर्गत कचरे को सही तरीके से इकट्ठा करना, अलग-अलग छांटना और सुरक्षित रूप से उसका निस्तारण करने हेतु रेलकर्मियों एवं सफाई मित्रों को जागरूक किया गया। साथ ही रेलवे कॉलोनियों एवं स्टेशनों पर संविदा कर्मचारियों को स्वच्छता की शपथ दिलाई गई। रेलवे स्टेशनों, प्लेटफॉर्मों, प्रतीक्षालयों एवं अन्य सार्वजनिक स्थानों पर रेलकर्मियों एवं यात्रियों को कूड़ा-कचरा इधर-उधर न फेंकने तथा गीले एवं सूखे कचरे के लिए अलग-अलग डस्टबिन के उपयोग करने हेतु प्रेरित किया गया। सोशल मीडिया के माध्यम से वृहद प्रचार-प्रसार किया गया। वाराणसी मंडल के विभिन्न स्टेशनों

पर सफाई मित्रों एवं रेल कर्मचारियों के साथ स्वच्छता संबंधी रेलसंवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान स्टेशन परिसर एवं कार्यस्थल को स्वच्छ बनाये रखने, डस्टबिन के रंग के अनुसार कचरे का पृथक्कीकरण करने तथा स्वच्छता के प्रति जागरुकता बढ़ाने पर चर्चा की गई। साथ ही, यात्रियों एवं आमजन से स्वच्छ रेल परिसर के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की गई। पैंट्री, कैटरिंग कर्मचारियों, वेंडरों और संविदा कर्मचारियों को कचरा अलग करने के प्रावधानों, जिम्मेदारियों और नियमों के पालन करने के बारे में जानकारी दी गई। पोस्टर, बैनरों एवं स्वच्छता नारों माध्यम से जागरूकता रैली निकालकर स्वच्छता का संदेश दिया गया। इज्जतनगर मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर यात्रियों एवं रेलकर्मियों को कचरे के उचित निस्तारण तथा रेलवे स्टेशनों, प्लेटफॉर्मों, प्रतीक्षालयों एवं अन्य सार्वजनिक स्थानों पर कूड़ा-कचरा इधर-उधर न फेंकने तथा निर्धारित कूड़ेदानों का उपयोग करने के लिए जागरूक किया गया। साथ ही, गीले एवं सूखे कचरें को अलग-अलग रखने तथा रेलवे परिसर को स्वच्छ बनाए रखने हेतु जागरूक किया गया। स्टेशनों पर अतिरिक्त डस्टबिन का प्रावधान किया गया। रेलवे स्टेशनों, ट्रेनों, पेंट्री एवं रेलवे कॉलोनियों में निर्धारित कूड़ेदानों के उचित उपयोग, सफाई कर्मचारियों के प्रशिक्षण एवं कचरे के निस्तारण हेतु प्रोत्साहित किया जा रहा है। स्वच्छ रेल परसर के निर्माण में सहभागिता निभाने की अपील की गई।

सात फेरों में चलेगी विशेष ट्रेन

गोरखपुर, १५ अक्टूबर। रेल प्रशासन द्वारा आगामी त्यौहारों को ध्यान में रखते हुये रेल यात्रियों की अतिरिक्त सुविधा हेतु 04638/04637 अमृतसर-छपरा-अमृतसर वाया गोरखपुर साप्ताहिक आरक्षित त्यौहार विशेष गाड़ी का संचलन अमृतसर से 19 अक्टूबर से 30 नवम्बर तक प्रत्येक सोमवार को तथा छपरा से 20

अक्टूबर से 01 दिसम्बर तक प्रत्येक मंगलवार को 7 फेरों के लिये किया जायेगा। 04638 अमृतसर-छपरा साप्ताहिक आरक्षित त्यौहार विशेष गाड़ी 19 अक्टूबर से 30 नवम्बर तक प्रत्येक सोमवार को अमृतसर से 19.40 बजे प्रस्थान कर ब्यास से 20.15 बजे, जलंधर सिटी से 20.55 बजे, फगवाड़ा से 21.15 बजे, ढंडारी कलां से 22.15 बजे, सरहिंद से 23.05 बजे, राजपुरा से 23.30 बजे, दूसरे दिन अम्बाला कैंट से 50 बजे, यमुनानगर जगाधरी से 1.44 बजे, सहारनपुर से 2.15 बजे, मुरादाबाद से 5.53 बजे, बरेली से 7.15 बजे, शाहजहाँपुर से 8.18 बजे, सीतापुर से 10.45 बजे, गोंडा से 13.35 बजे, गोरखपुर से 16.20 बजे, कप्तानगंज से 17.05 बजे, पडरौना से 17.37 बजे, तमकुही रोड से 18.10 बजे, थावे से 18.55 बजे, सीवान से 19.40 बजे तथा एकमा से 20.12 बजे छूटकर छपरा 20.45 बजे पहुँचेगी। वापसी यात्रा में, 04637 छपरा-अमृतसर साप्ताहिक आरक्षित त्यौहार विशेष गाड़ी 20 अक्टूबर से 1 दिसम्बर तक प्रत्येक मंगलवार को छपरा से 22.15 बजे प्रस्थान कर एकमा से 22.47 बजे, सीवान से 23.15 बजे, थावे से 23.55 बजे, दूसरे दिन तमकुही रोड से 32 बजे, पडरौना से 1 बजे, कप्तानगंज से 1.32 बजे, गोरखपुर से 2.25 बजे, गोंडा से 5 बजे, सीतापुर से 8.30 बजे, शाहजहाँपुर से 10.27 बजे, बरेली से 11.27 बजे, मुरादाबाद से 13.10 बजे, सहारनपुर से 17.10 बजे, यमुनानगर जगाधरी से 17.42 बजे, अम्बाला कैंट से 19.30 बजे, राजपुरा से 19.55 बजे, सरहिंद से 20.20 बजे, ढंडारी कलां से 21.20 बजे, फगवाड़ा से 22.12 बजे, जलंधर सिटी से 22.50 बजे तथा ब्यास से 23.30 बजे छूटकर तीसरे दिन अमृतसर 20 बजे पहुँचेगी। इस गाडी में एल.एस.एल.आर.डी. के 2, शयनयान श्रेणी के 8 तथा सामान्य द्वितीय श्रेणी के 11 कोचों सहित कुल 21 कोच लगाये जायेंगे।

साप्ताहिक त्यौहार विशेष गाड़ी का संचलन

गोरखपुर, १५ अक्टूबर। रेल प्रशासन द्वारा आगामी त्यौहारों को ध्यान में रखते हुये रेल यात्रियों की अतिरिक्त सुविधा हेतु 04640/04639 छेहरटा-मुजफ्फरपुर-छेहरटा वाया गोरखपुर साप्ताहिक त्यौहार विशेष गाड़ी का संचलन छेहरटा से 19 अक्टूबर से 30 नवम्बर तक प्रत्येक सोमवार को तथा मुजफ्फरपुर से 20 अक्टूबर से 01 दिसम्बर तक प्रत्येक मंगलवार को 7 फेरों के लिये किया जायेगा। 04640 छेहरटा-मुजफ्फरपुर साप्ताहिक त्यौहार विशेष गाड़ी 19 अक्टूबर से 30 नवम्बर तक प्रत्येक सोमवार को छेहरटा से 8.35 बजे प्रस्थान कर अमृतसर से 9.10 बजे, ब्यास से 9.45 बजे, जलंधर सिटी से 10.55 बजे, लुधियाना से 12 बजे, सरहिंद से 12.55 बजे, राजपुरा से 13.07 बजे, अम्बाला कैंट से 13.50 बजे, यमुनानगर जगाधरी से 14.30 बजे, सहारनपुर से 15.10 बजे, मुरादाबाद से 18.13 बजे, बरेली से 19.27 बजे, शाहजहाँपुर से 20.30 बजे, दूसरे दिन सीतापुर से 12 बजे, गोंडा से 3.10 बजे, गोरखपुर से 6.10 बजे, कप्तानगंज से 6.57 बजे, सिसवा बाज़ार से 7.21 बजे, बगहा से 8.40 बजे, नरकटियागंज से 9.30 बजे, बेतिया से 10.10 बजे तथा सगौली से 10.40 बजे छूटकर मुजफ्फरपुर 13.10 बजे पहुँचेगी। वापसी यात्रा में, 04639 मुजफ्फरपुर-छेहरटा साप्ताहिक त्यौहार विशेष गाड़ी 20 अक्टूबर से 1 दिसम्बर तक प्रत्येक मंगलवार को मुजफ्फरपुर से 16 बजे प्रस्थान कर सगौली से 18.05 बजे, बेतिया से 18.30 बजे, नरकटियागंज से 19.55 बजे, बगहा से 20.49 बजे, सिसवा बाज़ार से 22.10 बजे, कप्तानगंज से 22.45 बजे, दूसरे दिन गोरखपुर से 5 बजे, गोंडा से 2.38 बजे, सीतापुर से 6 बजे, शाहजहाँपुर से 8.26 बजे, बरेली से 9.32 बजे, मुरादाबाद से 11.10 बजे, सहारनपुर से 14.50 बजे, यमुनानगर जगाधरी से 15.20 बजे, अम्बाला कैंट से 16.10 बजे, राजपुरा से 16.35 बजे, सरहिंद से 16.58 बजे, लुधियाना से 18 बजे, जलंधर सिटी से 19.10 बजे, ब्यास से 19.45 बजे तथा अमृतसर से 21.05 बजे छूटकर छेहरटा 21.30 बजे पहुँचेगी। इस गाडी में एल.एस.एल.आर.डी. का 1, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी का 2, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी का 1, जनरेटर सह लगेज यान का 1, सामान्य द्वितीय श्रेणी के 6 तथा शयनयान श्रेणी के 7 कोचों सहित कुल 18 कोच लगाये जायेंगे।

घर से लापता छह वर्षीय बच्ची सकुशल बरामद कर परिजनों को सौंप

गोरखपुर, १५ अक्टूबर। गोरखनाथ थाना क्षेत्र में घर के बाहर खेलते समय संदिग्ध परिस्थितियों लापता हुई छह वर्षीय बच्ची को पुलिस ने सूचना मिलने के महज २ घंटे के अंदर सकुशल बरामद करके परिजनों को सुपुर्द किया है। प्रभारी निरीक्षक गोरखनाथ ने बताया कि परिजनों ने पुलिस को बताया था कि बच्ची स्कूल से लौटने के बाद घर के बाहर खेलने निकल गई थी। जब वह ज्यादादेर तक घर में वापस नही आई तब परिजनों ने आसपास उसकी तलाश की, लेकिन उसका कोई पता नहीं चला। उन्होंने बताया कि मामले की जानकारी मिलते ही चौकी प्रभारी जटेपुर एसआई हैदर अली, महिला उपनिरीक्षक दीपशिखा वर्मा, कांस्टेबिल रामहरख चौहान और नितिन कुमार सक्रिय हो गये। उन्होंने हर संभावित स्थानों पर लोगों से पूछताछ की और सीसीटीवी कैमरों की मदद से महज २ घंटे के अंदर बच्ची को सकुशल बरामद कर परिजनों के सुपुर्द कर दिया।

मां अम्बे की महिमा और स्वरूप का हुआ गुणगान

गोरखपुर, १५ अक्टूबर। माँ अम्बे को आदि-पराशक्ति माना जाता है, जो इस सृष्टि की रचना, पालन और संहार करने वाली दिव्य ऊर्जा हैं। पौराणिक कथाओं के अनुसार, जब महिषासुर जैसे राक्षसों का अत्याचार बढ़ा और देवताओं की शक्ति कम पड़ गई, तब ब्रह्मा, विष्णु और

महेश की शक्तियों से माँ अम्बे प्रकट हुईं। उन्होंने महिषासुर का वध कर धर्म और सत्य की रक्षा की। वे ममतामयी माँ हैं, जो अपने भक्तों के सभी दुखों, संकटों और भय को दूर करती हैं। वे सिंह (शेर) पर सवार होती हैं, जो साहस और शक्ति का प्रतीक है। उनकी कई भुजाएँ हैं जो विभिन्न देवताओं द्वारा दिए गए दिव्य अस्त्र-शस्त्रों से सुशोभित हैं। उक्त बातें नौका विहार , रेल बिहार तारामंडल स्थित अशोक ऐश्वरम विला मंदिर परिसर में मां की चौकी व् भजन संध्या में राष्ट्रीय सेवा परिषद की अध्यक्षा डॉ. किरन ने कही। चल रहे मां दुर्गा पूजा महोत्सव में माता की चौकी का आयोजन किया गया। इस दौरान श्रद्धालुओं ने सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। सभी ने भक्ति गीतों के माध्यम से मां दुर्गा का गुणगान किया। भजनों और जयकारों से मंदिर परिसर भक्तिमय हो उठा। कार्यक्रम का संचालन निवेदिता श्रीवास्तव ने व् आयोजन कर्ता ई रंजीत श्रीवास्तव सभी आगंतुकों के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर मुख्य रूप से वयोवृद्ध कर्मठ समाजसेवी दुर्गा बाबू, सुषमा देवी,अर्चना, डॉ विभा, रविता, निशा जायसवाल, रीना त्रिपाठी, संध्या गुप्ता, जया श्रीवास्तव, स्मिता, मनीषा, पूर्व लेखा अधिकारी रेलवे राकेश श्रीवास्तव, ई. प्रदीप कुमार, शिक्षा विद् डॉ. मनोज कुमार उद्यमी ई. संजीत कुमार,मांडवी पाठक सहित बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों ने मां भक्ति रस का स्वाद चखा ।

नवरात्रि पर आईसीआईसीआई लाइफ इंश्योरेंस का बड़ा ऐलान

गोरखपुर -नवरात्रि के अवसर पर आईसीआईसीआई लाइफ इंश्योरेंस ने अपनी 'नारीशक्ति' पहल के तहत वित्त वर्ष 2027 के अंत तक देशभर में 20,000 महिला एडवाइजर्स को जोड़ने की योजना की घोषणा की है। 30 सितंबर, 2026 तक कंपनी से 78,000 से अधिक महिला एडवाइजर्स जुड़ी थीं, जिनका कंपनी के एजेंसी कारोबार में 45 प्रतिशत योगदान है। यह घोषणा कंपनी की 'नारीशक्ति' पहल के दो साल पूरे होने के अवसर पर की गई है। आईसीआईसीआई लाइफ इंश्योरेंस लिमिटेड के चीफ डिस्ट्रीब्यूशन ऑफिसर अमीश बैंकर ने कहा आईसीआईसीआई लाइफ इंश्योरेंस में हमारा दृढ़ विश्वास है कि प्रतिभा का कोई लिंग नहीं होता। जहाँ हम अपने पुरुष बीमा एडवाइजर्स के प्रदर्शन में लगातार सुधार देख रहे हैं, वहीं हमारी महिला एडवाइजर्स भी ग्राहकों की जरूरतों को समझने और उनकी अपेक्षाओं

❖ वित्त वर्ष 2027 तक 20,000 महिला एडवाइजर जोड़ेगी कंपनी

पर खरा उतरने के लिए पूरी मेहनत कर रही हैं। महत्वपूर्ण बात यह है कि कंपनी के कुल एडवाइजर्स में महिलाओं की हिस्सेदारी करीब 32 प्रतिशत है, लेकिन 30 सितंबर, 2026 तक उन्होंने कंपनी के एजेंसी कारोबार में लगभग 45 प्रतिशत योगदान दिया है। बेंगलुरु, केरल और मुंबई जैसे क्षेत्रों में महिला एडवाइजर्स की हिस्सेदारी एजेंसी कारोबार में 50 प्रतिशत से भी अधिक रही है। हमारी महिला एडवाइजर्स अलग-अलग पृष्ठभूमि से आती हैं। इनमें गृहिणियाँ, नौकरीपेशा महिलाएँ और कारोबारी महिलाएँ शामिल हैं। उनमें एक मैनेजर की तरह कई काम एक साथ संभालने, सलाहकार की तरह समस्याओं का समाधान निकालने और बैंकर की तरह धन का प्रबंधन करने की क्षमता होती है। भारतीय महिलाओं में दूसरों की भावनाओं को समझने और समस्याओं का व्यावहारिक समाधान निकालने की स्वाभाविक क्षमता होती है।

आदर्श वार्ड 19 के मुख्य सड़क पर अतिक्रमण से राहगीरों को परेशानी

गोरखपुर,१५अक्टूबर। रामगढ़ ताल का आदर्श वार्ड नं. 19 के मुख्य मार्ग के पटरियों पर अतिक्रमण हो जाने से राहगीरो को आने जाने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जानकारी के अनुसार वार्ड तक जाने वाली सड़क के दोनों तरफ गुमटी,ठेला झोपड़ी आदि लगाकर इस सार्वजनिक 35 फिट सड़क को 10 फीट बना दिया गया है।

इसी मार्ग पर बाबा वासुदेव स्कूल, स्वीट पीज़ पब्लिक स्कूल स्थित है तथा घनी आबादी है। बच्चों, स्कूल बसों और आम नागरिकों के आने-जाने में भारी परेशानी हो रही है । बड़ा हादसा हो जाने की आशंका भी जताई जा रही है । स्थानीय लोगों का कहना है कि शाम होते ही यहाँ जुआरियो और शराबियों का आतंक शुरू हो जाता है । इस सम्बन्ध में मोहल्ला रामगढ़ के निवासी रमेश प्रजापति, सुरेश साहनी, मुदडू बनारसी, प्रेम साहनी, रामजी आदि ने सोमवार को नगर आयुक्त, नगर निगम गोरखपुर प्रार्थना पत्र देकर अतिक्रमण हटवाने की मांग की है ।

त्योहारों पर चलायी जा रही विशेष ट्रेनों में सीटों की उपलब्धता

गोरखपुर, १५ अक्टूबर। रेल प्रशासन द्वारा आगामी त्यौहारों पर यात्रियों की सुविधा हेतु अनेक विशेष ट्रेनों का संचलन किया जा रहा है। इन विशेष ट्रेनों में माह अक्टूबर तक के लिये 15 अक्टूबर को सायं बर्थ की उपलब्धता है। छपरा से चलने वाली 05085 छपरा-आनन्द विहार टर्मिनल त्यौहार विशेष गाड़ी में 20 अक्टूबर को वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 85, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 309 एवं वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी में 94 बर्थ तथा 27 अक्टूबर को वातानुकूलित प्रथम श्रेणी में 1, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 100, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 347, वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी में 120 एवं शयनयान श्रेणी में 161 बर्थ उपलब्ध है। मऊ से चलने वाली 05301 मऊ-अम्बाला कैंट त्यौहार विशेष गाड़ी में 22 अक्टूबर को वातानुकूलित प्रथम श्रेणी में 2, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 101, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 286 एवं वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी में 93 बर्थ तथा 29 अक्टूबर को वातानुकूलित प्रथम श्रेणी में 06, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 106, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 343, वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी में 116 एवं शयनयान श्रेणी में 203 बर्थ उपलब्ध है। छपरा से चलने वाली 05193 छपरा-पठानकोट त्यौहार विशेष गाड़ी में 19 अक्टूबर को वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 51, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 229 एवं वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी में 42 बर्थ तथा 26 अक्टूबर को वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 50, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 228 एवं वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी में 15 बर्थ उपलब्ध है। मऊ से चलने वाली 05096 मऊ-कोलकाता त्यौहार विशेष गाड़ी में 28 अक्टूबर को वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 17 बर्थ उपलब्ध है। बनारस से चलने वाली 05167 बनारस-लोकमान्य तिलक टर्मिनस त्यौहार विशेष गाड़ी में 17 अक्टूबर को वातानुकूलित प्रथम श्रेणी में 10, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 55, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 115 एवं वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी में 73 बर्थ; 24 अक्टूबर को वातानुकूलित प्रथम श्रेणी में 11, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 58, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 166 एवं वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी में 92 बर्थ तथा 31 अक्टूबर को वातानुकूलित प्रथम श्रेणी में 18, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 72, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 211, वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी में 122 एवं शयनयान श्रेणी में 294 बर्थ उपलब्ध है।गोरखपुर से चलने वाली 05101 गोरखपुर-शकूर बस्ती (दिल्ली) त्यौहार विशेष गाड़ी में 18 अक्टूबर को वातानुकूलित प्रथम श्रेणी में 15, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 77 एवं वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 531 बर्थ तथा 25 अक्टूबर को वातानुकूलित प्रथम श्रेणी में 12, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 69 एवं वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 529 बर्थ उपलब्ध है। गोरखपुर से चलने वाली 04830 गोरखपुर-जोधपुर त्यौहार विशेष गाड़ी में 16 अक्टूबर को वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 42, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 129 एवं शयनयान श्रेणी में 73 बर्थ; 23 अक्टूबर को वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 51, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 148 एवं शयनयान श्रेणी में 219 बर्थ तथा 30 अक्टूबर को वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 63,

❖ शीघ्र बर्थ आरक्षित कराकर यात्रा को सुगम बनायें

वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 166 एवं शयनयान श्रेणी में 362 बर्थ उपलब्ध है। गोरखपुर से चलने वाली 03132 गोरखपुर-सियालदह त्यौहार विशेष गाड़ी में 21 अक्टूबर को वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 118 एवं शयनयान श्रेणी में 253 बर्थ; 23 अक्टूबर को शयनयान श्रेणी में 204 बर्थ; 28 अक्टूबर को वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 166 एवं शयनयान श्रेणी में 424 बर्थ तथा 30 अक्टूबर को वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 164 एवं शयनयान श्रेणी में 451 बर्थ उपलब्ध है। गोरखपुर से चलने वाली 05977 गोरखपुर-डिब्रूगढ़ त्यौहार विशेष गाड़ी में 22 अक्टूबर को वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 179 एवं शयनयान श्रेणी में 408 बर्थ तथा 29 अक्टूबर को वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 289 एवं शयनयान श्रेणी में 582 बर्थ उपलब्ध है। छपरा से चलने वाली 07652 छपरा-जालना त्यौहार विशेष गाड़ी में 23 अक्टूबर को वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 62, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 216 एवं शयनयान श्रेणी में 562 बर्थ तथा 30 अक्टूबर को वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 78, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 221 एवं शयनयान श्रेणी में 587 बर्थ उपलब्ध है। छपरा से चलने वाली 09066 छपरा-सूरत त्यौहार विशेष गाड़ी में 21 अक्टूबर को वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 335 बर्थ तथा 28 अक्टूबर को वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 514 एवं शयनयान श्रेणी में 434 बर्थ उपलब्ध है। गोरखपुर से चलने वाली 03528 गोरखपुर-आसनसोल त्यौहार विशेष गाड़ी में 17 अक्टूबर को वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 72, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 305 एवं शयनयान श्रेणी में 21 बर्थ; 24 अक्टूबर को वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 78, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 348 एवं शयनयान श्रेणी में 400 बर्थ तथा 31 अक्टूबर को वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 78, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 351 एवं शयनयान श्रेणी में 414 बर्थ उपलब्ध है। मऊ से चलने वाली 04824 मऊ-जोधपुर त्यौहार विशेष गाड़ी में 20 अक्टूबर को वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 3 बर्थ तथा 27 अक्टूबर को वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 35, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 136 एवं शयनयान श्रेणी में 164 बर्थ उपलब्ध है। यात्रीगण इन ट्रेनों में बर्थ आरक्षित कराकर अपनी यात्रा को सुगम एवं आरामदेह बनावें।

ऐश्प्रा की विशेष ज्वेलरी प्रदर्शनी 16 से 18 अक्टूबर तक पार्क रोड गोरखपुर में

गोरखपुर, 15 अक्टूबर। उत्तर प्रदेश की प्रमुख ज्वेलरी रिटेल चेन में शामिल ऐशप्रा जेम्स एड ज्वेल्स द्वारा गोरखपुर के पार्क रोड स्थित शोरूम में 16 से 18 अक्टूबर तक विशेष ज्वेलरी प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है। तीन दिवसीय इस प्रदर्शनी में सोने चांदी, हीरे, पोल्की और कुंदन के आभूषणा का शानदार संग्रह प्रस्तुत किया जाएगा। इस अवसर को और खास बनाने के लिए ग्राहक ऐशप्रा के महाउत्सव औफर्स का लाभ उठा सकेंगे। ८वर्षों से अधिक की विरासत और ग्रहकों के विश्रास के साथ ऐशप्रा जेम्स एंड ज्वेल्स इस प्रदर्शनी के माध्यम से आभूषण प्रेमियों के लिए खरीदारी का एक विशेष अनभव लेकर आया है। प्रदर्शनी में पारंपरिक कारीगरी और आधुनिक डिजाइनों का खुबसूरत संगम देखने को मिलेगा। विवाह समारोहों, त्योहारों और अन्य खास अवसरों के लिए आकर्षक आभूषणों की विविध रेंज ग्राहकों के लिए उपलब्ध होगी। महाउत्सव ऑफर्स के साथ खरीदारी का खास अवसर इस महाउत्सव के दौरान ऐशप्रा ग्राहकों के लिए कई आकषर्षक ऑफर्स लेकर आया है। गोल्ड ज्वेलरी मेकिग चाजर्ज पर 30% तक की छूट और डायमंड ज्वेलरी की वैल्यू

AISSHPRA
GEMS AND JEWELS

प र विशेष छूट। सोने की ज्वेलरी की प्री-बुकिंग पर सवसे कम गोल्ड रेट पाने का अवसर।HDFC बैंक क्रेडिट कार्ड पर 25.000 तक का इंस्टेंट डिस्काउंट, लागू नियमों एवं शर्तों के अनुसार। यह बैंक ऑफर 10 अक्टूबर से 15 नवबर तक मान्य है। इन आकर्षक ऑफर्स के साथ ग्राहक अपनी पसंद के आभूषणों की खरीदारी को और भी खास बना सकते हैं। यह प्रदर्शनी ग्राहकों को एक ही छत के नीचे विभिन्न श्रेणियों के आभूषणों को देखने और अपनी पसंद के अनुसार खरीदारी करने का अवसर प्रदान करेगी। ऐशप्रा जेम्स एड ज्वेल्स का उद्देश्य उत्कृष्ट गुणवत्ता, आकर्षक डिजाइनों और ग्राहकों के विश्वास के साथ हर उत्सव को यादगार बनाना है। यह प्रदर्शनी इसी प्रतिबद्ता को आगे बड़ाने की एक पहल है। ऐवा जेम्सा एंड ज्वेल्स सभी ग्राहकों और आभूषण प्रेमियों को इस विशेष प्रदर्शनी में आमंत्रित करता है। ऐश्प्रा के बारे में 45 व्ण से अधिक की विरासत के साथ ऐशप्रा उत्तर प्रदेश की प्रमुख आभूषण रिटेल चेन में से एक है।उत्कृष्ट कारीगरी, गुणवत्ता और ग्राहकों के विश्वास के लिए पहचाना जान वाला यह ब्रांड अनेक परिवारों की शादी सुशियों और खास अवसरों का हिस्सा रहा है। अपने विस्तृत होते रिटेल नेहखर्क के माधम से एश्प्रा पारपरिक विरासत और आधुनिक डिजाइनों का संगम प्राहकों तक पहुंचा रहा है।

मंगला माता मंदिर में सजा राधा दरबार

गोरखपुर, 15 अक्टूबर।नवरात्रि के पावन त्यौहार पर माँ दुर्गा की मनुहार एवं आराधना करते हुए आज शहर की प्रतिष्ठित धार्मिक संस्था 'राधा दरबार' की सखियों

ने मिलकर बेतियाहाता स्थित मंगला माता मंदिर में भव्य दरबार सजाया। अध्यक्ष मधु गोयनका एवं सचिव रेनु गोयल तथा संस्था की अन्य सखियों ने अपने मन के भाव भजन के रूप में माता के सामने प्रकट किये। सखी रंजना छापड़िया एवं सखी अनिता शिरिष ने इस कार्यक्रम का आयोजन किया।

इस अवसर पर सखियों ने मीठी-मीठी ताली, जय मइया शेरावाली, चंदा भी देख शरमाया, मइया जी तुम्हें किसने सजाया..., घूम-घूम छन न न बाजे पाँव पैजनियाँ, मइया नवरात्रि में जब धरती पर आती ... गावो रे गणेश मनाओ हनुमाना आदि अनेका अनेक भजनों एवं नृत्य से सखियों ने माता को रिझाया।

कार्यक्रम में कविता चौधरी, श्यामा अग्रवाल, राधा सराफ, सरिता जालान, संगीता सिंघानिया, नीरू मौदी, परिनीता, स्वाति, अल्का आदि की उपस्तिथि

मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक और गौरवपूर्ण उपलब्धि

वाराणसी। बनारस रेल इंजन कारखाना (बरेका) ने अपनी उत्कृष्ट उत्पादन क्षमता और तकनीकी दक्षता का परिचय देते

हुए वित्तीय वर्ष 2026-27 में 50वें अमृत भारत (पुश-पुल) लोकोमोटिव का निर्माण कर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है।

अमृत भारत ट्रेनों के लिए निर्मित पुश-पुल लोकोमोटिव आधुनिक तकनीक से सुसज्जित हैं। ट्रेन के दोनों छोर पर लोकोमोटिव लगाए जाने से परिचालन में सुगमता आती है। अत्याधुनिक लोको कैब, सेमी-ऑटोमेटिक कपलर, क्रैशवर्दी डिजाइन और बेहतर ब्रेकिंग प्रणाली जैसी विशेषताएं इन्हें और अधिक आधुनिक बनाती हैं। बरेका महाप्रबंधक आशुतोष पंत ने कहा कि बरेका का प्रत्येक लोकोमोटिव भारत की औद्योगिक आत्मनिर्भरता, नवाचार और तकनीकी उत्कृष्टता का प्रतीक है। पुश-पुल लोकोमोटिव का निर्माण 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' के संकल्प को सशक्त बनाता है। लोकोमोटिव संख्या 45336 एवं 45337 को उत्तर पश्चिम रेलवे के भगत की कोठी, जोधपुर स्थित डीजल लोको शेड के लिए भेजा गया है।

11,531 रेल इंजनों के निर्माण का गौरव- बरेका स्थापना से अब तक कुल 11,531 रेल इंजनों का निर्माण कर चुका है, जिनमें 3,195 इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव शामिल हैं। यह उपलब्धि भारतीय रेल के आधुनिकीकरण और स्वदेशी उत्पादन में बरेका के महत्वपूर्ण योगदान को रेखांकित करती है।

राजेश कुमार
जन संपर्क अधिकारी, बरेका

लार में भतीजे ने ही उतारा था वृद्ध महिला को मौत के घाट

देवरिया। लार थाना क्षेत्र के ग्राम नेवा में बीते 10 अक्टूबर की रात वृद्ध महिला पर हुए जानलेवा हमले और उपचार के दौरान हुई मौत के मामले का पुलिस ने गुरुवार को सनसनीखेज खुलासा कर दिया। महिला का कातिल कोई और नहीं, बल्कि उसका सगा भतीजा ही निकला। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर उसकी निशानदेही पर वारदात में प्रयुक्त आलाकत्ल भी बरामद कर लिया है। आरोपी को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया। ग्राम नेवा निवासी सुभावती देवी पत्नी बंशू राजभर पर 10 अक्टूबर की रात सोते समय किसी अज्ञात व्यक्ति ने सिर पर घातक वार कर दिया था। गंभीर रूप से घायल महिला को आनन-फानन में अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी सांसें थम गईं। घटना के बाद से ही पुलिस की

टीमें मामले की तफ्तीश में जुटी थीं। पूछताछ में कबूला जुर्म क्षेत्राधिकारी (सीओ) सलेमपुर गौरव सिंह ने बताया कि जांच और साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने मृतका के भतीजे प्रकाश राजभर पुत्र सूरज राजभर को हिरासत में लेकर पूछताछ की। कड़ाई से पूछताछ करने पर आरोपी टूट गया और उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया। सीओ ने बताया कि आरोपी प्रकाश राजभर घरेलू विवाद और पारिवारिक कलह को लेकर काफी समय से क्षुब्ध चल रहा था। इसी आक्रोश में आकर उसने रात के अंधेरे में अपनी बड़ी मां सुभावती देवी के सिर पर प्रहार कर दिया था, जिससे वह लहूलुहान होकर गिर पड़ी थीं। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर हत्या में इस्तेमाल किया गया आलाकत्ल भी बरामद कर लिया है। पुलिस ने आवश्यक विधिक प्रक्रिया पूरी कर आरोपी को जेल भेज दिया है।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत एक दूजे के हुए 144 जोड़े

देवरिया। राजकीय आईटीआई परिसर में गुरुवार को शहनाई की धुन और वैदिक मंत्रोच्चार के बीच 144 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे। समाज कल्याण विभाग की ओर से आयोजित मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह समारोह में 138 हिंदू जोड़ों का पारंपरिक रीति-रिवाज से पाणिग्रहण संस्कार कराया गया, वहीं 6 मुस्लिम जोड़ों का निकाह पढ़ा गया। जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों ने नवदंपतियों पर पुष्पवर्षा कर उन्हें सुखद दांपत्य जीवन का आशीर्वाद दिया। समारोह के मुख्य अतिथि देवरिया सदर विधायक शलभ मणि त्रिपाठी, एमएलसी प्रतिनिधि राजू मणि, राज्य महिला आयोग की सदस्य रितू शाही और मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) राजेश कुमार सिंह ने मंडपों में जाकर वर-वधुओं को शुभकामनाएं और उपहार भेंट किए। वक्ताओं ने कहा कि यह योजना गरीब और जरूरतमंद परिवारों की बेटियों के हाथ पीले करने का एक बड़ा और

◆ प्रत्येक जोड़े पर खर्च हुए एक लाख रुपये, वधुओं के खाते में भेजे गए 64-64 हजार

सम्मानजनक माध्यम बनी है। इससे समाज में फिजूलखर्ची पर रोक लग रही है और सामाजिक समरसता को बढ़ावा मिल रहा है।कन्या के खाते में 64 हजार, मिले उपहार जिला समाज कल्याण अधिकारी सुधीर पाण्डेय ने योजना की जानकारी देते हुए बताया कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत प्रत्येक जोड़े पर कुल एक लाख रुपये व्यय किए जाते हैं। इसमें 64 हजार रुपये सीधे वधू के बैंक खाते में भेजे जाते हैं, जबकि 21 हजार रुपये के उपहार, कपड़े व गृहस्थी का जरूरी सामान दिया जाता है। वहीं, 15 हजार रुपये प्रति जोड़ा समारोह के आयोजन पर खर्च किए जाते हैं। समारोह में ये रहे मौजूद समारोह में पीडी डीआरडीए, उपायुक्त मनरेगा, एसडीएम सदर, तहसीलदार सदर, जिला समाज कल्याण अधिकारी (विकास) गोरखपुर, देवरिया सदर, रुद्रपुर व भलुअनी के खंड विकास अधिकारी, भाजपा मंडल अध्यक्ष राजन यादव, सामाजिक कार्यकर्ता रमिता जायसवाल समेत भारी संख्या में वर-वधू पक्ष के लोग उपस्थित रहे।

राजस्व वादों व अंश निर्धारण के निस्तारण में तेजी लाएं-डीएम

देवरिया। जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी ने उप जिलाधिकारियों और तहसीलदारों

के साथ वर्चुअल बैठक कर राजस्व मामलों की समीक्षा की। उन्होंने अंश निर्धारण के साथ धारा-24, 34, 80, 98 व 116 के लंबित वादों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण कर जिले की रैंकिंग सुधारने के निर्देश दिए। डीएम ने सख्त लहजे में कहा कि राजस्व कार्यों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी और दोषी पाए जाने पर अफसरों की जवाबदेही तय कर कार्रवाई की जाएगी।

किसान मोर्चा के प्रदेश महामंत्री उपेन्द्रनाथ व जिलाध्यक्ष काशीपति का जोरदार स्वागत

देवरिया। भाजपा किसान मोर्चा के नवनियुक्त प्रदेश महामंत्री उपेन्द्रनाथ सिंह और जिलाध्यक्ष काशीपति शुक्ला के प्रथम जनपद आगमन पर कार्यकर्ताओं ने अभूतपूर्व और गर्मजोशी से स्वागत किया। गौरीबाजार चौराहे से लेकर बैतालपुर और औरा चौरी स्थित पार्टी के जिला कार्यालय तक जगह-जगह फूल-मालाओं और ढोल-नगाड़ों के साथ दोनों पदाधिकारियों का अभिनंदन किया गया। इस दौरान कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह देखने को मिला। स्वागत की शुरुआत गौरीबाजार चौराहे पर पूर्व जिला उपाध्यक्ष राजेश कुमार मिश्रा के नेतृत्व में हुई। इसके बाद बैतालपुर में मंडल उपाध्यक्ष मुकुल मणि त्रिपाठी की अगुवाई में कार्यकर्ताओं ने दोनों नेताओं का स्वागत किया। इसके बाद दोनों पदाधिकारी औरा चौरी स्थित भाजपा जिला कार्यालय पहुंचे, जहां आयोजित स्वागत समारोह में सदर विधायक डॉ. शलभ मणि त्रिपाठी मुख्य वक्ता रहे, जबकि अध्यक्षता जिलाध्यक्ष काली प्रसाद और संचालन जिला महामंत्री जितेंद्र सिंह सैंथवार ने किया। किसानों तक सरकारी योजनाएं पहुंचाए मोर्चा- सदर

विधायक मुख्य वक्ता विधायक डॉ. शलभ मणि त्रिपाठी ने कहा कि भाजपा की असली ताकत उसके समर्पित कार्यकर्ता हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में संगठन की जड़ों को मजबूत करने और किसानों तक जनकल्याणकारी योजनाओं को पहुंचाने में किसान मोर्चा की भूमिका सबसे अहम है। उन्होंने विश्वास जताया कि दोनों नवनियुक्त पदाधिकारी अपने दायित्वों का कुशलतापूर्वक निर्वहन कर संगठन को नई ऊर्जा देंगे। वहीं जिलाध्यक्ष काली प्रसाद ने कहा कि किसान मोर्चा ग्रामीण अर्थव्यवस्था और किसानों के बीच सीधा सेतु है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से किसानों के बीच रहकर उनकी समस्याओं का समाधान कराने का आह्वान किया। कार्यक्रम में प्रधानाचार्य डॉ. अजय मणि त्रिपाठी, कृष्णनाथ राय, अशोक पांडे, त्रिपुनायक विश्वकर्मा, नीरज शाही, पवन कुमार मिश्रा, संजय तिवारी, ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि अमरेश सिंह बबलू, पिंटू जायसवाल, निखिल सिंह राजा, आराधना पांडे, गोविंद चौरसिया, विजय बेलदार, रंजना भारती, राहुल कुमार, शुभम त्रिपाठी, भगवान यादव, दिलीप सिंह, अजय सिंह सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पुलिसकर्मी को कुचलने का प्रयास कर भाग रहा गो-तस्कर गिरफ्तार, चार गोवंश बरामद

देवरिया। बनकटा थाना पुलिस ने अवगा पोखरे के पास चेकिंग के दौरान गोवंश लदे टाटा इंट्रा वाहन को रोकने का प्रयास किया। चालक ने पुलिसकर्मियों पर वाहन चढ़ाने की कोशिश की, जिससे एक जवान घायल हो गया। पुलिस ने घेराबंदी कर वाहन को पकड़ा और चालक अरमान खान (निवासी बसारिखपुर, सिकंदरपुर, बलिया) को गिरफ्तार कर लिया। गाड़ी से चार गोवंश बरामद हुए, जिन्हें वह काटने के लिए बिहार ले जा रहा था। पुलिस ने वाहन सीज कर आरोपी के खिलाफ जानलेवा हमले, गोवध व पशु क्रूरता निवारण अधिनियम में केस दर्ज कर जेल भेज दिया है।

जांच टीम पहुंचते ही प्रधान एवं शिकायतकर्ता पक्ष के बीच मारपीट शुरू

चौराखास(कुशीनगर)-विकास खण्ड फाजिलनगर के अन्तर्गत ग्राम पंचायत बलियवां में विकास कार्यो की जांच करने पहुंची टीम के सामने ही प्रधान तथा

शिकायतकर्ता आपस में भीड़ गये और साथ ही दोनों पक्षों के बीच मारपीट शुरू हो गयी। मौके की हालात को देखते हुए जांच टीम भाग निकली। घटना की वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।जानकारी के मुताबिक उक्त गांव के ग्रामीणों ने जिलाधिकारी को शिकायती पत्र देकर बलियवां गांव में विकास कार्यो की जांच करने के मांग किया। ग्रामीणों का आरोप है कि सरकारी धन का दुरूपयोग किया गया। जिलाधिकारी के निर्देश पर जिला राज्य पंचायत अधिकारी ने जांच टीम गठित कर रिपोर्ट तलब की थी जिसपर ए.डी.ओ.पंचायत अनिरूद्ध सिंह के नेतृत्व में गठित टीम गांव पहुंची जांच की प्रक्रिया शुरू होते ही प्रधान पद तथा शिकायतकर्ता पक्ष के विवाद शुरू हुआ और कुछ ही समय के बाद मारपीट होने लगी। इस संबंध में ए.डी.ओ.पंचायत अनिरूद्ध सिंह ने कहा कि डी.पी.आर.ओ.के निर्देश पर गठित टीम के साथ जांच करने मौके पर पहुंची लेकिन जांच शुरू होते ही दोनों पक्ष में विवाद के बाद मारपीट शुरू हो गयी जिससे जांच टीम को भागना पड़ा।

पूर्व आईएएस दिव्या मित्तल ने किया नई पार्टी 'जननीति भारत' का ऐलान, 2027 में लड़ेगी यूपी

देवरिया। जिले की पूर्व जिलाधिकारी दिव्या मित्तल ने अपनी सियासी पारी का आधिकारिक ऐलान कर दिया है। उन्होंने 'जननीति भारत' नाम से नई राजनीतिक पार्टी के गठन की घोषणा करते हुए साफ किया है कि उनकी पार्टी उत्तर प्रदेश में 2027 का विधानसभा चुनाव पूरी मजबूती से लड़ेगी। उन्होंने कहा कि आज समस्या राजनीति की नहीं, बल्कि तंत्र में आम आदमी की सुनवाई न होने की है। एक वीडियो संदेश जारी कर दिव्या मित्तल ने बताया कि राजनीति में आने के शुरुआती संकेत के बाद जब उन्होंने एक संपर्क नंबर जारी किया था, तो लोगों का इतना भारी समर्थन मिला कि भारी संदेशों के चलते व्हाट्सएप ने नंबर ही ब्लॉक कर दिया। उन्होंने कहा कि 'जननीति भारत' तीन प्रमुख वचनों पर काम करेगी— नीतियों के केंद्र में जनता होगी, फैसले पहचान के बजाय जरूरत के आधार पर होंगे और व्यवस्था में जनता के प्रति पूरी जवाबदेही तय होगी।

◆ जनता की भागीदारी, जरूरत और जवाबदेही के 'तीन वचनों' पर काम करेगी नई पार्टी

लोकतंत्र में हर किसी को चुनाव लड़ने का हक- शलभ मणि त्रिपाठी इधर, पूर्व आईएएस दिव्या मित्तल के चुनावी मैदान में उतरने के ऐलान पर देवरिया सदर विधायक डॉ. शलभ मणि त्रिपाठी की प्रतिक्रिया सामने आई है। देवरिया में आयोजित मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह समारोह के दौरान मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा, हमारे देश में जीवंत लोकतंत्र है और संविधान ने हर नागरिक को राजनीति में आने और चुनाव लड़ने का अधिकार दिया है। राजनीति के क्षेत्र में आने वाले हर व्यक्ति का स्वागत होना चाहिए। सदर विधायक ने आगे कहा कि कौन किस दल से आ रहा है या नई पार्टी बना रहा है, इसका अंतिम निर्णय जनता की अदालत में ही होता है। जनता ही तय करेगी कि वह किसे सेवा का मौका देना चाहती है।

सेवरही सभासद पद के उप चुनाव में अंजली देवी विजयी

सेवरही,कुशीनगर।नगर पंचायत सेवरही जवाहर नगर सभासद पद के रिक्त उप चुनाव में निर्दल श्री अंजली देवी 512मत पाकर अपने निकटतम प्रतिद्वंदी श्रीमती शकुंतला देवी को 9मतो से पराजित कर विजय श्री हासिल किया। प्राप्त समाचार के अनुसार नगर पंचायत सेवरही वार्ड नं017जवाहर नगर के भाजपा महिला निर्वाचित सभासद

श्रीमती शोभा देवी के 6 मई 2026 के निधन के बाद रिक्त हो गया था जिस पर पर शासन द्वारा 13 अक्टूबर को चुनाव कराया गया जिसमें 1196 मत पड़ा था तथा चार महिला निर्दल प्रत्याशी चुनाव में थी 15 अक्टूबर को तमकुही राज में मतों की गिनती हुई जिसमें अंजली पत्नी राजू मद्धेशिया 512 मत,शकुंतला देवी पत्नी मनोज शर्मा 503 मत,प्रिति पत्नी रंजन वर्मा 147 मत एवं रुबी पत्नी मनोज रौनियार ने 7 मत हासिल किया।इस तरह श्रीमती अंजली देवी ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी शकुंतला देवी को 9 मतो से पराजित कर विजय हुई।इनके जीत पर निर्वाचित प्रत्याशी को नगर अध्यक्ष सोनिया त्रिभुवन जायसवाल ,प्रहलाद केसरी प्रवक्ता ,विजय देवड़ा,सत्य प्रकाश जायसवाल ,वासुदेव रौनियार,माया शंकर निर्गुणायत प्रदेश उपाध्यक्ष मद्धेशिया वैश्य महासभा,अरुण कुमार उर्फ पिंटू,सुग्रीव मद्धेशिया, दीनानाथ वैश्य,जीतू मद्धेशिया ,डा0बाबूलाल गुप्ता,रमेश ब्याहुत मंडल अध्यक्ष हिमांशु जायसवाल,नगीना मद्धेशिया ,अजय गुप्ता सभासद संजय गुप्ता सभासद ,राहुल गुप्ता सभासद,प्रमोद गुप्ता सभासद, आदि लोगों ने दिया बधाई।

चार पहिया वाहन से चार गोवंश बरामद, एक आरोपी गिरफ्तार

सोहनपुर, देवरिया। थाना बनकटा पुलिस ने गुरुवार, 15 अक्टूबर 2026 को गोवंश तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए अवगा पोखरे के पास से चार पहिया वाहन टाटा इंट्रा में लदे चार गोवंशीय पशुओं को बरामद किया। पुलिस ने मौके से वाहन चालक को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, आरोपी गोवंशीय पशुओं को बिहार ले जा रहा था।

पुलिस के मुताबिक, संदिग्ध वाहनों और व्यक्तियों की चेकिंग के दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि एक वाहन में गोवंशीय पशुओं को लादकर बिहार ले जाया जा रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने अवगा पोखरे के पास वाहन को रोकने का प्रयास किया। इसी दौरान वाहन चालक ने पुलिसकर्मियों को कुचलने की कोशिश करते हुए भागने का प्रयास किया। इस घटना में वाहन की टक्कर से एक पुलिसकर्मी घायल हो गया।

इसके बाद पुलिस टीम ने वाहन का पीछा किया और कुछ दूरी पर घुमाव के पास उसे पकड़ लिया। वाहन की तलाशी लेने पर उसमें चार गोवंशीय पशु लदे मिले। पुलिस ने पशुओं को बरामद कर वाहन को कब्जे में ले लिया तथा चालक को गिरफ्तार कर लिया।गोवध निवारण अधिनियम समेत विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्जपुलिस के अनुसार, पूछताछ के दौरान गिरफ्तार चालक ने गोवंशीय पशुओं को बिहार में काटने के लिए ले जाने की बात बताई। मामले में थाना बनकटा में मुकदमा अपराध संख्या 236/2026 के तहत गोवध निवारण अधिनियम की धारा 3/5ए/8, पशु क्रूरता निवारण अधिनियम की धारा 11 तथा भारतीय न्याय संहिता की धारा 61(2)(ए) और 109(1) में अभियोग पंजीकृत किया गया है।

घटना में प्रयुक्त टाटा इंट्रा वाहन संख्या क61ज7391 को मोटर वाहन अधिनियम की धारा 207 के तहत सीज कर दिया गया है। पुलिस का कहना है कि गिरफ्तार आरोपी के विरुद्ध नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

नगर पंचायत अध्यक्ष क्रान्ति सिंह के नेतृत्व में चला सफायी अभियान

पथरदेवा(देवरिया) ।भूतपूर्व विद्युत मंत्री स्व.रवीन्द्र किशोर शाही के पुण्यतिथि के अवसर पर विशाल श्रद्धांजलि समारोह का आयोजन नगर

पंचायत पथरदेवा के अन्तर्गत आचार्य नरेन्द्रदेव इण्टर कालेज पथरदेवा के विशाल प्रांगण में दो दिवसीय होना सुनिश्चित है जिसको देखते हुए नगर पंचायत पथरदेवा के अध्यक्ष कमलेश उर्फक्रान्ति सिंह स्वच्छता के दृष्टिकोण से सफायी कर्मचारियों को लेकर कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे और पूरी तरह सफायी अभियान को चलाने का कार्य किया।नगर पंचायत पथरदेवा के अध्यक्ष कमलेश उर्फ क्रान्ति सिंह ने कहा कि भूतपूर्व विद्युत मंत्री स्व.रवीन्द्र किशोर शाही के पुण्यतिथि के अवसर पर दो दिवसीय किसान मेले का आयोजन किया गया है जिसको देखते हुए नगर पंचायत पथरदेवा के तरफ से कार्यक्रम स्थल के आसपास सफायी अभियान चलाये गये।

विभागीय निर्देशों का समय से करें पालन, लापरवाही पर होगी कार्रवाई-बीईओ

देवरिया। अवंरा-चौरी स्थित बीआरसी पर बृहस्पतिवार को खंड शिक्षा अधिकारी (बीईओ) उपेंद्र कुमार भारती ने मान्यता प्राप्त विद्यालयों के संचालकों की बैठक ली। उन्होंने विद्यालय परिवहन सुरक्षा समिति के गठन व सुरक्षा मानकों के कड़ाई से पालन, यू-डायस (-छ्ड्डस्ध) पोर्टल पर शत-प्रतिशत नामांकन और ड्रॉप बॉक्स के लंबित कार्यों को समय से पूरा करने के निर्देश दिए। बीईओ ने स्पष्ट किया कि बच्चों की सुरक्षा और आरटीई (ङ्खञ्श) के तहत प्रवेश में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी संचालक निर्धारित समय सीमा में विभागीय दिशा-निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित करें।

4.53 करोड़ से संवरा बनकटा का कस्तूरबा गांधी विद्यालय, नया भवन बनकर तैयार

देवरिया। ग्रामीण अंचल की बेटियों को बेहतर और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने की दिशा में जनपद को बड़ी सौगात मिली है। विकास खंड बनकटा में कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय (केजीबीवी) के नए भवन का निर्माण कार्य पूरा हो गया है। अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस इस भवन के निर्माण पर 4.53 करोड़ रुपये की लागत आई है। नया भवन तैयार होने से अब क्षेत्र की छात्राओं को सुरक्षित और समृद्ध शैक्षिक माहौल मिल सकेगा। प्रदेश सरकार द्वारा बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने और दूरदराज के क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में बनकटा ब्लॉक में कस्तूरबा गांधी विद्यालय के भवन निर्माण की परियोजना स्वीकृत की गई थी। निर्माण एवं विकास प्रभाग (सीएंडडीएस) द्वारा नगर विकास विभाग के अंतर्गत इस परियोजना को समयबद्ध ढंग से पूरा कराया गया

◆ बालिकाओं को मिलेंगी आधुनिक शैक्षिक व आवासीय सुविधाएं

है। परियोजना के लिए स्वीकृत 4.53 करोड़ रुपये की पूरी धनराशि का उपयोग कर गुणवत्तापूर्ण निर्माण कराया गया है। आधुनिक सुविधाओं से लैस होगा परिसर नवनिर्मित भवन में छात्राओं के लिए हवादार कक्षाएं, सुसज्जित छात्रावास, रसोईघर, भोजन कक्ष और आधुनिक शौचालय की मुकम्मल व्यवस्था की गई है। इस नए परिसर के तैयार होने से विकास खंड की बालिकाओं को पठन-पाठन के साथ-साथ सुरक्षित आवासीय वातावरण मिलेगा।प्रशासनिक अधिकारियों के अनुसार, भवन का निर्माण कार्य पूरा होने से जिले में बेसिक शिक्षा के आधारभूत ढांचे को नई गति मिली है। सरकार की मंशा के अनुसार यह पहल आर्थिक रूप से कमजोर और ग्रामीण पृष्ठभूमि की बालिकाओं को मुख्यधारा की शिक्षा से जोड़ने में मील का पत्थर साबित होगी।

विद्यार्थियों को साइबर अपराध से बचाव के प्रति किया जागरूक

सलेमपुर (देवरिया)। स्थानीय थाना कोतवाली की टीम द्वारा विश्वनाथ उपाध्याय इंटर कॉलेज मनिहारी के विद्यार्थियों को ऑनलाइन साइबर अपराधों से बचाव के प्रति जागरूक

किया गया। बच्चों को साइबर अपराध के विभिन्न तरीकों की जानकारी देते हुए उनसे सुरक्षित रहने के आवश्यक उपाय बताए गए। पुलिस टीम ने विद्यार्थियों को बताया कि वर्तमान डिजिटल युग में ऑनलाइन धोखाधड़ी, फर्जी कॉल, संदिग्ध लिंक, ओटीपी साझा करने तथा सोशल मीडिया के माध्यम से होने वाले साइबर अपराधों के प्रति सतर्क रहना बेहद जरूरी है। बच्चों को समझाया गया कि किसी भी अनजान व्यक्ति के साथ अपना ओटीपी, बैंक संबंधी जानकारी, पासवर्ड अथवा अन्य निजी जानकारी साझा न करें और संदिग्ध लिंक पर क्लिक करने से बचें। इस जागरूकता कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को इंटरनेट का सुरक्षित उपयोग करने तथा साइबर अपराधों से बचने के प्रति सजग बनाना रहा। इस अवसर पर विद्यालय के प्रबंधक अतुल उपाध्याय, प्रधानाचार्य अभिषेक उपाध्याय सहित विद्यालय परिवार के सभी शिक्षक एवं शिक्षिकाएं उपस्थित रहे। विद्यालय प्रबंधन ने विद्यार्थियों के हित में इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रमों को महत्वपूर्ण बताते हुए पुलिस टीम के प्रयासों की सराहना की।

भाजपा के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष राधेश्याम पाण्डेय को मिली विधानसभा सिसवा की जिम्मेदारी

पथरदेवा(देवरिया) ।भाजपा ने आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए संगठनात्मक स्तर पर अपनी सक्रियता बढ़ा दी है। भाजपा गोरखपुर क्षेत्र के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष राधेश्याम पाण्डेय को जनपद महाराजगंज की विधानसभासिसवां का प्रभारी नियुक्त किया गया है। भाजपा नेता राधेश्याम पाण्डेय ने अपनी नियुक्ति पर पार्टी नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पार्टी ने जो जिम्मेदारी सौंपी है उसका पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ निर्वहन करूँगा। संगठन को सशक्त करना और पार्टी की नीतियो एवं विचारों को जन-जन तक पहुंचाना और पार्टी के प्रत्याशी को जीत दिलाना मेरी प्राथमिकता रहेगी। उन्होंने कहा कि मनोनयन पर सांसद देवरिया शशांक मणि,सांसद विजय कुमार दूबे कुशीनगर,पूर्व सांसद डा.रमापतिराम त्रिपाठी ,विधायक फाजिलनगर सुरेन्द्र सिंह

कुशवाहा,वरिष्ठ नेता विवेकानन्द पाण्डेय,मोहन वर्मा,विनय प्रकाश गोड़, डा.असीम कुमार,मनीष जायसवाल ,भाजपा जिलाध्यक्ष कुशीनगर दुर्गेश राय ,किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष अजय राय,कन्हैया शर्मा ,भाजपा युवा मोर्चा जिला संयोजक शैलेन्द्र कुमार तिवारी ,प्रमोद पाण्डेय ,मण्डल अध्यक्ष कमलेश तिवारी, महेन्द्र शर्मा,राणा प्रताप सिंह, शेषनाथ मिश्र,अंजेश भारती ,विद्याधर ओझा, उपेन्द्र सिंह,वीपिन सिंह ,केदार सिंह,दुर्गा पाण्डेय ,दिव्यांशु, राजकुमार ,अभिषेक तिवारी, दीपक गोड़,सुनील सहित बड़ी संख्या में भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं कार्यकर्ताओं ने राधेश्याम पाण्डेय को बधाई एवं शुभकामना देते हुए पूरी उम्मीद जतायी है कि विधानसभा सिसवा के भाजपा प्रत्याशी को जीत दिलाकर प्रदेश में पूर्ण बहुमत के साथ तीसरे बार योगी सरकार बनवाने में अपना योगदान देगे।

पुलिस की तत्परता से साइबर ठगी के 6,250 पीड़ित को वापस मिले

देवरिया। साइबर अपराधियों के चंगुल में फंसे एक पीड़ित के लिए सुरौली थाना पुलिस देवदूत साबित हुई। पुलिस की त्वरित सक्रियता के चलते पीड़ित के खाते से उड़ाई गई 6,250 की पूरी रकम सुरक्षित उसके खाते में वापस आ गई है। पुलिस अधीक्षक अभिजित आर. शंकर के निर्देश पर जिले में साइबर अपराधों के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में सिसवा पाण्डेय (थाना सुरौली) निवासी राकेश गुप्ता साइबर ठगी का शिकार हो गए थे। पीड़ित ने बिना देर किए एनसीआरपी (NCRP) पोर्टल पर अपनी शिकायत दर्ज कराई। शिकायत मिलते ही सुरौली थानाध्यक्ष अविनाश मौर्य और साइबर प्रभारी संतोष कुमार सिंह की टीम तत्काल हरकत में आई। साइबर टीम ने तत्परता दिखाते हुए ट्रांसफर हुई धनराशि को तुरंत होल्ड कराया। इसके बाद एमआरएम (Money Restoration Module) पोर्टल के जरिए विधिक प्रक्रिया पूरी कर पूरी धनराशि पीड़ित के बैंक खाते में वापस करा दी।

विधायक ने किया राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान का शुभारम्भ

भाटपार रानी देवरिया। स्थानीय विधानसभा क्षेत्र के भवानी छापर स्थित राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) के शुभारंभ के अवसर पर क्षेत्रीय विधायक सभा कुंवर कुशवाहा ने कहा कि यह संस्थान क्षेत्र के युवाओं को तकनीकी शिक्षा और रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होगा। संस्थान के शुरू होने से स्थानीय युवाओं को व्यावसायिक प्रशिक्षण प्राप्त करने तथा अपने कौशल को विकसित करने का अवसर

मिलेगा।विधायक ने अपने संबोधन में कहा कि आज के प्रतिस्पर्धात्मक दौर में तकनीकी शिक्षा और कौशल विकास का विशेष महत्व है। युवाओं को रोजगार के योग्य बनाने के लिए उन्हें आधुनिक तकनीकों का ज्ञान और व्यावहारिक प्रशिक्षण देना आवश्यक है। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान के माध्यम से क्षेत्र के छात्र-छात्राओं को तकनीकी प्रशिक्षण प्राप्त करने में सुविधा मिलेगी और उन्हें आत्मनिर्भर बनने का अवसर प्राप्त होगा।उन्होंने कहा कि क्षेत्र के विकास के लिए शिक्षा, तकनीकी प्रशिक्षण और रोजगार के अवसरों का विस्तार जरूरी है। आईटीआई जैसे संस्थान युवाओं को हुनरमंद बनाने के साथ-साथ उन्हें स्वरोजगार की दिशा में भी प्रेरित करते हैं। इससे स्थानीय स्तर पर रोजगार की संभावनाएं बढ़ेंगी और क्षेत्र के आर्थिक एवं सामाजिक विकास को गति मिलेगी।विधायक ने युवाओं से अपील की कि वे तकनीकी शिक्षा का अधिक से अधिक लाभ उठाएं, अपने कौशल को निखारें और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में योगदान दें। उन्होंने संस्थान के बेहतर संचालन तथा प्रशिक्षण की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता भी बताई। कार्यक्रम में प्रमुख रूप संस्थान के प्रधानाचार्य, क्षेत्रीय मंत्री हरिचरण कुशवाहा, राजकुमार शाही, ब्लॉक प्रमुख बिंदा सिंह कुशवाहा, डॉ भानु प्रताप सिंह, रवि प्रकाश कुशवाहा, लक्ष्मण सिंह कुशवाहा, मनोज वर्मा, विजय प्रताप कुशवाहा, छोटे लाल यादव, हरिकेश कुशवाहा, धीरज गुप्ता अखिलेश कुमार सहित ग्राम वासी उपस्थित थे।

सुभाषित

उदासी मनुष्यको उसी प्रकार मार डालती है, जैसे कि एक क्रोधित सर्प किसी बच्चेको।

❒ भर्तृहरि शतक

नोटिस और नसीहत

सर्वोच्च न्यायालयने गुरुवारको विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत मतदाताओंके नाम सूचीसे हटाये जानेको दी गयी चुनौतीकी याचिकापर कांग्रेस नेता राहुल गांधी और इण्डी गठबन्धनको बड़ी राहत देते हुए चुनाव आयोग, मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार तथा अन्य आयुक्तोंको नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। सर्वोच्च न्यायालयके इस कदमसे विपक्षी दलोंके नेताओंको ऊर्जा मिली है। प्रधान न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकान्त और न्यायमूर्ति जायमाल्या बागचीकी बेंचने सुनवाईके दौरान यह भी कहा है कि हम नोटिस जारी कर रहे हैं और इससे पहलेसे लम्बित मामलोंके साथ टैग कर रहे हैं। चुनाव आयोगकी ओरसे कोई इस नोटिसको ले अन्यथा उन्हें भेज दिया जाय। लेकिन इसके साथ ही सर्वोच्च न्यायालयने राहुल गांधीके सुप्रीम कोर्ट मार्चको लेकर कड़ी नसीहत भी दी है और कहा है कि कोई भी न्यायपालिकाको डरा-धमका नहीं सकता है। सर्वोच्च न्यायालयने मार्च और उसके दौरान हुई अव्यवस्थाको लेकर सवाल भी उठाया है और कहा है कि इसपर राहुल गांधीको सफाई देनी होगी। न्यायमूर्ति सूर्यकान्तका यह कहना भी महत्वपूर्ण है कि हमें पता है कि कोर्टके बाहर क्या कहा जा रहा है और कोर्टके अन्दर क्या कहा जा रहा है। उन्होंने सर्वोच्च न्यायालयतक मार्चकी कोशिशोंको निरर्थक बताया और कहा कि इसपर कोई ध्यान नहीं देता है। हम किसी काल्पनिक दुनियामें नहीं जी रहे हैं। हमें हर बातकी जानकारी है। विपक्षकी तरफसे यह याचिका न्यायमूर्ति सूर्यकान्तके मिलनेसे इनकार करनेपर ही दाखिल की गयी थी। ११ अक्तूबरको विपक्षी सांसदोंने प्रधान न्यायाधीशको पत्र लिखा था और ज्ञापन सौंपनेके लिए समय मांगा था लेकिन प्रधान न्यायाधीशने इनकार कर दिया था। इसके बाद १२ अक्तूबरको राहुल गांधी, प्रियंका, मल्लिकार्जुन खड़गे सहित विपक्षी सांसद सायंकाल अचानक सर्वोच्च न्यायालयके अन्दर पहुंच गये। उससे पूर्व सांसदोंने दिल्लीके बाराखम्भा रोडसे सर्वोच्च न्यायालयकी ओर मार्च निकाला था। एसआईआर प्रकरणको लेकर विपक्षने सात दिनोंमें पांच बार प्रदर्शन किया और १२ पार्टियोंके १३ नेताओंने याचिकाएं लगायीं। वस्तुत: विरोध-प्रदर्शन और याचिकाएं लगानेका अधिकार सभीको है लेकिन यह शान्तिपूर्ण और मर्यादित होना चाहिए। सर्वोच्च न्यायालयतक मार्च निकालनेकी व्याख्याएं अलग-अलग की जा सकती हैं। लेकिन यह गरिमा और मर्यादाके अनुकूल नहीं है। सर्वोच्च न्यायालयने विपक्षी नेताओंको भी नोटिस जारी कर उन्हें नसीहत दी है और इसपर विपक्षको चिन्तन करनेकी आवश्यकता है। न्यायपालिकाका भी सम्मान आवश्यक है।

सजा ही नहीं, सन्देश भी

भौतिकवादी संस्कृतिकी बढ़ती प्रवृत्तिसे प्रस्फुटित होती कुप्रवृत्तियां परिवार और समाजके लिए कितना बड़ा खतरा बनती जा रही है, इसे मेरठमें पूर्व मर्चेण्ट नेवी अधिकारी सौरभ राजपूतकी की गयी निर्मम हत्याके परिप्रेक्ष्यमें देखनेकी जरूरत है। सौरभ अपनी पत्नी मुस्कान रस्तोगीका जन्मदिन मनाने मेरठ पहुंचा था। सौरभको अपनी पत्नीपर पूरा भरोसा था लेकिन उसे क्या पता था कि यहां उसके भरोसेकी हत्या हो जायगी। भारतीय सभ्यता, संस्कृति और संस्कार इतना पतनोन्मुख हो जायगा, किसीने कभी सोचा भी नहीं होगा। सौरभकी हत्या खुद उनकी पत्नी मुस्कान और उसके प्रेमी साहिल शुक्लने क्रूरताकी सारी हदें पार करते हुए बीते वर्ष तीन मार्चको कर दी और शवको टुकड़ेमें बांटकर प्लास्टिकके नीले ड्रममें भरकर सीमेण्ट और कंक्रीटसे जमा दिया। इस घटनाने पूरे देश-समाजको झकझोर कर रख दिया। लोग इतने दहशतमें आ गये कि वे नीले ड्रमसे भी डरने लगे। यह एक पतिकी नहीं, बल्कि उसके भरोसे और अटूट विश्वासकी हत्या थी। इस मामलेमें अदालतके फैसलेका पीड़ित परिवार समेत पूरे देशको बड़ी बेसब्रीसे इन्तजार था। खचाखचभरी अदालतमें बुधवारको मेरठके जिला जज अरविन्द कुमार मिश्रने सौरभकी पत्नी मुस्कान और उसके प्रेमी साहिलको फांसीकी सजा सुनायी और दोनों दोषियोंपर ७० हजार रुपयेका जुर्माना भी लगाया। यह एक ऐतिहासिक फैसला है, क्योंकि पहली बार किसी महिलाको फांसीकी सजा सुनायी गयी है। प्रेमीके साथ मिलकर पतिकी हत्याकी यह कोई पहली घटना नहीं है लेकिन यह फैसला एक नजीर है और उन विवाहिताओंके लिए सबक है, जो इस तरहकी मानसिकतासे ग्रसित हैं। हिन्दू धर्ममें पतिको परमेश्वरके रूपमें देखा जाता है। सुहागिनें पतिके दीर्घायुकी मंगल कामना करती हैं और अखण्ड व्रत भी रखती हैं। ऐसे सांस्कृतिक परिवार और समाजमें पलने वाली लड़कियोंका कुण्ठाग्रस्त होना सभ्य समाजके गिरते स्तरको रेखांकित करता है। मुस्कान और साहिल जैसे लोगोंका समाजमें रहना खतरनाक है। अदालतका फैसला सिर्फ सजा ही नहीं, सन्देश भी है। हालांकि यह अन्तिम फैसला नहीं है फिर भी इसके दूरगामी परिणाम होंगे।

लोक संवाद

संघर्षसे बनाया इतिहास

महोदय,-डा.मैरी पूनन लुकोसका जन्म वर्ष १८८६ में हुआ। उनका जन्म एक ऐसे परिवारमें हुआ, जहां उनके पिता डाक्टर थे। मैरी पढ़ाईमें बहुत होशियार थीं। उन्होंने विज्ञान विषय लेकर आगे पढ़ना चाहा लेकिन हाईस्कूलकी परीक्षामें अव्वल आने और स्वर्ण पदक जीतनेके बावजूद उन्हें विज्ञान विषय नहीं दिया गया। उन्होंने हार नहीं मानी और उसी कालेजसे बीए किया। डिग्री प्राप्त कर इतिहास रच दिया। इसके बाद लंदन विश्वविद्यालयसे उन्होंने दो वर्षतक विज्ञानका अध्ययन किया, मेडिकल कालेजमें प्रवेश लिया। वर्ष १९१५ में चिकित्साकी डिग्री प्राप्त करनेके बाद उन्होंने महिला रोगोंके उपचार और प्रसूति विज्ञानमें विशेषज्ञता हासिल की। वर्ष १९१६ में उन्होंने त्रावणकोरके थैकाड महिला एवं बाल अस्पतालमें कार्यभार संभाला। उस दौरमें महिलाओंका प्रसव मुख्य रूपसे दाइयोंकी सहायतासे कराया जाता था। डा. मैरीने इस स्थितिको बदलनेके लिए दाइयोंकी बेटियोंको अस्पताल बुलाकर उन्हें प्रसूति सेवाका प्रशिक्षण दिया। लालटेनकी रोशनीमें सैकड़ों सिजेरियन प्रसव और जटिल शल्यक्रियाएं कीं। वे त्रावणकोर रियासतकी पहली महिला सर्जन जनरल बनीं। वे दुनियामें इस पदपर पहुंचने वाली पहली महिला भी थीं। अपने संघर्ष, दृढ़ संकल्प और अथक प्रयासोंसे डा. मैरीने महिलाओंके लिए विज्ञान और चिकित्साके क्षेत्रमें आगे बढ़नेके रास्ते खोले। **-रेणु सैनी, वाया ईमेल।**

मजबूत होता भारतका विकास दर

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष द्वारा वित्तीय वर्ष २०२६-२७ के लिए भारतके सकल घरेलू उत्पादकी विकास दरके अनुमानको ६.४ प्रतिशतसे बढ़ाकर सात प्रतिशत करना देशकी अर्थव्यवस्थाके लिए सकारात्मक संकेत है। जब विकसित अर्थव्यवस्थाएं मंदीके दौरसे गुजर रही हैं, तब भारतकी विकास दरमें वृद्धि उत्साहजनक संकेत है।

❒ महेन्द्र तिवारी

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष द्वारा वित्तीय वर्ष २०२६-२७ के लिए भारतके सकल घरेलू उत्पादकी विकास दरके अनुमानको ६.४ प्रतिशतसे बढ़ाकर सात प्रतिशत करना भारतीय अर्थव्यवस्थाके लिए उत्साहवर्धक संकेत है। यह केवल एक संख्यात्मक वृद्धि नहीं है, बल्कि यह विश्व समुदायके उस अटूट भरोसेका प्रतीक है जो उसने भारतकी आर्थिक संभावनाओंपर जताया है। सात प्रतिशतकी यह जादुई विकास दर भारतको दुनियाकी सबसे तेजीसे बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओंकी सूचीमें सबसे ऊपर रखती है और यह स्पष्ट करती है कि वैश्विक चुनौतियोंके बावजूद देशका आर्थिक पहिया तेज गतिसे घूम रहा है। इस शानदार आर्थिक वृद्धिके पीछे सबसे बड़ा कारण देशकी अपनी मजबूत घरेलू मांग है। पश्चिमी देशोंकी तरह भारतीय अर्थव्यवस्था पूरी तरहसे केवल निर्यातपर निर्भर नहीं है, बल्कि यहांका विशाल मध्यवर्ग और उसकी उपभोग क्षमता अर्थव्यवस्थाको एक मजबूत ढाल प्रदान करती है। जब वैश्विक बाजारोंमें मांग कम होती है, तब देशके भीतरकी खपत उत्पादनको गिरने नहीं देती। पिछले कुछ वर्षोंमें लोगोंकी क्रय शक्तिमें जो सुधार आया है, उसने बाजारमें उत्पादों और सेवाओंकी मांगको निरन्तर बनाये रखा है। यह घरेलू मांग ही है जिसके कारण छोटेसे लेकर बड़े उद्योगोंतकका चक्र सुचारू रूपसे चल रहा है। ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रोंमें खपत बढ़नेसे विनिर्माण और खुदरा व्यापारको भारी लाभ मिल रहा है, जो अंतत: सकल घरेलू उत्पादके आंकड़ोंमें परिलक्षित हो रहा है। घरेलू मांगके साथ ही सेवा क्षेत्र इस विकास यात्राका एक बहुत महत्वपूर्ण स्तंभ बनकर उभरा है। भारतका सेवा क्षेत्र, विशेष रूपसे सूचना प्रौद्योगिकी, वित्तीय सेवाएं, स्वास्थ्य और शिक्षा, न केवल देशके भीतर, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तरपर भी अपनी धाक जमा रहा है। तकनीकके निरन्तर विस्तार और नवाचारने भारतीय उद्यमोंको वैश्विक स्तरपर प्रतिस्पर्धा करने योग्य बनाया है। वित्तीय सेवाओंके आधुनिकीकरण और लेन-देनकी नयी तकनीकी प्रणालियोंने भी व्यापारको आसान और पारदर्शी बनाया है। सेवा क्षेत्रका लगातार विस्तार न केवल विदेशी मुद्रा भंडारको बढ़ा रहा है, बल्कि यह लाखों युवाओंके लिए रोजगारके नये अवसर भी पैदा कर रहा है। ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्थामें भारतकी बढ़ती पैठ उसे भविष्यकी चुनौतियोंके लिए तैयार कर रही है।

सरकार द्वारा बुनियादी ढांचेके विकासपर किया जा रहा भारी पूंजीगत व्यय भी इस सात प्रतिशतकी वृद्धिका एक प्रमुख वाहक है। नयी सड़कों, राजमार्गों, रेलवे मार्गों, हवाई अड्डों और बंदरगाहोंके निर्माणसे न केवल देशके विभिन्न हिस्से आपसमें बेहतर तरीकेसे जुड़ रहे हैं, बल्कि इससे माल ढुलाई और व्यापारकी लागतमें भी भारी कमी आ रही है। बुनियादी ढांचेपर खर्च किया गया धन अर्थव्यवस्थामें कई गुना अधिक प्रभाव डालता है। इससे निर्माण सामग्री उद्योगोंको सीधा लाभ मिलता है और दिहाड़ी मजदूरोंसे लेकर तकनीकी विशेषज्ञोंतक हर स्तरपर रोजगारका सृजन होता है। सरकारकी यह दूरदर्शी सोच अर्थव्यवस्थाको दीर्घकालिक मजबूती प्रदान कर रही है, जिससे भविष्यमें विकासकी रफ्तारको और भी तेज किया जा सकेगा।

इसके अतिरिक्त विनिर्माण क्षेत्रमें जान फूंकनेके लिए लागू की गयी उत्पादन आधारित प्रोत्साहन जैसी योजनाओंका भी सकारात्मक असर दिखने लगा है। देशको वैश्विक विनिर्माणका केन्द्र बनानेकी दिशामें यह एक बड़ा कदम है। अब संचार उपकरणोंसे लेकर रक्षा सामग्री और बिजलीसे चलने वाले उपकरणोंतकका निर्माण बड़े पैमानेपर देशके भीतर ही हो रहा है। इससे आयातपर निर्भरता कम हो रही है और व्यापार घाटा भी सुधर रहा है। जब देशमें नयी औद्योगिक इकाइयां लगती हैं तो वे अपने साथ कुशल और अकुशल दोनों तरहके कामगारोंके लिए आजीविका लेकर आती हैं। युवाओंको रोजगार मिलनेसे उनकी आमदनी बढ़ती है, जिससे वे बाजारमें अधिक पैसा खर्च करते हैं और यह चक्र पूरी अर्थव्यवस्थाको लगातार गति प्रदान करता है। भारत जैसे विशाल देशमें असली आर्थिक विकास तबतक संभव नहीं है जबतक कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था मुख्यधाराके साथ पूरी तरहसे कदम मिलाकर न चले। कृषि और उससे जुड़े उद्योगोंका देशके सकल घरेलू उत्पादमें बहुत बड़ा योगदान है। अच्छी उपज और बेहतर समर्थन मूल्यके कारण ग्रामीण आयमें जो वृद्धि दर्ज की गयी है, उसने कृषि उपकरणों और दैनिक उपयोगकी वस्तुओंकी मांगको तेज किया है। ग्रामीण क्षेत्रोंमें बढ़ता उपभोग इस बातका संकेत है कि विकासका लाभ केवल शहरोंतक सीमित नहीं है, बल्कि वह समाजके निचले पायदानतक भी पहुंच रहा है। आर्थिक समावेशनकी यह प्रक्रिया विकासको अधिक टिकाऊ और संतुलित बनाती है।

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोषके इस नये अनुमानका सीधा असर विदेशी निवेशकोंकी मानसिकतापर भी पड़ेगा। दुनियाभरके निवेशक हमेशा ऐसे बाजारोंकी तलाशमें रहते हैं जहां उन्हें स्थिरता, सुरक्षा और उच्च लाभकी गारंटी मिल सके। जब एक शीर्ष वैश्विक संस्था भारतकी विकास दरको बढ़ाती है तो यह निवेशकोंके लिए एक स्पष्ट संकेत होता है कि भारत निवेशके लिए सबसे सुरक्षित और लाभदायक स्थान है। प्रत्यक्ष विदेशी निवेशके बढ़नेसे देशमें नयी तकनीक आती है, उत्पादन क्षमताका विस्तार होता है और वैश्विक बाजारोंतक हमारी पहुंच आसान हो जाती है। इसके साथ ही देशके प्रतिभूति बाजारोंमें भी सकारात्मक ऊर्जाका संचार होता है, जिससे आम निवेशकोंकी संपत्तिमें भी इजाफा होता है। हालांकि इस उच्च विकास दरके साथ कुछ चुनौतियां भी जुड़ी हुई हैं, जिनपर निरन्तर ध्यान देनेकी आवश्यकता है। मुद्रास्फीति यानी महंगी दरको नियंत्रित रखना सबसे बड़ी प्राथमिकताओंमेंसे एक है। यदि वस्तुओं और सेवाओंके दाम तेजीसे बढ़ते हैं तो वह आम आदमीकी क्रय शक्तिको कम कर देता है, जिससे अंतत: घरेलू मांग प्रभावित हो सकती है। इसके अलावा वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव, जैसे युद्ध और आपूर्ति श्रृंखलामें आने वाली बाधाएं, कच्चे तेल और अन्य आवश्यक वस्तुओंकी कीमतोंको अस्थिर कर सकते हैं। कृषि क्षेत्रपर जलवायु परिवर्तन और अनियमित मौसमका प्रभाव भी एक बड़ी चिन्ताका विषय बना रहता है। इसलिए विकासके इस आंकड़ेको बनाये रखनेके लिए जोखिम प्रबंधनपर विशेष जोर देना होगा। निष्कर्षके तौरपर कहा जा सकता है कि ६.४ प्रतिशतसे सात प्रतिशततकका यह सफर केवल एक मामूली-सा गणितीय बदलाव नहीं है, बल्कि यह एक सशक्त और आत्मनिर्भर राष्ट्रकी मजबूत बुनियादका परिचायक है। सरकारकी नीतियां, उद्यमियोंका साहस और आम नागरिककी मेहनत मिलकर इस आर्थिक महाकाव्यको लिख रहे हैं। यदि आर्थिक सुधारोंकी यह प्रक्रिया इसी तरह बिना रुके चलती रही और सामने आने वाली चुनौतियोंका कुशलतापूर्वक प्रबंधन किया गया तो भारतको एक विकसित और समृद्ध अर्थव्यवस्था बननेके लक्ष्यको प्राप्त करनेसे कोई नहीं रोक सकता। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोषका यह अनुमान इस बातका अकाट्य प्रमाण है कि भारत सही दिशामें आगे बढ़ रहा है और आने वाले दशक पूरी तरहसे भारतीय अर्थव्यवस्थाके स्वर्णिम काल होने वाले हैं। सरकारकी नीतियां, उद्यमियोंका साहस और आम नागरिककी मेहनत मिलकर इस आर्थिक महाकाव्यको लिख रहे हैं।

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोषका अनुमान प्रमाण है कि भारत सही दिशामें आगे बढ़ रहा है और आने वाले दशक पूरी तरहसे भारतीय अर्थव्यवस्थाके स्वर्णिम काल होने वाले हैं। सरकारकी नीतियां, उद्यमियोंका साहस और आम नागरिककी मेहनत मिलकर इस आर्थिक महाकाव्यको लिख रहे हैं। यदि आर्थिक सुधारोंकी प्रक्रिया चलती रही और सामने आने वाली चुनौतियोंका कुशलतापूर्वक प्रबंधन किया गया तो भारतको विकसित और समृद्ध अर्थव्यवस्था बननेके लक्ष्यको प्राप्त करनेसे कोई नहीं रोक सकता।

विश्वमें ट्रम्पकी धूमिल होती छवि

अमेरिकामें अबतक जितने भी राष्ट्रपति हुए हैं उनमेंसे डोनाल्ड ट्रम्पने इस पदकी प्रतिष्ठाको जिस प्रकार धूमिल किया है उससे आम अमेरिकियोंमें भी भारी रोष है। यहांतक कि ट्रम्पकी पार्टीमें भी बड़ी चिन्ता व्यक्त की जा रही है।

❒ विजयनारायण

पिछले दिनों यूरोपीय संघकी संसदने अपने परिसरमें ट्रम्पकी पत्थरकी एक टेढ़ी-मेढ़ी मरियल जैसी प्रतिमा लगायी। इसका मतलब यह बताया जा रहा है कि इस आदमीका कोई राजनीतिक स्तर नहीं है, कोई सोच नहीं है और यह आदमी भरोसेके लायक तो बिल्कुल ही नहीं है। यूरोपीय संसदमें लगी पत्थरकी इस मूर्तिकी फोटो सारी दुनियाके अखबारोंमें छपी है और टीवी मीडियाने यहांतक कि सोशल मीडियाने भी खूब प्रचारित किया है। इस घटनाकी आधिकारिक प्रतिक्रिया अभीतक अमेरिकाके राष्ट्रपति भवनसे नहीं आयी। यह भी हो सकता है कि राष्ट्रपति भवन इसकी प्रतिक्रिया देनेमें चिन्तित हो कि आखिर प्रतिक्रिया दी भी जाय तो क्या। वैसे यह मूर्ति अमेरिकाकी आजकी राजनीतिक सोच और राष्ट्रपतिके स्तरपर एक खुला व्यंग्य है। व्यंग्य तो अबतक अखबारोंमें कार्टूनके रूपमें छापे जाते रहे हैं लेकिन किसी संसदके परिसरमें इस तरहकी मूर्ति लगाना एक अभूतपूर्व व्यंग्य है। वैसे ऐसा लगता है कि अमेरिकी जनता ट्रम्पसे जुड़ी सारी वास्तविकताओंको समझती है और शायद चिन्तित भी है। इसलिए जनताके स्तरसे भी कोई प्रतिक्रिया अभीतक नहीं आयी है।

वैसे हाल ही में अमेरिकाने रूससे दो लाख लीटर डीजलकी खरीद की है। अमेरिकाका पूरा सौदा पांच लाख लीटर डीजलका है, जिसमेंसे बाकी खरीद बादमें की जायगी। इस घटनाने भी यूरोपमें ट्रम्पकी मानसिक स्थितिपर चिन्ता बढ़ गयी है। आखिर रूसने अमेरिकाको जब डीजल बेचनेका सौदा किया होगा तो यह सौदेबाजी भी इतनी आसान नहीं रही होगी। स्वाभाविक है कि ट्रम्पको इसके लिए झुकना पड़ा होगा और कुछ कूटनीतिक सौदेबाजी भी करनी पड़ी होगी। स्वाभाविक है कि इसमें ट्रम्पको झुकना पड़ा है और रूसको भारी फायदा हुआ है। इस समझौतेने रूसके राष्ट्रपति पुतिनकी हैसियत स्वाभाविक रूपसे बढ़ा दी है।यूरोपीय देशोंकी खासकर यूरोपीय संघकी प्रतिक्रिया भी कितनी तीखी हुई है इसका अन्दाजा इसी बातसे लगाया जा सकता है कि उसने रूसके साथ सभी व्यापारिक समझौतोंको और सम्बन्धोंको लगभग पूरी तरह समाप्त कर दिया। ऐसा लगता है कि यूरोपीय संघ अब यह समझने लगा है कि अब अमेरिकाके भरोसेपर भरोसा नहीं किया जा सकता है और समय आ गया है कि उसे अपने भरोसेपर खड़े होना चाहिए। वैसे यूरोपीय संघ और अमेरिकाके बीच सम्बन्धोंमें तनाव एक लम्बे अरसेसे बढ़ता जा रहा है। विगत कुछ महीनोंमें ट्रम्पने यह कोशिश जरूरत की कि इस बिगड़ते सम्बन्धको रोका जाय। कुछ कूटनीतिक पहल भी दोनों तरफसे हुई। यदि यह सम्बन्ध भरोसेका बना रहता तो अमेरिका और यूरोप दोनोंके हितमें होता, क्योंकि यूरोप और अमेरिका नाटोके माध्यमसे आपसी सुरक्षाके क्षेत्रमें एक-दूसरेसे बंधे हुए हैं। यदि आने वाले दिनोंमें इसका प्रभाव नाटोपर पड़ता है तो स्थिति आगे आने वाले दिनोंमें और भी खराब हो सकती है। इसके लिए जिम्मेदार यदि किसी एक व्यक्तिको माना जायगा तो उसका नाम डोनाल्ड ट्रम्प ही है। इस स्थितिको अमेरिकी संसद और डोनाल्ड प्रशासनमें बैठे हुए सभी अधिकारी समझते हैं। डोनाल्ड ट्रम्पका राष्ट्रपतिके रूपमें कार्यकाल मात्र सवा सालका बचा है। आगामी वर्ष नवम्बर महीनेमें अमेरिकामें नये राष्ट्रपतिका चुनाव होना है। ट्रम्प दो बार राष्ट्रपति रह चुके हैं और वे तीसरी बार राष्ट्रपतिका चुनाव नहीं लड़ सकते। शायद इसीका इन्तजार अमेरिकाके सभी जाने-माने राजनीतिज्ञोंको है, चाहे वे रिपब्लिकल पार्टीको हों या डेमोक्रेटिक पार्टीके। शायद अमेरिकी जनता भी इसी स्थितिका इन्तजार कर रही है और ट्रम्प इस सवा सालमें भी जो बवाल अमेरिकाके सामने उत्पन्न करेंगे उसे झेलनेके लिए भी वे तैयार बैठे हैं।

वास्तवमें ट्रम्पने अमेरिकाकी राजनीतिक विश्वसनीयताको इस हदतक गिरा दिया है कि उसे फिरसे सारी दुनियामें अपनी विश्वसनीयताको स्थापित करनेमें लम्बा समय लग जायगा। इस स्थितिसे ट्रम्पकी अपनी रिपब्लिकन पार्टीमें बड़े ही घबराहटकी स्थिति है। अगले ही साल अमेरिकाकी सीनेटके एक-तिहाई सदस्योंका चुनाव होना है। वर्तमान स्थितिमें तो ट्रम्पकी पार्टीको बहुमत प्राप्त है लेकिन आगामी वर्ष होने वाले चुनावमें वर्तमान स्थितिका खामियाजा रिपब्लिकन पार्टीको भुगतना पड़ेगा इसका अहसास उस पार्टीको भुगतना पड़ेगा। इसलिए इस पार्टीके लोग ट्रम्पकी वर्तमान गतिविधियोंपर कोई भी बयान देनेसे बच रहे हैं। साथ ही राष्ट्रपतिके आगामी चुनावमें किसी भी पार्टीका राष्ट्रपति हो उसे अन्तरराष्ट्रीय स्थितिको सम्भालने और अमेरिकाकी विश्वसनीयताको कायम करनेमें बड़ी ही मेहनत और चतुराईसे काम लेना पड़ेगा।

पिछले दिनों अमेरिकाके भरोसेके मित्र सऊदी अरबपर हऊती विद्रोहियों द्वारा भीषण हमला करने और मिसाइलोंकी मारने अमेरिकाकी स्थितिको और भी बिगाड़ दिया। हऊती विद्रोहियोंको ईरानका खुला समर्थन प्राप्त है और विगत युद्धमें भी उन्होंने ईरानकी मदद सऊदी अरबपर मिसाइलोंसे हमला करके स्पष्ट कर दी थी। सऊदी अरबमें अमेरिकाके सैनिक ठिकाने भी हैं और उनके आधुनिक हथियार भी लगे हुए हैं, जिनमें मिसाइलें और लड़ाकू विमान भी शामिल हैं। लेकिन अमेरिकी सेना इस हमलेको भी नाकाम नहीं कर पायी। यह हमला इतना भीषण रहा है कि रियादके हवाई अड्डेको बन्द कर दिया गया है और वह अब भी बन्द है और यह कब खुलेगा यह कहना भी मुश्किल है। आश्चर्यकी बात यह है कि अमेरिकी सेना हाऊती विद्रोहियोंके सैनिक अड्डोंपर भी जवाबी हमले नहीं कर पा रही है। देखा यह भी गया था कि जब भी अमेरिकाने मिसाइलोंको विमानोंसे ईरानपर हमला किया है ईरानने उसके जवाबमें सऊदी अरबपर हमला किया है और इन हमलोंसे भी अमेरिका सऊदी अरबको बचा नहीं पाया। अमेरिकाकी इस स्थितिसे घबड़ा कर सऊदी अरबने अपनी सुरक्षाके लिए तुर्किए और पाकिस्तानसे मिलकर मक्का सुरक्षा तय किया। हालके हाऊती हमलोंमें यह गठबन्धन भी निष्क्रिय रहा है और वह सऊदी अरबको सुरक्षा देनेमें विफल रहा है। इससे सऊदी अरबकी चिन्ता और भी बढ़ गयी है।

उधर यूरोपमें भी यूक्रेनकी चिन्ताका बढ़ना स्वाभाविक है। यूक्रेनको रूसके विरुद्ध लड़ाईमें अमेरिका सबसे बड़ा मददगार रहा है। उसने यूक्रेनको हथियार भी दिया है और आर्थिक मदद भी की। लेकिन हालके ट्रम्प और पुतिनके बीच डीजल बेचनेके समझौतेने यूक्रेनकी मुश्किलें भी बढ़ा दी हैं। यूक्रेनके लिए अब इसके बदले यूरोपीय संघने मदद बढ़ा दी है। वैसे यूक्रेनके राष्ट्रपति जेलेंस्कीने अपनी चिन्ता अभीतक सार्वजनिक रूपसे व्यक्त नहीं की है। रूस-यूक्रेन युद्धके तीन साल हो गये लेकिन युद्धकी समाप्तिका कोई भी रास्ता निकल नहीं पाया है। यदि यूक्रेन और रूस युद्धका विस्तार हुआ तो इसका असर यूरोपीय संघपर स्वाभाविक है। हालके दिनोंमें रूसने यूक्रेनपर कुछ भीषण हमले किये हैं। उसने यूक्रेनके विद्युत उत्पादन करने वाले कारखानोंको बुरी तरह क्षतिग्रस्त किया। उनका इरादा अब शायद यूक्रेनको पूरी तरहसे पंगु बना देनेका है। लेकिन यूक्रेन एक ऐसा राष्ट्र है जो अभीतक लड़ रहा है और झुककर समझौता करनेको तैयार नहीं है। लगता है यूक्रेनको भी अमेरिकासे खुलकर मदद मिलनेमें अमेरिकी राष्ट्रपतिके अगले चुनावका इन्तजार है।

आत्मबोध

संस्कार

❒ अनुज आचार्य

संस्कार, संस्कृति और सभ्यता जीवनके तीन महत्वपूर्ण आधार हैं। संस्कार व्यक्तिको भीतरसे गढ़ते हैं, संस्कृति चेतनाको समाजतक पहुंचाती है और सभ्यता सामूहिक जीवनका बाहरी स्वरूप निर्मित करती है। संस्कारका मूल भाव है, मन, वचन और कर्मका परिष्कार। जब बालक अपने माता-पिता और गुरुजनोंका सम्मान करना सीखता है, सत्य बोलनेका प्रयास करता है, जरूरतमंदकी सहायता करता है, प्रकृतिके प्रति संवेदना रखता है और अपने कर्तव्यको ईमानदारीसे निभाता है, तब उसके भीतर संस्कारोंका निर्माण होता है। संस्कारकी सबसे बड़ी परीक्षा उस समय होती है जब व्यक्तिको देखने वाला कोई नहीं होता, फिर भी वह गलत रास्तेपर जानेसे स्वयंको रोक लेता है। यही भीतरकी जागरूकता संस्कारको केवल शिक्षासे अलग करके जीवन-मूल्य बनाती है। संस्कार जब व्यक्तिकी सीमाओंसे निकलकर परिवार, समाज और पीढ़ियोंके जीवनमें प्रवाहित होते हैं, तब संस्कृतिका निर्माण होता है। हमारी भाषा, साहित्य, लोकगीत, संगीत, कला, पर्व-उत्सव, पारिवारिक परम्पराएं, प्रकृतिके प्रति दृष्टिकोण, अतिथि-सत्कार, सह-अस्तित्व और आध्यात्मिक चिंतन-ये सभी संस्कृतिके व्यापक स्वरूपको व्यक्त करते हैं। इसलिए संस्कृति किसी समाजकी केवल पहचान नहीं, उसकी सामूहिक चेतना भी है। भारतीय संस्कृतिकी विशेषता रही है कि उसने जीवनको भौतिक उपलब्धियोंके साथ नैतिक और आध्यात्मिक मूल्योंसे जोड़कर देखा। वसुधैव कुटुम्बकम्, सर्वे भवन्तु सुखिन: और प्रकृतिके प्रति सम्मान जैसे विचार मनुष्यको केवल अपने हिततक सीमित नहीं रखते, बल्कि उसे व्यापक जीवन-जगतसे जोड़ते हैं। यही कारण है कि भारतीय संस्कृतिमें धर्मका अर्थ केवल पूजा-पद्धति नहीं, बल्कि कर्तव्य, सदाचार और लोकमंगलकी भावनासे भी जुड़ा रहा है। सभ्यताका संबंध मुख्यत: मनुष्यकी बाहरी और संस्थागत प्रगतिसे है। विज्ञान, तकनीक, परिवहन, संचार, भवन, सड़कें, प्रशासन और आधुनिक संस्थाएं सभ्यताकी उपलब्धियोंको दर्शाती हैं। सभ्यता जीवनको सुविधाजनक बनाती है, लेकिन संस्कृति यह निर्धारित करती है कि उन सुविधाओंका उपयोग किस मानवीय उद्देश्यके लिए किया जाय। अत्याधुनिक साधन मनुष्यके हाथोंमें हों, लेकिन संवेदना और विवेकका अभाव हो तो विकास अधूरा रह जाता है। इसके विपरीत संस्कार और संस्कृतिसे जुड़ी आधुनिकता मानव कल्याणका प्रभावी माध्यम बन सकती है। संस्कार बीज हैं, संस्कृति उसका विकसित वृक्ष और सभ्यता उस वृक्षकी बाहरी छाया। बीज स्वस्थ होगा तो वृक्ष मजबूत होगा और वृक्ष मजबूत होगा तो उसके फल आने वाली पीढ़ियोंको मिलेंगे। इसलिए संस्कृतिकी रक्षा केवल बड़े आयोजनों और नारोंसे नहीं, बल्कि घर-परिवारके छोटे-छोटे आचरणोंसे होगी।

आर्थिक विषमताके बीच संघर्षरत जीवन

❒ डा. प्रीतम भी. गेडाम

गरीबी बहुत बुरी बीमारी है, यह अपने साथ सैकड़ों समस्याओंको लेकर आती है और जीवनमान और विकासको चरमरा देती हैं। लगातार बढ़ती आर्थिक विषमता गरीबीमुक्त देश बनानेमें रोड़े खड़े करती है, ऊपरसे महंगी, भ्रष्टाचार और बेरोजगारी गरीबी कम होने नहीं देती। हर क्षेत्रमें राजनीतिक हस्तक्षेप और भाई-भतीजावाद दबाव बने रहता हैं। मिलावटखोरी, प्रदूषण, कांक्रीटके बढ़ते जंगल और कटते वन ग्लोबल वार्मिंग बढ़ाते है, इससे प्राकृतिक आपदाएं आती है, बीमारियां बढ़ती है, सेहतपर बुरा असर पड़ता है, जिसकी सबसे बड़ी मार गरीब तबकेको झेलनी पड़ती हैं। गरीब तबकेको विविध सरकारी योजनाओंके बावजूद योग्य जीवनमान स्तरतक पहुंचनेमें बेहद मुश्किलें आती हैं। विश्व असमानता रिपोर्ट २०२६ अनुसार, देशमें शीर्ष दस फीसदी आबादीके पास राष्ट्रीय आयका ५८ प्रतिशत और ६५ प्रतिशत राष्ट्रीय संपत्ति है, जबकि निचले तबकेके ५० फीसदी जनसंख्याके पास केवल १५ प्रतिशत राष्ट्रीय आयका हिस्सा हैं। शीर्ष एक फीसदीके पास कुल राष्ट्रीय संपत्तिका लगभग ४० प्रतिशत हिस्सा हैं। विश्व आर्थिक मंच अनुसार, वैश्विक लैंगिक अंतर सूचकांक २०२६ में भारत १४५ देशोंमेंसे १३१वें स्थानपर हैं। हर साल १७ अक्तूबरको 'अंतरराष्ट्रीय गरीबी उन्मूलन दिवस' गरीबी मिटानेके लिए जन-जागृति हेतु पूरे विश्वमें मनाया जाता हैं। संयुक्त राष्ट्र द्वारा इस साल २०२६ को 'सभीके लिए सुरक्षित घर' यह थीम हैं।

गरीबीमें दो वक्तकी रोजी-रोटीके इंतजाममें लोगोंका अधिकतम समय निकल जाता है, घर परिवार, बच्चोंके लिए पर्याप्त समय भी नहीं निकाल पाते। उनमें सेहत, शिक्षा, भविष्य और लोक-कल्याणकारी योजनाओंके प्रति जागरूकताकी कमी होती हैं। अधिकतर राजनीतिक दल भी चुनावके वक्त गरीबोंको याद करते हैं और उनसे किये गये बड़े-बड़े वादे समयनुसार भूल जाते हैं। गरीबीमें जन्मा बच्चा अपने आपको गरीबीकी दलदलसे निकालनेके लिए असंख्य संघर्षोंको सहता है, ताकि अपने साथ आनेवाली पीढ़ीको भी बेहतर जीवनस्तर मिल सकें, परन्तु चंद लोगोंके हिस्से ही यह कामयाबी आती हैं।

गरीबीके कारण पेटभर अनाज नहीं मिलता उसमें भी पोषक आहार नहीं, साफ पीनेका पानी नहीं, रहनेकी सही एवं पर्याप्त जगह नहीं होती, मौसमके बदलावके हिसाबसे भी जीवन जीना बेहद कष्टदायक होता हैं। अधिक समयतक पेटभर खाना और पोषक आहार, शुद्ध जल, शुद्ध आक्सीजन शरीरको न मिलनेके कारण कुपोषण और गम्भीर स्वास्थ्य समस्याओंकी सम्भावना बनी रहती हैं। बीमार होनेपर बेहतर इलाज, दवाइयों और हेल्थ इंश्योरेंसतक पहुंच न होनेसे रोगका समयपर इलाज नहीं हो पाता, रोग गम्भीर होता जाता है और जीवन प्रत्याशा कम होती जाती हैं। घरकी माली हालतके कारण बहुत बार बच्चोंको जल्द स्कूल छोड़ना पड़ता है और परिवारको आर्थिक मददके लिए काम करना पड़ता हैं।

हमारे देशमें बेरोजगारीकी स्थितिसे हम अच्छेसे वाकिफ है, थोड़ेसे चतुर्थ श्रेणी पदके लिए भी लाखों उच्च शिक्षित उम्मीदवारोंके आवेदन मिलते हैं, जिसमें अभियंता, प्रबंधन, पीएचडी पदवी धारकतक बड़ी संख्यामें होते हैं। आवेदनके लिए इन लाखों बेरोजगार युवा उम्मीदवारोंसे परीक्षा शुल्कके तौरपर करोड़ों रुपया सरकारके पास जमा होता हैं। उम्र निकल जाती है, लेकिन योग्यतानुसार रोजगार नहीं मिलता, योग्यतानुरूप रोजगार या नौकरी मिलना तो बहुत मुश्किल हैं। मनुष्यकी शिक्षा और रोजगार ही उसे गरीबीसे उबरनेका मौका देती है, यदि कोई कड़ी मेहनत करके उच्च शिक्षा हासिल करता है और नौकरी या रोजगारके योग्यता रखते हुए भी वह रोजगार प्राप्तिसे वंचित होता है तो उसके और उसके परिवारके सपने चकनाचूर हो जाते हैं। नौकरीके लिए भ्रष्टाचार, पेपर लीक और राजनीतिक दबावको खबरें भी अक्सर सुर्खियोंमें होती है, फिर ऐसे परिस्थितिमें गरीबीकी जंजीरोंको कैसे तोड़कर व्यक्ति बाहर निकलेगा।बढ़ती बेरोजगारीके कारण उच्च शिक्षित युवा भी जो काम मिले, वह करनेको तैयार हो जाते हैं, कम शिक्षा वाले युवाके साथ कम आय वाला शारीरिक श्रम भी करते हैं। कौशलकी कमी और संसाधनोंके कारण भी बेरोजगारी बढ़ती हैं। गरीबीमें असुरक्षित आवास, भीड़-भाड़ वाली तंग गली, गंदी नालियां, झोपड़पट्टी, कचरा, अस्वच्छता और मच्छर-मक्खियोंका प्रकोप, अनधिकृत बस्तियोंमें रहने या बेघर होनेसे पर्यावरणसे जुड़े खतरोंको भी सहना पड़ता हैं। ऐसे निकृष्ट दूषित वातावरणमें बीमारी, नशाखोरी और अपराध गतिविधियोंका बोलबाला होता हैं।

ऐसे परिस्थितिमें रहनेके कारण मनुष्यकी सोच-समझपर गहरा आघात होता है, हमेशा पैसोंकी तंगीके बारेमें विचार करना, अपनी इच्छा, आकांक्षाओंको मारकर अधिकतर कर्जके बोझ तले घुट कर जीते हैं, सामाजिक बदनामी, पारिवारिक कलह, तनाव, बैचेनी शरीरके साथ मानसिक स्वास्थ्य भी खराब करती हैं। गरीबोंको अधिकतर सामाजिक, जातिवादी भेदभावका शिकार होना पड़ता हैं। उनके हिस्से राजनीतिक प्रतिनिधित्वकी भूमिका नहीं के बराबर होती हैं। जागरूकताकी कमी और सामाजिक सुरक्षितताकी कमीके कारण वे अपराध या शोषणका शिकार होनेके खतरेमें जीनेको मजबूर होते हैं। जिस देशमें उन्नत स्वास्थ्य सुविधा, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रणाली और योग्यतानुरूप काम मिलता है, जिसके लिए कोई अलगसे शुल्क वसूला नहीं जाता, बिना किसी भेदभावके सबको समान मौके मिलते हैं, वह देश तरक्कीकी राहपर होता हैं। यदि यह स्थिति हमारे भारत देशमें हो तो गरीबीको जड़से खत्म किया जा सकता है, क्योंकि गरीबीसे निबटनेके लिए सबसे ज्यादा खर्चा स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगारपर ही होता हैं। यदि यह तीनों सेवाएं उन्नत स्तरपर प्रत्येकको मुफ्तमें मिलने लगे तो हर व्यक्ति सक्षम, काबिल, जिम्मेदार और जीवनमानको बेहतर बनानेमें कुशल होगा। फिर जनताको मुफ्त अनाज, बिजली, पानी देनेकी जरूरत नहीं होगी, क्योंकि गरीबीके दलदलसे उबरकर व्यक्ति इस काबिल होगा कि सब खर्चे वह खुद वहन कर सकेगा।

शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगारकी उपलब्धतामें अनेक पीढ़ियोंकी जिन्दगियां खत्म हो जाती हैं, फिर भी उनतक यह सहज पहुंच नहीं बना पाती। देशमें गरीबोंको सामाजिक समरसतामें प्रस्थापित करने हेतु उन्हें काबिल बनाना बहुत जरूरी है, ताकि वे खुद अपना विकास कर सकें। सरकारने भ्रष्टाचारपर नकेल कसकर स्वास्थ्य सुविधा, शिक्षा और रोजगारपर सर्वाधिक बजट रखना चाहिए। हर हाथको कुशलता और योग्यतानुरूप काम मिलना चाहिए। बीमारीके इलाजमें पैसोंकी कमीके कारण किसी भी गरीबकी जान नहीं जानी चाहिए। सबको पोषक आहार, स्वच्छ जल और शुद्ध आक्सीजन मिलना चाहिए। देशमें सक्षम नागरिक बनानेपर जोर देना चाहिए।

डीएम-एसपी ने दुर्गा प्रतिमा विसर्जन स्थल का लिया जायजा

बांसी (सिद्धार्थनगर)। शारदीय नवरात्रि, दुर्गा पूजा व प्रतिमा विसर्जन के दृष्टिगत जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन एवं पुलिस अधीक्षक डा .अभिषेक महाजन ने नगर स्थित राप्ती नदी घाट पर दुर्गा प्रतिमा विसर्जन स्थल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के उपरान्त दोनों अधिकारियों ने नगर में कोतवाली पुलिस बल के साथ पैदल गस्त किया। शारदीय नवरात्रि, दुर्गा पूजा व प्रतिमा विसर्जन के दृष्टिगत जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन व पुलिस अधीक्षक डा.अभिषेक महाजन द्वारा नगर के राप्ती नदी घाट का निरीक्षण किया गया । निरीक्षण के दौरान घाटों पर आवागमन के मार्गों, यातायात व्यवस्था, पार्किंग व्यवस्था इत्यादि का गहन निरीक्षण कर सम्बंधित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया तथा आमजनमानस को सुरक्षा का एहसास कराके हुए कस्बा बांसी में भारी पुलिस बल के साथ पैदल गस्त किया गया । इस

दौरान अपर पुलिस अधीक्षक प्रशान्त कुमार प्रसाद, उपजिलाधिकारी विश्वमित्र सिंह, क्षेत्राधिकारी सुबेन्दु सिंह, प्रभारी निरीक्षक महेंद्र प्रताप चतुर्वेदी आदि सहित अन्य अधिकारी और कर्मचारीगण मौजूद रहे ।

पूजा पाल ने विभिन्न पण्डालों में की मां दुर्गा का दर्शन

सिद्धार्थनगर। सांसद सुपुत्री समाज सेविका पूजा पाल ने शारदीय नवरात्रि के पावन अवसर पर बांसी

विधानसभा के अन्तर्गत विभिन्न पण्डालों में माँ दुर्गा का दर्शन कर पूजा अर्चना कर क्षेत्रवासियों के सुख, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर सांसद सुपुत्री समाज सेविका पूजा पाल ने कहा कि दुर्गा पूजा हमारी समृद्ध सनातन संस्कृति, आस्था और सामाजिक एकता का प्रतीक है। उन्होंने कहा माँ दुर्गा सभी पर अपनी कृपा बनाये रखें और समाज में सुख, शान्ति एवं समृद्धि का संचार करें। इस दौरान पण्डाल में उपस्थित श्रद्धालुओं एवं आयोजक समिति के सदस्यों से भेंटकर उन्हें नवरात्रि एवं दुर्गा पूजा की हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

तीन दिन पूर्व नदी में डूबे युवक का शव बघनी घाट के पास से बरामद

बांसी(सिद्धार्थनगर)। स्थानीय थाना क्षेत्र के बिमौवा बुजुर्ग स्थित राप्ती नदी के पुल के पश्चिम बृहस्पतिवार की सुबह एक युवक का शव उतराता मिला। स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को नदी से निकलवाकर उसकी पहचान 48 घंटे से लापता दिहाड़ी मजदूर शक्ति प्रसाद (26) पुत्र साहबदीन के रूप में की। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना को लेकर क्षेत्र में तरह-तरह की चर्चाएं हो रही हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, शक्ति प्रसाद बीते मंगलवार की सुबह करीब आठ बजे अपने ही कुनबे के युवक राहुल के साथ मजदूरी करने निकला था। राहुल के मुताबिक, दोनों बांसी व गोल्हौरा थाना क्षेत्र के तिधरा घाट चौराहे पर कथित तौर पर ब्लैक में शराब लेने के बाद उसे पीने के लिए राप्ती नदी के पुल पर पहुंचे थे। इसी दौरान शक्ति ने नदी में छलांग लगा दी। उसे डूबता देख राहुल भी नदी में कूद पड़ा, लेकिन वह शक्ति को बचाने में सफल नहीं हो सका।घटना की सूचना मिलने पर स्थानीय पुलिस और एनडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची। दोनों टीमों ने नदी में युवक की काफी तलाश की, लेकिन उसका कोई पता नहीं चल सका। मंगलवार से लापता शक्ति का शव बृहस्पतिवार की सुबह बिमौवा बुजुर्ग स्थित नदी के पुल के पश्चिम उतराता मिला। शव मिलने की सूचना पर पहुंची पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई करते हुए उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। शक्ति प्रसाद की शादी बेनीपुर थाना इटवा में हुई थी। उनकी दो बेटियां हैं, जिनकी उम्र क्रमश: चार और तीन वर्ष है। पांच भाइयों में शक्ति चौथे नंबर पर थे। उनकी एक बहन भी है, जिसकी शादी हो चुकी है। दिहाड़ी मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करने वाले शक्ति की मौत से परिजनों में शोक व्याप्त है। इस संबंध में थानाध्यक्ष संजय मिश्रा ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मामले में नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल, घटना को लेकर क्षेत्र में तरह-तरह की चर्चाएं हो रही हैं।

रतन सेन महाविद्यालय की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया

बांसी(सिद्धार्थनगर)। आविष्कार फ़ाउंडेक्शन द्वारा

आयोजित यूथ एंटरप्रेन्योरशिप प्रोग्राम के अन्तर्गत सिद्धार्थनगर जिले की अन्तर महाविद्यालयी प्रतियोगिता में रतन सेन डिग्री कॉलेज बांसी की छात्राओं की दो टीमों ने अपना प्रोजेक्ट प्रस्तुत किया रतन सेन महाविद्यालय की उद्यमिता विकास समिति के संयोजक डॉश देवराज सिंह के कुशल निर्देशन में ज्ञानवी शुक्ला,दीक्षा शुक्ला और प्रियांशी त्रिपाठी की टीम ने अपने प्रोजेक्ट ए आई एंड आई ओ टी बेस्ड स्मार्ट व्हील चेयर को शानदार तरीक़े से प्रस्तुत करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया और प्रिया जायसवाल,प्राची दुबे,संध्या पटवा एयर शिवांगी सिंह ने अपने प्रोटेक्ट को उत्कृष्ट तरह से प्रस्तुत करते हुए द्वितीय स्थान प्राप्त किया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉश सन्तोष कुमार सिंह के मार्गदर्शन मे रतन सेन महाविद्यालय नित नई ऊँचाइयाँ छू रहा है।

मिशन शक्ति 6.0 के अंतर्गत साइबर चलाया गया जागरूकता अभियान

लोटन-सिद्धार्थनगर। पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर के आदेश के क्रम में, प्रशान्त कुमार प्रसाद, अपर पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर के कुशल पर्यवेक्षण एवं विश्वजीत सौरयान, क्षेत्राधिकारी सदर के कुशल निर्देशन में शप्रदीप कुमार सिंह, थानाध्यक्ष थाना कोतवाली लोटन के नेतृत्व में मिशन शक्ति 6.0 के अंतर्गत साइबर जागरूकता अभियान चलाया गया। इस अभियान के अंतर्गत *सेन्ट लारेन्स पब्लिक स्कूल, महदेइया; कल्पनाथ सिंह इण्टर कॉलेज, कस्बा लोटन तथा बी0एस0 पाण्डेय इण्टर कॉलेज, ठोठरी बाजार में प्रोजेक्टर के माध्यम से उत्तर प्रदेश पुलिस द्वारा आयोजित कार्यक्रम का प्रसारण कर छात्र-छात्राओं को साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ श्री रक्षित टंडन द्वारा साइबर अपराधों, ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी, सोशल मीडिया सुरक्षा एवं डिजिटल दुनिया में सुरक्षित रहने के उपायों के संबंध में जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं को ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी, फर्जी लिंक एवं कॉल के

माध्यम से होने वाली ठगी, ओटीपी एवं बैंक संबंधी गोपनीय जानकारी के दुरुपयोग, सोशल मीडिया पर फर्जी आईडी, आपत्तिजनक पोस्ट एवं वीडियो, साइबर बुलिंग तथा व्यक्तिगत फोटो एवं जानकारी के दुरुपयोग से संबंधित साइबर अपराधों के विषय में जागरूक किया गया। साथ ही अनजान लिंक पर क्लिक न करने, ओटीपी, पासवर्ड एवं बैंक संबंधी गोपनीय जानकारी किसी से साझा न करने, मजबूत पासवर्ड का उपयोग करने, सोशल मीडिया पर व्यक्तिगत जानकारी साझा करते समय सावधानी बरतने तथा डिजिटल भुगतान के दौरान सतर्क रहने के लिए प्रेरित किया गया।छात्र-छात्राओं को साइबर अपराधों से बचाव हेतु निम्नलिखित महत्वपूर्ण सावधानियों की जानकारी दी गई।किसी भी अनजान कॉल, ई-मेल या संदेश में प्राप्त संदिग्ध लिंक पर क्लिक न करें तथा अपनी व्यक्तिगत या बैंक संबंधी गोपनीय जानकारी साझा न करें।किसी भी व्यक्ति के साथ ओटीपी, एटीएम/डेबिट कार्ड का विवरण, बैंक खाते की गोपनीय जानकारी अथवा पासवर्ड साझा न करें।सोशल मीडिया पर अपनी व्यक्तिगत जानकारी, फोटो एवं वीडियो साझा करते समय सावधानी बरतें तथा किसी भी आपत्तिजनक या भ्रामक सामग्री को बिना सत्यापन के साझा न करें। अपने मोबाइल एवं अन्य डिजिटल उपकरणों को पिन, पासवर्ड अथवा बायोमेट्रिक सुरक्षा से सुरक्षित रखें तथा ऑनलाइन खातों के लिए मजबूत एवं अलग-अलग पासवर्ड का प्रयोग करें। ऑनलाइन खरीदारी एवं डिजिटल भुगतान के लिए विश्वसनीय माध्यमों का उपयोग करें तथा आकर्षक ऑफर एवं अनजान व्यक्तियों द्वारा दिए जाने वाले प्रलोभनों से सावधान रहें।किसी भी प्रकार की ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी होने पर तत्काल साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930* पर शिकायत दर्ज कराएं तथा राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर शिकायत प्रस्तुत करें।इस जागरूकता अभियान का उद्देश्य छात्र-छात्राओं को साइबर अपराधों के प्रति सजग एवं सतर्क बनाना, डिजिटल माध्यमों के सुरक्षित उपयोग के प्रति जागरूक करना तथा सुरक्षित डिजिटल व्यवहार को बढ़ावा देना रहा।प्रदीप कुमार सिंह — थानाध्यक्ष, थाना कोतवाली लोटन, उ0नि0 सुदामा यादव,हे0का0 कन्हैया यादव, हे0का0 अंकित सिंह,का0 शिवपाल सिंह यादव,का0 अखिलेश कुमार, म0का0 नेहा तिवारी,म0का0 पूजा वर्मा,के अलावा स्कूल केप्रबन्धक दीपेन्द्र कुमार पाण्डेय, प्रधानाचार्य लवकुश सिंह, सत्येन्द्र त्रिपाठी,दीपचन्द्र मौर्य, रूबी मिश्र के अलावा अन्य सभी अध्यापक भी मौजूद रहे।

नगर पंचायत बनाने की मांग को लेकर विचार नहीं हुआ तो होगा वृहद आंदोलन-हेमंत चौधरी

बांसी (सिद्धार्थनगर)। स्थानीय तहसील क्षेत्र के तिलौली बाजार को नगर पंचायत का दर्जा दिलाने की मांग को लेकर कांग्रेस नेता हेमन्त चौधरी ने सैकड़ों कार्यकर्ताओं के साथ पदयात्रा निकालकर धरना-प्रदर्शन किया। इस दौरान उन्होंने प्रशासन से तिलौली बाजार में नगर पंचायत गठन की प्रक्रिया जल्द शुरू कराने की मांग की। प्रदर्शन के बाद हेमन्त चौधरी ने नायब तहसीलदार महबूब आलम को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही नगर पंचायत गठन की दिशा में कार्य शुरू नहीं हुआ, तो आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा।

कांग्रेस नेता हेमन्त चौधरी के नेतृत्व में बृहस्पतिवार को हुए इस प्रदर्शन के दौरान तिलौली बाजार के विकास और नागरिक सुविधाओं का मुद्दा प्रमुखता से उठाया गया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने नगर पंचायत गठन की मांग को लेकर आवाज बुलंद की और शासन-प्रशासन से इस दिशा में ठोस

पहल करने की मांग की। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि बाजार और आसपास के क्षेत्र की जरूरतों को देखते हुए विकास की व्यवस्थित योजना तैयार करना आवश्यक है। ज्ञापन सौंपते हुए हेमन्त चौधरी ने कहा कि तिलौली बाजार को नगर पंचायत का दर्जा दिलाना क्षेत्र के विकास से जुड़ा महत्वपूर्ण मुद्दा है। उन्होंने कहा कि तिलौली कि सबसे बड़ी समस्या शौचालय की है यहाँ किसी को शौच करना है तो उसे एक किलोमीटर दूर जाना पड़ता है। उन्होंने कहा कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई, तो आंदोलन और बड़े स्तर पर किया जाएगा। उन्होंने कहा कि तिलौली बाजार के विकास की मांग को अनदेखा नहीं किया जाना चाहिए। नगर पंचायत बनने से क्षेत्र में सड़क, जल निकासी, साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था और अन्य नागरिक सुविधाओं की बेहतर योजना बनाने की संभावनाएं बढ़ सकती हैं। ऐसे में संबंधित अधिकारियों को इस मांग पर गंभीरता से विचार कर आगे की कार्रवाई करनी चाहिए। शासन स्तर पर नगर पंचायत की मांग पहुंचाने हेतु तहसीलदार महबूब आलम को ज्ञापन सौंपा। पद यात्रा में कांग्रेस के जिला सचिव अभिनय राय, बांसी नगर अध्यक्ष मुबीना खान, विक्की रिज़वी, पिछड़ा वर्ग प्रदेश महासचिव सूर्यप्रकाश चौधरी, प्रदेश सचिव राम नेवास और जिला अध्यक्ष पिछड़ा वर्ग दिनेश चौधरी आदि सहित सैकड़ो कार्यकर्त्ता मौजूद रहे।

अनुसूचित जनजाति मोर्चा के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष आनंद गौड़ का स्वागत

संत कबीर नगर। भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जनजाति मोर्चा के जिलाध्यक्ष आनंद गौड़ के स्वागत के अवसर पर पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने उनका गर्मजोशी से स्वागत एवं अभिनंदन किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने उन्हें नई जिम्मेदारी मिलने पर बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं। स्वागत कार्यक्रम में उपस्थित पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने संगठन को मजबूत बनाने, समाज के सभी वर्गों तक सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को पहुँचाने तथा जनहित के मुद्दों पर सक्रिय भूमिका निभाने पर जोर दिया। इस अवसर पर ज्ञानेंद्र मिश्रा जिला उपाध्यक्ष, आदित्य प्रताप यादव, जिला उपाध्यक्ष, मुरली चौरसिया क्षेष्ट्रीय महामंत्री पिछड़ा मोर्चा, अत्रेश श्रीवास्तव शिक्षण संस्थान क्षेत्रीय सहसंयोजक, विद्याधर यादव किसान मोर्चा जिला उपाध्यक्ष, संदीप वर्मा पूर्व नगर अध्यक्ष मगहर, गौरव निषाद जिला संयोजक मन की बात आदि कार्यकर्ताओं ने नवनियुक्त जिलाध्यक्ष स्ज्ञ मोर्चा को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि संगठन में नई जिम्मेदारी मिलने से कार्यकर्ताओं में उत्साह का संचार होता है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि उनके नेतृत्व में अनुसूचित जनजाति मोर्चा संगठनात्मक गतिविधियों को आगे बढ़ाएगा तथा समाज के लोगों की समस्याओं को उचित मंच तक पहुँचाने का कार्य करेगा। स्वागत में पार्टी के पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

मिशन शक्ति अभियान: बैंक भ्रमण के दौरान छात्राओं ने सीखी वित्तीय आत्मनिर्भरता की बारीकियां

धनघटा / संतकबीर नगर ।मिशन शक्ति अभियान के छठवें चरण के अंतर्गत गुरुवार, 15 अक्टूबर 2026 को उच्च प्राथमिक विद्यालय, धनघटा के विद्यार्थियों ने पंजाब नेशनल बैंक, धनघटा का शैक्षिक भ्रमण किया। इस दौरान बैंक की एक महिला कर्मचारी ने बच्चों को वित्तीय साक्षरता, बचत के महत्व तथा बैंकिंग सेवाओं की जानकारी देते हुए विशेष रूप से बालिकाओं को आर्थिक रूप से

जागरूक, आत्मनिर्भर और सशक्त बनने के लिए प्रेरित किया।

महिला बैंक कर्मचारी ने विद्यार्थियों को बैंक में खाता खोलने की प्रक्रिया, बचत की आदत विकसित करने, डिजिटल बैंकिंग का सुरक्षित उपयोग करने तथा ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी से बचने के उपायों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने समझाया कि वित्तीय जानकारी प्रत्येक व्यक्ति के लिए आवश्यक है और आर्थिक मामलों की समझ बालिकाओं को भविष्य में अपने निर्णय स्वयं लेने तथा आत्मनिर्भर बनने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

इस अवसर पर खण्ड शिक्षा अधिकारी, हैंसर बाजार ज्ञान चंद्र मिश्र ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने बालिकाओं को शिक्षा के साथ-साथ व्यावहारिक ज्ञान अर्जित करने, अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने तथा जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि बालिकाओं का सशक्तीकरण केवल शिक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि उन्हें आर्थिक रूप से जागरूक, निर्णय लेने में सक्षम और आत्मनिर्भर बनाना भी आवश्यक है। ऐसे कार्यक्रम बालिकाओं में आत्मविश्वास विकसित करने के साथ उन्हें अपने उज्ज्वल भविष्य के निर्माण के लिए प्रेरित करते हैं।मिशन शक्ति अभियान के उद्देश्यों के अनुरूप आयोजित इस भ्रमण का उद्देश्य बालिकाओं को वित्तीय साक्षरता से जोड़ना, उनमें बचत की आदत विकसित करना तथा बैंकिंग सेवाओं के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। कार्यक्रम ने यह संदेश दिया कि महिला सशक्तीकरण की शुरुआत बाल्यावस्था से ही शिक्षा, जागरूकता और आत्मनिर्भरता के संस्कार विकसित करने से होती है।

कार्यक्रम के दौरान खण्ड शिक्षा अधिकारी, हैंसर बाजार श्री ज्ञान चंद्र मिश्र, उच्च प्राथमिक विद्यालय, धनघटा के प्रभारी प्रधानाध्यापक श्री रमाशंकर राय तथा विद्यालय में कार्यरत दोनों अनुदेशक उपस्थित रहे।

इस प्रकार का शैक्षिक भ्रमण बालिकाओं को व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करने, उनमें वित्तीय निर्णय लेने की समझ विकसित करने तथा महिला सशक्तीकरण के लक्ष्य को मजबूत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित हुआ।

सिविल बार चुनाव में श्रवण अग्रहरि का पलड़ा भारी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर निर्विरोध निर्वाचन की राह साफ

संत कबीर नगर। सिविल बार एसोसिएशन, संत कबीर नगर के चुनाव में नामांकन वापसी के बाद चुनावी सरगर्मी तेज हो गई है। वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद को लेकर महत्वपूर्ण घटनाक्रम सामने आया है।इस पद के प्रत्याशी इंद्रदेव यादव ने श्रवण अग्रहरि के समर्थन में अपना नामांकन वापस ले लिया है। इसके बाद श्रवण अग्रहरि के निर्विरोध निर्वाचित होने की राह साफ होती दिखाई दे रही है। हालांकि, उनके निर्विरोध निर्वाचन की आधिकारिक पुष्टि निर्वाचन अधिकारी की घोषणा के बाद ही होगी। वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर श्रवण अग्रहरि और इंद्रदेव यादव के बीच सीधा मुकाबला माना जा रहा था। नाम वापसी के अंतिम दौर में इंद्रदेव यादव ने श्रवण अग्रहरि के समर्थन में अपना पर्चा वापस लेकर चुनावी समीकरण बदल दिया। इस घटनाक्रम के बाद बार परिसर में अधिवक्ताओं के बीच चर्चाएं तेज हो गई हैं। अब सभी की निगाहें निर्वाचन अधिकारी की औपचारिक घोषणा पर टिकी हैं। श्रवण अग्रहरि अधिवक्ता के रूप में लंबे समय से सक्रिय हैं। अधिवक्ता साथियों के बीच संपर्क, संवाद और संगठनात्मक गतिविधियों में उनकी भागीदारी के चलते वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद के चुनाव में उनकी दावेदारी महत्वपूर्ण मानी जा रही थी।

कार्यालय अधिशासी अभियंता
ग्रामीण अभियंत्रण विभाग, प्रखण्ड-महराजगंज

पत्रांक-704/ग्रा.अ.वि./निविदा/2026-27 दिनांक 10-10-2026

अल्पकालीन मैनुअल निविदा सूचना-2026-27

महामहिम राज्यपाल महोदय, उ0प्र0 की ओर से अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियंत्रण विभाग, प्रखण्ड-महराजगंज द्वारा ग्रामीण अभियंत्रण विभाग में विभिन्न श्रेणियों 'ए', 'बी','सी' एवं 'डी' में पंजीकृत एवं अर्ह ठेकेदारों से मैनुअल विधि के माध्यम से प्रतिशत दर पर मोहरबन्द निविदायें आमंत्रित की जाती है।

क्र0 सं0	ब्लाक	योजना का नाम	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख में)	धरोहर धनराशि (लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण होने की अवधि	अधिशासी अभियन्ता का पता	अधीक्षण अभियन्ता का पता	जिलाधिकारी का पता
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
	डा0बी0आर0 अम्बेडकर मूर्ति विकास योजनान्तर्गत समाज सुधारकों, महापुरुषों, सामाजिक न्याय के प्रणेतागण तथा सांस्कृतिक विभूतियों की मूर्तियों की सुरक्षा, सुदृढ़ीकरण तथा सौन्दर्यीकरण का कार्य।									
1	घुघली	—	अम्बेडकर प्रतिमा पातालकुई	9.98	0.20	856.00	45 दिन	विकास भवन महराजगंज	नहर रोड दाउदपुर गोरखपुर	कलेक्ट्रेट महराजगंज
2	सदर		नेता सुरहुरवां, महराजगंज।	10.00	0.20	856.00	45 दिन	विकास भवन महराजगंज	नहर रोड दाउदपुर गोरखपुर	कलेक्ट्रेट महराजगंज
3	मिठौरा		अम्बेडकर मूर्ति पतरेंगवां	10.00	0.20	856.00	45 दिन	विकास भवन महराजगंज	नहर रोड दाउदपुर गोरखपुर	कलेक्ट्रेट महराजगंज
4	सिसवां		डा0 भीमराव अम्बेडकर (प्रतिमा) रामपुर खुर्द	9.98	0.20	856.00	45 दिन	विकास भवन महराजगंज	नहर रोड दाउदपुर गोरखपुर	कलेक्ट्रेट महराजगंज
5	निचलौल		डा0 भीमराव अम्बेडकर (प्रतिमा) अगया उर्फ झुलनीपुर	9.90	0.20	856.00	45 दिन	विकास भवन महराजगंज	नहर रोड दाउदपुर गोरखपुर	कलेक्ट्रेट महराजगंज
6	लक्ष्मीपुर		जंगल हथियागढ़	9.99	0.20	856.00	45 दिन	विकास भवन महराजगंज	नहर रोड दाउदपुर गोरखपुर	कलेक्ट्रेट महराजगंज
7	लक्ष्मीपुर		एकसड़वां	9.99	0.20	856.00	45 दिन	विकास भवन महराजगंज	नहर रोड दाउदपुर गोरखपुर	कलेक्ट्रेट महराजगंज
8	नौतनवां		वार्ड नं0 1 इन्दिरा नगर, नौतनवां (अम्बेडकर मूर्ति)	9.92	0.20	856.00	45 दिन	विकास भवन महराजगंज	नहर रोड दाउदपुर गोरखपुर	कलेक्ट्रेट महराजगंज
9	परतावल		चौपरिया	9.99	0.20	856.00	45 दिन	विकास भवन महराजगंज	नहर रोड दाउदपुर गोरखपुर	कलेक्ट्रेट महराजगंज

1. निविदा सूचना में अंकित कार्यालयों (कालम सं0- 9, 10 व 11) में बिड डाक्यूमेन्ट की उपलब्धता/विक्रय की तिथि :- दिनांक 21.10.2026 से 27.10.2026 तक प्रातः 11.00 बजे से सायं 4.00 बजे तक।
2. निविदा डालने की तिथि, समय व स्थान - दिनांक 28.10.2026 को अपरान्ह 1.00 बजे तक कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियंत्रण विभाग, जनपद-महराजगंज।
3. निविदा खोलने की तिथि, समय व स्थान - दिनांक 28.10.2026 को अपरान्ह 3.00 बजे कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियंत्रण विभाग, जनपद-महराजगंज।
4. निविदा से संबंधित अधिक जानकारी के लिए कृपया नियोक्ता कार्यालय अर्थात अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियंत्रण विभाग, प्रखण्ड-महराजगंज से सम्पर्क करें।

(प्रवीण कुमार भारती)
अधिशासी अभियंता
ग्रामीण अभियंत्रण विभाग प्रखण्ड
महराजगंज

उ.प्र. 258220/दिनांक 14-10-2026 इमेल-upinformation@nic.in

कार्यालय अधीक्षण अभियंता
गोरखपुर वृत्त, लो.नि.वि., गोरखपुर

पत्रांक-7942/33 काम--गोरखपुर वृत्त/2026 दिनांक 08-10-2026

ई-निविदा सूचना

महामहिम राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से उ0प्र0 लोक निर्माण विभाग के "ए, बी, सी, श्रेणी के पात्र मार्ग कार्य हेतु पंजीकृत निविदादाताओं से ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निर्माण खण्ड, लो0नि0वि0, महराजगंज के अन्तर्गत नीचे दर्शाये गये कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है :-

क्र0 सं0	जनपद का नाम	कार्य का नाम	सिविल कार्य की लागत (रू0 लाख में)	5 वर्षीय अनुरक्षण की लागत (रू0 लाख में)	सिविल कार्य की लागत (रू0 लाख में) (4+5)	धरोहर धनराशि (रू0 लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य समस्त कर सहित (रूपये में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि (वर्षा ऋतु सहित)	श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1	महराजगंज	जनपद-महराजगंज मे सेमरहनी फरेन्दा भगवतनगर परसिया होते हुए चौतरवां सोनबरसा मार्ग से सी0बी0जी0 प्लाण्ट तक मार्ग का नव निर्माण कार्य। (पॉच वर्ष का अनुरक्षण सहित)	72.00	1.80	73.80	5.69	(स्टेशनरी चार्जेज + निविदा मूल्य+ जी. एस.टी.) रू0 2714.00	6 माह	A,B,C,

1. प्रत्येक निविदा की धरोहर धनराशि (ई0एम0डी0) ई-टेण्डर पोर्टल के माध्यम से जमा कराना अनिवार्य होगा।
2. प्रत्येक निविदा का निविदा प्रपत्र शुल्क (नॉन रिफन्डेबल), ई-टेण्डर पोर्टल के माध्यम से जमा कराना अनिवार्य होगा।

बिड डाक्यूमेंट वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर दि0 17.10.2026 से 27.10.2026 तक उपलब्ध है, जो कि दिनांक 27.10.2026 को दोपहर 12:00 बजे तक अपलोड किये जा सकते है। इसकी तकनीकी बिड दि0 27.10.2026 को अपरान्ह 12.30 बजे खोली जायेगी। निविदा अपलोड करने की अन्तिम तिथि 27.10.2026 को 12:00 बजे तक शुद्धि पत्र यदि कोई हो तो उसे वेबसाईट पर अपलोड कर दिया जायेगा।

निविदा से सम्बन्धित अधिक जानकारी वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है।

(एडीसन)
अधिशासी अभियंता
निर्माण खण्ड, लो.नि.वि.
महराजगंज

(अशोक कुमार वर्मा)
अधीक्षण अभियंता
गोरखपुर वृत्त, लो.नि.वि.
गोरखपुर

उ.प्र. 258241/दिनांक 14-10-2026 इमेल-upinformation@nic.in

कार्यालय अधीक्षण अभियंता
गोरखपुर वृत्त, लो.नि.वि., गोरखपुर

पत्रांक-7939/33 काम-गोरखपुर वृत्त/2026 दिनांक 08-10-2026

निविदा आमंत्रण सूचना (ई-प्रोक्यूरमेंट सूचना)
(द्वितीय आमंत्रण)

महामहिम राज्यपाल महोदय, उत्तर प्रदेश की ओर से उ0प्र0 लोक निर्माण विभाग के "ए" एवं "बी" श्रेणी के पात्र सेतु कार्य हेतु पंजीकृत निविदादाताओं से ई-टेण्डरिंग के माध्यम से प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, महराजगंज के अन्तर्गत नीचे दर्शाये गये कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है :-

क्र0 सं0	जनपद का नाम	कार्य का नाम	लागत (रू0 लाख में)	धरोहर धनराशि (लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य समस्त कर सहित (रूपये में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि (वर्षा ऋतु सहित)	पंजीकृत ठेकेदार की श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7	8
1	महराजगंज	घुघुली शिकारपुर मार्ग (अ0जि0मार्ग) के किमी0 2 एवं 10 मे स्थित पुराने/सकरे आर्च पुलिया के स्थान पर 2x3x3 मी0 स्पान का लघु सेतु एवं पहुँच मार्ग का निर्माण कार्य।	185.00	11.25	(स्टेशनरी चार्जेज + निविदा मूल्य+जी0एस0टी0) रू0 2714.00	10 माह	ए. बी.
2	महराजगंज	सिसवा शिवदत्त छपरा चैनपुर बेलवा द्वारिका सोनबरसा बेलवा घाट पर 2x3x3 मी0 स्पान का लघु सेतु एवं पहुँच मार्ग का निर्माण कार्य।	95.00	6.75	(स्टेशनरी चार्जेज + निविदा मूल्य+जी0एस0टी0) रू0 2714.00	6 माह	ए. बी.
3	महराजगंज	बेलवा काजी के अन्तर्गत चाफी टोला सम्पर्क मार्ग पर 3x5x5 मी0 स्पान का लघु सेतु, पहुँच मार्ग एवं सुरक्षात्मक कार्य	80.00	6.00	(स्टेशनरी चार्जेज + निविदा मूल्य+जी0एस0टी0) रू0 2714.00	6 माह	ए. बी.

बिड डाक्यूमेंट वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर दि0 17-10-2026 से 27-10-2026 तक उपलब्ध है, जो कि दिनांक 27-10-2026 को दोपहर 12:00 बजे तक अपलोड किये जा सकते है। इसकी तकनीकी बिड दि0 27-10-2026 को दोपहर 12:30 बजे खोली जायेगी। निविदा अपलोड करने की अन्तिम तिथि 27-10-2026 को 12:00 बजे तक शुद्धि पत्र यदि कोई हो तो उसे वेबसाईट पर अपलोड कर दिया जायेगा।

निविदाओं की तकनीकी मूल्यांकन प्रहरी साफ्टवेयर के माध्यम से किया जाना है, जिसकी विस्तृत जानकारी बिड डाक्यूमेन्ट के साथ संलग्न सूचना में उपलब्ध है।

निविदा से सम्बन्धित अधिक जानकारी वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है।

(राज कुमार मिश्रा)
अधिशासी अभियंता
प्रांतीय खण्ड, लो.नि.वि.
महराजगंज

(अशोक कुमार वर्मा)
अधीक्षण अभियंता
गोरखपुर वृत्त, लो.नि.वि.
गोरखपुर

उ.प्र. 258277/दिनांक 14-10-2026 इमेल-upinformation@nic.in

सोशल ऑडिट कर्मचारियों ने 15 सूत्रीय मांगों को लेकर सौंपा ज्ञापन

बस्ती। गुरूवार को सोशल ऑडिट वेलफेयर एसोसिएशन के संयोजक राम प्रकाश के नेतृत्व में पदाधिकारियों, कर्मचारियों ने 15 सूत्रीय मांगों को लेकर जिला विकास अधिकारी को ज्ञापन सौंपा। चेतावनी दिया कि यदि 20 दिनों के भीतर समस्याओं को समाधान न हुआ तो शांतिपूर्ण धरना, घेराव और रैली किया जायेगा।ज्ञापन देने के बाद एसोसिएशन संयोजक राम प्रकाश ने बताया कि सोशल ऑडिट कर्मचारी पिछले कई वर्षों से सीमित मानदेय पर अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रहे हैं, लेकिन उनकी समस्याओं का अब तक समाधान नहीं हो सका है। 12 अक्टूबर से सोशल ऑडिट कर्मचारी 15 सूत्रीय मांगों के समर्थन में काली पट्टी बांधकर काम कर रहे हैं किन्तु सरकार और जिम्मेदार चुप्पी साधे हुये हैं।जिला विकास अधिकारी के माध्यम से केन्द्रीय ग्रामीण विकास मंत्री, आयुक्त ग्राम्य विकास लखनऊ, निदेशक सोशल आडिट निदेशालय लखनऊ आदि को भेजे ज्ञापन में मांग किया गया है कि जिला एवं ब्लॉक सोशल ऑडिट

कोऑर्डिनेटरों सहित अन्य कर्मचारियों के वर्षों से लंबित मानदेय, व्यावसायिक शुल्क और अन्य भुगतानों का तत्काल निस्तारण कराया जाय। संगठन ने जिला सोशल ऑडिट कोऑर्डिनेटर का मानदेय 50 हजार रुपये प्रतिमाह तथा ब्लॉक सोशल ऑडिट कोऑर्डिनेटर का मानदेय 40 हजार रुपये प्रतिमाह किए जाने की मांग की है। इसके साथ ही महंगाई को देखते हुए बीआरपी और वीआरपी के मानदेय में भी उचित वृद्धि की मांग उठाई गई है।एसोसिएशन के वरिष्ठ मंत्री श्रवण कुमार दूबे, कोषाध्यक्ष दिनेश लाल श्रीवास्तव ने कहा कि लगभग 16 वर्षों से कार्यरत कर्मचारियों के मानदेय में वर्तमान महंगाई और अन्य संविदा कर्मचारियों की सेवा शर्तों के अनुरूप वृद्धि की जानी चाहिए, ताकि वे अपने परिवार का भरण-पोषण सम्मानजनक ढंग से कर सकें।सोशल ऑडिट का कार्य मुख्य रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में किया जाता है। ऐसे में फील्ड कार्य की वास्तविक परिस्थितियों को देखते हुए यात्रा भत्ते और दैनिक भत्ते में वृद्धि की जानी चाहिए। इसके साथ ही जनपद एवं ब्लॉक स्तर पर कार्यरत कर्मचारियों को लैपटॉप, एंड्रॉयड डिवाइस, इंटरनेट सुविधा और योजनाओं के प्रचार-प्रसार के लिए मिनी लाउडस्पीकर उपलब्ध कराया जाय।ज्ञापन सौंपने के दौरान मुख्य रूप से राम प्रकाश, श्रीकान्त तिवारी, मधुबाला, सुधारानी, कुन्तेश वर्मा, वन्दना शुक्ला, प्रेम प्रकाश, दिनेश कुमार, राजकुमार, त्रिलोकीनाथ, अमरनाथ, सुन्दरी, फूल कुमारी, विद्या वर्मा, विजय मिश्र आदि शामिल रहे।

मांगें पूरी नहीं होने पर 23 अक्टूबर को राजधानी में महापड़ाव करेंगी आशा कार्यकत्री

विक्रमजोत, हर्रैया(बस्ती)। विक्रमजोत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अंतर्गत कार्यरत आशा एवं आशा संगिनी ने बृहस्पतिवार को अपनी मांगों को लेकर एक ज्ञापन चिकित्साधिक्षक डा.अतुल सिंह को सौंपा। आशा और आशा संगिनी कार्यकर्ताओं की लंबित मांगों का समाधान नहीं होने से नाराज उत्तर प्रदेश आशा वर्कर्स यूनियन ने 23 अक्टूबर को राजधानी में महापड़ाव करने का निर्णय लिया है। यूनियन ने शासन को नोटिस देकर मांगों का शीघ्र निस्तारण करने की अपेक्षा जताई है।

यूनियन के अनुसार, सात फरवरी 2026 को स्वास्थ्य मंत्री और संगठन के पदाधिकारियों के बीच हुई वार्ता में 13 सूत्रीय मांगपत्र पर सहमति बनी थी।इसके बाद अपर मुख्य सचिव की अध्यक्षता में कमेटी गठित की गई लेकिन कमेटी की रिपोर्ट आने के बावजूद समझौते को लागू करने के लिए अंतिम बैठक नहीं बुलाई गई। यूनियन की प्रमुख मांगों में आशा कार्यकर्ताओं के राज्यांश के रूप में मिलने वाली 1500 रुपये की राशि बढ़ाकर 7500 रुपये करने तथा आशा

संगिनी को भी इसका लाभ देने की मांग शामिल है।इसके अलावा आधार भुगतान में वृद्धि, चार माह का मातृत्व अवकाश, दो लाख रुपये के दुर्घटना बीमा को बढ़ाकर 10 लाख रुपये करने और कैशलेस चिकित्सा सुविधा के अतिरिक्त पांच लाख रुपये का स्वास्थ्य बीमा देने की मांग की गई है।संगठन का आरोप है कि आयुष्मान कार्ड, आभा आईडी, सी-बैंक, टीवीआई, कुष्ठ रोग, फाइलेरिया, पोलियो, दस्तक और संचारी रोग अभियानों सहित विभिन्न कार्यों की प्रोत्साहन राशि वर्षों से लंबित है। कोविड-19 के दौरान घोषित प्रोत्साहन राशि का भुगतान भी नहीं हुआ है। यूनियन ने भुगतान में पारदर्शिता सुनिश्चित करने और बकाया राशि का शीघ्र भुगतान करने की मांग उठाई है।इसके साथ ही आंदोलन के दौरान दर्ज मुकदमों को वापस लेने, आशा संगिनी को यात्रा भत्ता देने तथा 45वें और 46वें भारतीय श्रम सम्मेलन की सिफारिशें लागू करने की मांग की गई है। आशा बहुओं ने सीएचसी विक्रमजोत पर चिकित्साधिकारी को मुख्यमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन देते हुए चेतावनी दी है कि मांगों का समाधान नहीं हुआ तो 23 अक्टूबर को राजधानी में महापड़ाव किया जाएगा। ब्लाक अध्यक्ष चित्रकला सिंह के नेतृत्व में ज्ञापन दिया गया। इस मौके पर सचिव शशिकला मौर्या, संगिनी कुमकुम मिश्रा, चंद्रावती वर्मा, जानकी पान्डेय, आरती मिश्रा, अनीता सिंह, संध्या सिंह, प्रेमनंदिनी श्रीवास्तव, मंजू मौर्या, नीलम पान्डेय, कुशलावती, सुशीला देवी सहित सैकड़ों आशा एवं आशा संगिनी मौजूद रहीं।

मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए 17 और 24 अक्टूबर को विशेष कैंप

बस्ती। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जनपद बस्ती की समस्त 05 विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों यथा-307 हर्रैया, 308 कप्तानगंज, 309 रूधौली, 310 बस्ती सदर तथा 311 महादेवा (अ.जा.) की निर्वाचक नामावलियों के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के अंतर्गत 17 अक्टूबर (शनिवार) एवं 24 अक्टूबर (शनिवार) को विशेष कैंप आयोजित किए जाएंगे। इन कैंपों का उद्देश्य पात्र नागरिकों का नाम मतदाता सूची में शामिल करना है।उप जिला निर्वाचन अधिकारी ज्ञान चन्द्र गुप्ता ने बताया कि जनपद के सभी मतदेय स्थलों पर बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक उपस्थित रहेंगे। इस दौरान मतदाता सूची में नाम शामिल कराने के लिए नागरिकों को सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।उन्होंने बताया कि सभी बीएलओ के पास पर्याप्त संख्या में फार्म-6 तथा विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत आवश्यक प्रपत्र उपलब्ध रहेंगे। मतदाताओं की सहायता के लिए प्रत्येक मतदान केंद्र पर हेल्प डेस्क भी स्थापित की जाएगी, जहां नागरिकों को फार्म भरने और संबंधित प्रक्रिया की जानकारी दी जाएगी।उन्होंने बताया कि विशेष अभियान के दौरान पात्र नागरिक फार्म-6 भरकर मतदाता सूची में अपना नाम शामिल कराने के लिए आवेदन कर सकते हैं। मतदाता अपने आवेदन के साथ निर्धारित आवश्यक दस्तावेज, अद्यतन फोटो, जन्मतिथि एवं निवास से संबंधित विवरण प्रस्तुत कर सकते हैं। परिवार के किसी सदस्य का मतदाता पहचान पत्र उपलब्ध होने पर उसकी प्रति भी सहायक दस्तावेज के रूप में दी जा सकती है।उन्होंने बताया कि नागरिक संबंधित पदाभिहित स्थल, तहसील कार्यालय अथवा जिला निर्वाचन कार्यालय से भी आवश्यक फार्म प्राप्त कर सकते हैं।

इसके अलावा निर्वाचन आयोग के ऑनलाइन माध्यम से भी आवेदन की सुविधा उपलब्ध है। मतदाता मोबाइल ऐप अथवा निर्वाचन आयोग की वेबसाइट पद के माध्यम से फार्म-6, फार्म-7 एवं फार्म-8 जमा कर सकते हैं। उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने जनपद के सभी पात्र नागरिकों से अपील की है कि वे विशेष कैंपों का लाभ उठाएं , ताकि कोई भी पात्र नागरिक मताधिकार से वंचित न रहे।

त्रिवेणी बस्ती सदर तहसील अध्यक्ष, फूलचन्द जिला सचिव घोषित

बस्ती। भारतीय किसान यूनियन बस्ती सदर तहसील की बैठक गुरूवार को पूर्वान्चल उपाध्यक्ष प्रदीप किसान की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में गन्ना मूल्य वृद्धि किये जाने, बकाया मूल्य भुगतान के साथ ही किसान समस्याओं पर चर्चा के बाद संघर्ष की रणनीति बनायी गई। इसी कड़ी में सर्व सम्मत से त्रिवेणी चैधरी को बस्ती सदर तहसील अध्यक्ष और फूलचन्द चैधरी को जिला सचिव का दायित्व सौंपा गया।सदर तहसील परिसर में हुई बैठक में भाकियू जिलाध्यक्ष विनोद कुमार चैधरी ने कहा कि किसान एक साथ कई चुनौतियों का सामना कर रहा है। ऊपज का उचित मूल्य नहीं मिल पा रहा है। बारिश में हुई फसलों के नुकसान का किसानों को कोई मुआवजा नहीं मिला। बस्ती, गोविन्दनगर शुगर मिल बंद है और बकाया गन्ना मूल्य का भुगतान अभी तक नहीं मिला। ऐसे अनेक सवालों को लेकर भाकियू आन्दोलन छेड़ेगी।बैठक में मुख्य रूप से पारसनाथ गुप्ता, रामकृष्ण, अभिलाष श्रीवास्तव, सत्य प्रकाश दूबे, कन्हैया किसान, राम नयन किसान, दीनदयाल, फूलचन्द, वंश गोपाल, राम किशोर, हीरालाल, महाबीर, आज्ञाराम, राम सागर, तिलकराम, राम महीपत, ब्रम्हदेव, दिलीप, रवि प्रसाद, इब्राहीम, बाबूराम, सन्तराम के साथ ही भाकियू के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता शामिल रहे।

प्रधानाध्यापक ने अपने वेतन से 61 बच्चों को दिए स्कूल बैग

बस्ती। बनकटी ब्लॉक के प्राथमिक विद्यालय जगदीशपुर में प्रधानाध्यापक प्रकाशिनी शुक्ला ने गुरुवार को अपने वेतन से 61 बच्चों को निरूशुल्क स्कूल बैग वितरित किए। बैग पाकर बच्चों के चेहरे खिल उठे। विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में अतिथियों ने प्रधानाध्यापक की इस पहल की सराहना करते हुए इसे शिक्षा के प्रति समर्पण का उदाहरण बताया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नगर पंचायत मुंडेरवा के अधिशासी अधिकारी अमित कुमार सिंह ने कहा कि प्रधानाध्यापक द्वारा अपने वेतन से बच्चों को बैग उपलब्ध कराना सराहनीय पहल है। बैग मिलने से बच्चों को किताबें रखने में सहूलियत होगी और वे नियमित रूप से इसका उपयोग कर सकेंगे। उन्होंने अभिभावकों से बच्चों की शिक्षा के प्रति जागरूक रहने की अपील की। प्राथमिक शिक्षक संघ बनकटी के ब्लॉक अध्यक्ष सुरेश गौड़ ने कहा कि

बच्चों को निरूशुल्क बैग उपलब्ध कराना प्रधानाध्यापक की संवेदनशीलता और शिक्षा के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। वहीं, प्राथमिक शिक्षक संघ के तहसील अध्यक्ष उमाकांत शुक्ल ने कहा कि सरकार परिषदीय विद्यालयों में बच्चों को बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध करा रही है। सरकारी विद्यालयों में योग्य शिक्षक हैं। बच्चों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित होने पर उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल सकेगी। कार्यक्रम में सभासद प्रतिनिधि शत्रुघ्न चैधरी, शिक्षक लवली किरण त्रिपाठी, शिक्षामित्र कंचन यादव, कुसुम चैधरी, नगर पंचायत के लिपिक बजरंगी चैधरी सहित अभिभावक मौजूद रहे।

शरद कालीन गन्ना बुवाई का आगाज, किसानों को मिलीं बेहतर उत्पादन की शुभकामनाएं

रुधौली, बस्ती'। बजाज चीनी मिल, रुधौली द्वारा शरद कालीन गन्ना बुवाई अभियान का औपचारिक शुभारंभ किया गया। इस विशेष बुवाई अभियान का विस्तार क्षेत्र के विभिन्न गांवोंकृजोगिया, समस्तपुर, मलानी, सैदुल्लापुर, अदमापुर, उपरेला (ए व बी), पिरेला (ए व बी) और चंदोरवा में किया गया है। शुभारंभ के दौरान चीनी मिल के इकाई प्रमुख डॉ. जेपी त्रिपाठी ने खेतों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने गुलाब के फूलों के साथ गन्ने के प्लांट का जायजा लिया और औपचारिक रूप से शरद कालीन बुवाई का शुभारंभ करते हुए स्थानीय किसानों को ढेर सारी बधाई व शुभकामनाएं दीं।बुवाई अभियान के दौरान किसानों को गन्ने की उन्नत और अधिक पैदावार देने वाली प्रजातियों को अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। इस वर्ष शरद कालीन बुवाई में मुख्य रूप से उन्नत वैराइटी 0118, 14201, 18231, 16202 और

20016 के बीजों पर विशेष जोर दिया जा रहा है, ताकि किसानों को बेहतर उत्पादन और लाभ मिल सके।इस अवसर पर किसानों को संबोधित करते हुए इकाई प्रमुख डॉ. जेपी त्रिपाठी ने कहा कि शरद कालीन गन्ना बुवाई किसानों की आय बढ़ाने और फसल की गुणवत्ता सुधारने का एक बेहतरीन माध्यम है। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे आधुनिक तकनीक और उन्नत बीजों का प्रयोग कर गन्ने का बेहतर उत्पादन प्राप्त करें। वहीं, सीनियर गन्ना अधिकारी बाल सिंधु पांडे (गगन) ने अपने बयान में कहा कि मिल प्रशासन किसानों को सही समय पर उच्च गुणवत्ता वाले बीज, खाद और तकनीकी सहायता उपलब्ध कराने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है, जिससे फसल का बेहतर विकास हो सके।कार्यक्रम के दौरान क्षेत्र के प्रगतिशील किसानों के साथ-साथ चीनी मिल के प्रमुख अधिकारी भी मौजूद रहे, जिनमें गन्ना अधिकारी अंजनी तिवारी और धर्मराज सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति तथा बड़ी संख्या में क्षेत्र के कृषकगण उपस्थित रहे।

महिला किसान दिवस कार्यक्रम का आयोजन

बस्ती। कृषि विज्ञान केंद्र, बस्ती में कृषि विभाग बस्ती द्वारा महिला किसान दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महिला मोर्चा की प्रदेश मंत्री डॉ रोली सिंह ने महिला किसान दिवस की शुभकामनाओं के साथ कहा कि महिलाओं को घर से निकलकर हर क्षेत्र में बढ़ चढ़कर आगे आना चाहिए जिससे महिलाएं स्वयं आत्मनिर्भर हो।कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ एस के तोमर ने कार्यक्रम में आए हुए अतिथियों का स्वागत करते हुए अपने संबोधन में कहा कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महिला किसानों को कृषि एवं कृषि आधारित उद्यमों में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका के प्रति जागरूक करना तथा आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाकर उनकी आय एवं आजीविका में वृद्धि करना था।कार्यक्रम में संयुक्त कृषि निदेशक रामवचन राम, ने महिला किसानों को कृषि में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका, फसल उत्पादन की उन्नत तकनीकों, एकीकृत नाशीजीव प्रबंधन, पोषण

वाटिका, मशरूम उत्पादन तथा कृषि आधारित स्वरोजगार के विभिन्न अवसरों के संबंध में जानकारी प्रदान की गई। जनपद के उपकृषि निदेशक अशोक कुमार ने महिला किसानों को कृषि में नवीन तकनीकों को अपनाने, उत्पादन लागत कम करने तथा कृषि उत्पादों का मूल्य संवर्धन करके अतिरिक्त आय अर्जित करने के लिए प्रेरित किया गया।इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष भाजपा शिव प्रसाद चैधरी ने महिला किसानों को कृषि एवं उससे संबंधित गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने बताया कि महिलाएं कृषि कार्यों में महत्वपूर्ण योगदान देती हैं। यदि उन्हें आधुनिक तकनीकों, प्रशिक्षण एवं उचित मार्गदर्शन की सुविधा उपलब्ध कराई जाए, तो वे कृषि उत्पादन एवं परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं।कार्यक्रम में डॉ. प्रेम शंकर, वैज्ञानिक (पादप सुरक्षा), कृषि विज्ञान केंद्र, बस्ती सहित केंद्र के अन्य वैज्ञानिकों ने महिला किसानों को वैज्ञानिक कृषि पद्धतियों, कीट एवं रोग प्रबंधन तथा कृषि आधारित रोजगार की संभावनाओं के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन डॉ वी बी सिंह द्वारा किया गया। केंद्र के वैज्ञानिक आर बी सिंह, हरिओम मिश्रा, डॉ अंजलि वर्मा नए महिला किसानों को आत्मनिर्भर बनने, नवीन कृषि तकनीकों को अपनाने तथा कृषि एवं कृषि आधारित उद्यमों के माध्यम से अपनी आय बढ़ाने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में जनपद की 252 महिलाओं ने प्रतिभाग किया।

समाज सेवा में मनीष मिश्रा ने बढ़ाया हाथ,विद्यालय के विकास का दिया आश्वासन

बभनान बस्ती । पंडित महादेव शुक्ल कृषक इंटर कॉलेज गौर बस्ती के प्रांगण में बस्ती के मनीष मिश्रा बच्चों के भविष्य तथा पठन पाठन में अपनी सहभागिता जताते हुए ?और बेहतर सुविधा देने का वादा किया हैं ।बच्चों का संख्या बल और उत्साह देखकर बहुत प्रभावित हुए, । विद्यालय में अति आवश्यक सुविधा उपलब्ध कराने की बात कही है। अपने क्षेत्रीय जनसमपर्क के दौरान संस्थापक पंडित महादेव देव शुक्ल के प्रतिमा को नमन किया। विद्यालय ?के सभाकक्ष में शिक्षक छात्र छात्राएं को बड़े खुशी मन उनके प्रगति की कामना किया । प्रधानाचार्य अरविंद कुमार त्रिपाठी वरिष्ठ विद्यालय परिवार के साथ अपनी बात रखी ।प्रधानाचार्य ने स्वागत उद्बोधन में कहा कि मनीष मिश्रा के निरंतर विकास की गति से बस्ती को एक नया आयाम मिला है। आपके व्यक्तित्व से खासकर बच्चे और युवा दोनों ही बहुत प्रभावित है आपकी लोकप्रियता केवल विकास के कार्यों से बड़ी है किसी बड़े पद पर ना होते हुए भी आप के द्वारा जो कुछ भी योजनाएं पटल पर लाई जा रही हैं उसकी हम सब भूरि-भूरि प्रशंसा करते हैं। भाजपा के पूर्व मंडल अध्यक्ष संतोष शुक्ला ने कहा मेरे मित्र विनोद पांडे जी से आग्रह करने पर, मनीष मिश्रा ने कहा पंडित महादेव शुक्ल जी जैसे शिक्षा के मालवीय के विद्यालय पर तो हमको जाना ही जाना है क्योंकि ऐसे मालवीय के गौरवपूर्ण कृतित्व से कुछ सीखना है, मनीष मिश्रा के हम सब बहुत आभारी है, जो आपने अपना अत्यंत अमूल्य समय इस ग्रामीण अंचल के विद्यालय को दिया हम सब आपका बहुत-बहुत स्वागत बहुत-बहुत अभिनंदन करते हैं। अंत में मुख्य अतिथि के रूप में वरिष्ठ समाजसेवी मनीष मिश्रा ने कहा सरकारी विद्यालय में इतनी अच्छी संख्या देखकर मैं स्वयं बहुत

प्रभावित हूं, और मैं ऐसे मालवीय पंडित महादेव शुक्ल को बारंबार नमन करता हूं और घोषणा करता हूं कि इस विद्यालय को नवरात्रि के बाद मेरे द्वारा दो स्मार्ट क्लास की व्यवस्था की जाएगी, मिश्रा जी ने कहा यहां के बच्चे यहां के लोग से मिलकर हमको एक अतिरिक्त ऊर्जा का एहसास हुआ हम जब-जब भी इस विद्यालय परिवार को यहां के किस के बच्चों को जो भी ज़रूरतें होगी मैं अवश्य पूरा करूंगा कार्यक्रम में वरिष्ठ शिक्षक पवन कुमार शुक्ला, अमरेंद्र प्रताप, पवन कुमार, हीरालाल, वीरेंद्र कुमार वरुण, कपिल मुनि त्रिपाठी,जितेंद्र कुमार, विजय सिंह, ज्ञानेंद्र सिंह यादव, अनुराग कृष्ण यादव, श्रीमती निवेदिता पांडे, सहित छात्र एवं छात्राएं उपस्थित रहे।

खड़ी ट्रक से 400 लीटर डीजल चोरी

हर्रैया(बस्ती)। स्थानीय थाना क्षेत्र के महूघाट गांव के पास सर्विस रोड पर बुधवार देर रात सेल्फ खराब होने के कारण खड़ी ट्रक से चोरों ने लगभग 400 लीटर डीजल निकाल लिया। घटना सूचना पर पुलिस मामले छानबीन कर रही है। स्थानीय थाना क्षेत्र बरगदवा माफी गांव निवासी श्यामू पुत्र रामबहोर ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उनकी ट्रक महूघाट गांव के पास सर्विस लेन पर खड़ी थी। गुरुवार की रात में डीजल चोरी होने की सूचना चालक ने उन्हें डायल 112 पर दिया। सूचना पर पहुंची 112 पुलिस को मौके पर एक संदिग्ध व्यक्ति को पकड़ लिया है। पुलिस युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

विजय शंकर चौधरी का वायुसेना में चयन

लालगंज,बस्ती।जनपद के कुदरहा विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत कचनी निवासी विजय शंकर चैधरी पुत्र मस्तराम चैधरी का चयन वायुसेना में हुआ है। आर्थिक तंगी और कठिन परिस्थितियों के बीच संघर्ष करते हुए विजय शंकर ने यह सफलता हासिल की है। उनकी उपलब्धि से क्षेत्र में खुशी का माहौल है। उनकी सफलता युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत बनी हुई है।विजय शंकर चैधरी ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा एएसएस कॉन्वेंट स्कूल, बानपुर, बस्ती से प्राप्त की। इसके बाद उन्होंने राम केवल आदर्श इंटर कॉलेज, खरका, बस्ती से हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की पढ़ाई पूरी की। उन्होंने, शिकटहा, संत कबीर नगर से स्नातक की शिक्षा प्राप्त की।विजय शंकर ने बताया कि

कक्षा छह में पढ़ाई के दौरान ही उन्होंने राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) में जाने का सपना देख लिया था। इसी दौरान उन्होंने सैनिक स्कूल की प्रवेश परीक्षा भी उत्तीर्ण की थी, लेकिन परिवार की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं होने के कारण वह सैनिक स्कूल में पढ़ाई नहीं कर सके। इसके बावजूद उन्होंने अपने लक्ष्य को नहीं छोड़ा और लगातार मेहनत करते रहे।उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय ए एस एस पब्लिक कॉन्वेंट स्कूल के प्रबंधक आलोक यादव को भी दिया। विजय शंकर के मुताबिक, आलोक यादव ने उन्हें प्रेरित करने के साथ अंग्रेजी और गणित विषयों की पढ़ाई पूरी लगन और मेहनत से कराई। इससे उन्हें वायुसेना में जाने की तैयारी में काफी मदद मिली।विजय शंकर का परिवार भी कठिन परिस्थितियों से गुजरा है। वह दो भाइयों और एक बहन में से एक हैं। उनके बड़े भाई रमाशंकर मुंबई में मेहनत-मजदूरी कर परिवार का सहयोग करते हुए उनकी पढ़ाई में मदद करते रहे। उनके पिता मस्तराम चैधरी खेती-किसानी करते हैं। वहीं, 25 मई 2021 को उनकी मां का निधन हो गया था। इन तमाम कठिनाइयों के बावजूद विजय शंकर ने हिम्मत नहीं हारी और अपने लक्ष्य को हासिल करने के लिए निरंतर प्रयास करते रहे।विजय शंकर चैधरी ने अपनी सफलता में पिता, बड़े भाई और चाचा के योगदान को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि परिवार के सहयोग और मार्गदर्शन ने उन्हें आगे बढ़ने की प्रेरणा दी।वायुसेना में जाने की तैयारी कर रहे युवाओं को संदेश देते हुए विजय शंकर ने कहा कि अंग्रेजी और गणित विषयों पर मजबूत पकड़ बनाना बेहद जरूरी है। इसके लिए प्रतिदिन कम से कम चार घंटे नियमित रूप से पढ़ाई करनी चाहिए।

भाकियू ने मासिक बैठक कर एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

हर्रैया(बस्ती)। भारतीय किसान यूनियन टिकैत की मासिक बैठक गुरुवार को दुबौलिया ब्लाक अध्यक्ष

राधेश्याम अगुवाई में हर्रैया तहसील परिसर में संपन्न हुई। बैठक में तहसील के पदाधिकारियों व सदस्यों ने किसानों की समस्याओं पर अपने-अपने विचार रखे।

बैठक के बाद कार्यकर्ताओं ने हर्रैया उपजिलाधिकारी प्रदुम्न कुमार को संबोधित चार सूत्रीय ज्ञापन सौंपा।

दुबौलिया ब्लाक अध्यक्ष राधेश्याम ने कहा कि आपदा से किसानों की बर्बाद हुई फसलों की जांच कराकर किसानों को उचित मुआवजा व क्षतिपूर्ति दिलाया जाए। तहसील हर्रैया के अंतर्गत सभी किसानों के पशुओं में बीमारी चल रही है, सभी पशुओं का टीकाकरण कराया जाए। गन्ना मूल्य लागत के आधार पर किसानों को गन्ना मूल्य दिलाया जाए।किसानों के खतौनी पका 11 में वरासत दर्ज करने का कार्य हल्का लेखपाल द्वारा बिना पैसा लिए किया जाए। कार्यकताओं ने कहा कि किसान देश? अन्नदाता है। किसानों की सभी जायज मांगों को तहसील प्रशासन को जल्द से जल्द करना चाहिए।भाकियू पदाधिकारियों ने चेतावनी दी कि यदि किसानों की मांगों पर जल्द कार्यवाही नहीं हुई तो संगठन आंदोलन के लिए बाध्य होगा। इस दौरान भाकियू के तहसील महामंत्री सीताराम चौधरी, ब्लॉक उपाध्यक्ष विमल कुमार, राजेन्द्र यादव, रामचरित्र चौधरी सहित तमाम पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बहुजन मुक्ति पार्टी की मण्डल स्तरीय जनसभा 17 को

बस्ती। बहुजन मुक्ति पार्टी की मण्डल स्तरीय विशाल जनसभा को सफल बनाने के लिए आवास विकास स्थित पार्टी कार्यालय पर मंडल अध्यक्ष हृदय गौतम के संयोजन में तैयारी बैठक का आयोजन किया गया। पार्टी पदाधिकारियों ने जनसभा की तैयारियों की जानकारी देते हुए मंडल के लोगों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने का दावा किया।पत्रकारों से बातचीत में बहुजन मुक्ति पार्टी की महाराष्ट्र प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता कस्बे ने बताया कि आगामी 17 अक्टूबर को राजकीय इण्टर कॉलेज के मैदान में मंडल स्तरीय विशाल जनसभा का आयोजन किया जाएगा।

राष्ट्रीय महिला किसान दिवस का आयोजन, महिला किसानों को योजनाओं की दी गई जानकारी

बस्ती। अंतर्राष्ट्रीय महिला किसान वर्ष के अंतर्गत गुरुवार को बस्ती मंडल में राष्ट्रीय महिला किसान दिवस का आयोजन संयुक्त कृषि निदेशक राम बचन राम की अध्यक्षता में किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य कृषि एवं ग्रामीण विकास में महिला किसानों के योगदान को सम्मानित करना तथा उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाना रहा। कार्यक्रम में महिला किसानों को सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई। संयुक्त कृषि निदेशक राम बचन राम ने नमो ड्रोन दीदी योजना के बारे में बताते हुए कहा कि इस योजना के माध्यम से महिला स्वयं सहायता समूहों को सशक्त बनाया जा रहा है। इसके तहत ड्रोन के सफल संचालन एवं रखरखाव के लिए प्रशिक्षण भी प्रदान किया जा रहा है। वहीं, दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत महिला किसानों को टिकाऊ कृषि एवं पशुधन प्रबंधन का प्रशिक्षण दिया जाता

है। उन्होंने कहा कि महिलाओं की शिक्षा, सुरक्षा, स्वास्थ्य और आर्थिक आत्मनिर्भरता विकास की आधारशिला है। महिलाओं को अपने अधिकारों और शासन द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी होनी चाहिए, जिससे वे उनका पूरा लाभ उठा सकें। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि पात्र महिलाओं तक योजनाओं का लाभ समयबद्ध एवं पारदर्शी तरीके से पहुंचाया जाए। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश महामंत्री रोली सिंह ने महिलाओं को शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, सुरक्षा, कौशल प्रशिक्षण, स्वरोजगार और सहायता सेवाओं से संबंधित विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी।उप कृषि निदेशक अशोक कुमार ने कृषि विभाग की योजनाओं, मृदा परीक्षण, मिलेट्स की खेती, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना और किसान क्रेडिट कार्ड के बारे में बताया। उन्होंने किसानों से अपील की कि खरीफ में धान की कटाई के बाद फसल अवशेष न जलाएं तथा रबी में गेहूं की बुवाई सुपर सीडर जैसे आधुनिक कृषि यंत्रों से करें।

इस अवसर पर जिला कृषि अधिकारी डॉ. बीआर मौर्य, कृषि विज्ञान केंद्र बंजरिया के वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ. एसके तोमर, डॉ. विनोद बहादुर सिंह, डॉ. अंजली वर्मा सहित बड़ी संख्या में महिला किसान एवं अन्य कृषक उपस्थित रहे।

पृष्ठ एक का शेष

न्यायपालिका...

उन्होंने कहा कि मीडिया और सोशल मीडिया में सरकार की ओर से माफी मांगने की खबरें चल रही हैं, इसलिए स्थिति स्पष्ट करना जरूरी है। वहीं, जंतर-मंतर को प्रदर्शन स्थल की सूची से हटाने के दिल्ली पुलिस के फैसले पर सुप्रीम कोर्ट ने सरकार से जवाब मांगा। अदालत ने कहा कि पहले सरकार का पक्ष देखा जाएगा, संतुष्ट नहीं होने पर कानून के अनुसार कार्रवाई होगी। न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची ने कहा कि अदालत जांच करेगी कि जंतर-मंतर को प्रदर्शन स्थल से हटाने का फैसला उचित विचार-विमर्श के बाद लिया गया था या नहीं। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 163 की वैधता और पुलिस की निवारक कार्रवाई को लेकर भी नोटिस जारी किया गया है।

धर्म परिवर्तन...

पिछड़ा वर्ग मुस्लिम श्रेणी में आरक्षण का लाभ देने की अनुमति दी गई थी। राज्य सरकार ने इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। उसका तर्क था कि धर्म परिवर्तन के कारण सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े लोगों को आरक्षण से वंचित नहीं किया जाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि धर्म परिवर्तन के बाद हिंदू सामाजिक व्यवस्था से जुड़ा पिछड़ापन दूसरे धर्म की सामाजिक व्यवस्था में स्थानांतरित नहीं हो सकता।

पीड़ितों...

हटाने में लगी है। राहुल गांधी ने कहा कि न्याय की लड़ाई न दबेगी और न रुकेगी। कांग्रेस अंकिता भंडारी के परिवार के साथ खड़ी रहेगी, जब तक उसे न्याय नहीं मिल जाता। वहीं, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी इस मामले को लेकर मोदी सरकार पर हमला बोला। उन्होंने माता-पिता को हिरासत में लिए जाने और दुष्यंत गौतम को राज्यपाल बनाए जाने के मुद्दे पर सवाल उठाते हुए इसे सरकार की संवेदनहीनता बताया। खड़गे ने कहा कि न्याय की गुहार लगाने वाले माता-पिता को हिरासत में लेना और भाजपा के एक %वीआईपी% को राज्यपाल बनाना सत्ता के दमन को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि एक बेटी को खो चुके माता-पिता के साथ ऐसा व्यवहार शर्मनाक और निंदनीय है। खड़गे ने दोहराया कि कांग्रेस अंकिता भंडारी को न्याय दिलाने के लिए संघर्ष करती रहेगी।

यूपी : आजका...

कहा कि आज का युवा केवल जॉब सीकर नहीं रहा, बल्कि विभिन्न स्टार्टअप्स के माध्यम से वह जॉब गिवर भी बन रहा है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि जिन लोगों ने प्रयागराज और प्रदेश के सामने पहचान का संकट खड़ा किया था, डबल इंजन सरकार ने उन्हें पूरी तरह से नेस्तनाबूद कर दिया है। आज प्रयागराज की धरती पर माफिया मिट्टी में मिल चुके हैं। उन्होंने कहा कि जब यूपीएससी के परिणाम आते हैं, तो प्रयागराज की बेटियां टॉप करके इस पावन नगरी के गौरव को और अधिक बढ़ाती हैं। सरकार ने युवाओं के लिए न केवल सरकारी नौकरियों के द्वार खोले हैं, बल्कि स्टार्टअप्स और मुख्यमंत्री युवा योजना के जरिए उन्हें आत्मनिर्भर बनाने का भी काम किया है। संबोधन के दौरान मुख्यमंत्री ने इलाहाबाद-झांसी खंड स्नातक विधान परिषद चुनाव में भारतीय जनता पार्टी और एनडीए समर्थित प्रत्याशी अशोक राठौर को भारी मतों से विजयी बनाने की अपील की। उन्होंने मतदाताओं से आह्वान किया कि वे 23 अक्तूबर को होने वाले मतदान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लें और भाजपा प्रत्याशी के पक्ष में अपना मत दें। इस कार्यक्रम में उप-मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, प्रभारी मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी, राज्य मंत्री कृष्णा पासवान, सांसद प्रवीण पटेल, राज्यसभा सांसद राधामोहन दास ओझा, महापौर गणेश केसरवानी, जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. वी.के. सिंह और विधान परिषद सदस्य मानवेंद्र सिंह सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री ने स्वतंत्रता सेनानियों और महापुरुषों के योगदान को याद करते हुए कहा कि उनके सम्मान और स्मृति को बनाये रखना आवश्यक है। उन्होंने पंडित जवाहरलाल नेहरू के नाम पर संस्थानों के निर्माण का उल्लेख करते हुए कहा कि देश के इतिहास में अन्य महापुरुषों के योगदान को भी उचित स्थान मिलना चाहिए। उन्होंने प्रदेश में स्वास्थ्य सुविधाओं का जिक्र करते हुए कहा कि पात्र परिवारों को पांच लाख रुपये तक की कैशलेस चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। कार्यक्रम में राधाकांत ओझा के राज्यसभा सदस्य बनने के संदर्भ में अधिवक्ताओं के उत्साह का भी उल्लेख किया गया। कहा गया कि बड़ी संख्या में अधिवक्ता इस उपलब्धि से प्रसन्न हैं। कार्यक्रम में अधिवक्ता समुदाय की भागीदारी को प्रयागराज की न्यायिक और विधिक परंपरा से जोड़कर देखा गया।

कसारी-मसारी...

दिया जायेगा और वह अपनी बाप-दादा की संपत्ति भी गंवायेगा। उन्होंने कहा कि एक साल में यहां करीब 1200 परिवार यानी 6500 लोगों का निवास इस 10 बीघे के कैंपस में होगा। उनके लिए यहां अलग से टाउनशिप बनेगी। मार्केट भी बनेगा। स्पोर्ट्स पार्क और जिम की सुविधा भी मिलेगी। उनकी जो भी जरूरत होगी वह प्रयागराज विकास प्राधिकरण यहां पर मुहैया करायेगा। पहले की सरकारों ने यूपी में पहचान का संकट खड़ा हो गया था। पहले लोग यूपी का नाम सुनने के बाद 100 मीटर दूर भागते थे लेकिन अब स्थिति बदल गयी है। यूपी वालों का नाम सुनकर लोग पास आते हैं। महाकुंभ के चलते सड़कें चौड़ी हुई हैं। पहले कसारी मसारी और चकिया इलाके में कोई घुसने का प्रयास नहीं करता था। सामान्य व्यक्ति की तो बात दूर है पुलिस की गाड़ी तक नहीं आती थी लेकिन अब स्थिति बदल गयी है। कहा कि अब कोई भी माफियागिरी नहीं करेगा। करेगा तो बाप और दादा की संपत्ति भी गंवायेगा।

10 को...

संवेदनशील क्षेत्र है। यहां सार्वजनिक व्यवस्था और सुरक्षा बनाए रखना जरूरी है। पुलिस के अनुसार, 6 से 8 अक्टूबर तक प्रदर्शनों के कारण कई घंटों तक यातायात बाधित रहा। इससे छात्रों और आम नागरिकों को परेशानी हुई तथा कई लोगों की ट्रेनें और उड़ानें छूट गईं। पुलिस आयुक्त ने 10 अक्टूबर की घटनाओं का जिक्र करते हुए आरोप लगाया कि प्रदर्शनकारियों की भीड़ आक्रामक थी। कुछ लोग कथित तौर पर 'फ्रीलांस पत्रकारिता' की आड़ में पुलिसकर्मियों को परेशान कर रहे थे और महिला पुलिसकर्मियों के साथ भी दुर्व्यवहार किया गया। पुलिस ने इन घटनाओं में एक दर्जन से अधिक कर्मियों के घायल होने का दावा किया है। हलफनामे के मुताबिक, निषेधाज्ञा के बावजूद लोगों ने एकत्र होने की कोशिश की, जिसके बाद पुलिस ने उन्हें प्रदर्शन स्थल से हटाया। हिरासत में लिए गए लोगों पर उन्हें ले जाने वाली बसों के टायर पंचर करने और शीशे तोड़ने का भी आरोप लगाया गया है। पुलिस आयुक्त ने यह भी कहा कि सीजेपी ने प्रदर्शन के लिए औपचारिक अनुमति नहीं मांगी थी, बल्कि पुलिस को केवल इसकी सूचना दी थी। खुफिया सूचनाओं के आधार पर एहतियाती कदम उठाए गए, क्योंकि अनुमति नहीं मिलने के बावजूद बड़ी संख्या में लोगों के जुटने और कानून-व्यवस्था बिगड़ने की आशंका थी।

प्रदेशमें...

1 से 30 नवम्बर तक पेंशनभोगियों के लिए विशेष शिविर आयोजित होने हैं। जल संचय जन भागीदारी कैच द रेन-2026 अभियान की समीक्षा में उन्होंने कहा कि सभी डीएम व सीडीओ अभियान की नियमित समीक्षा करें तथा निर्धारित लक्ष्यों की शत-प्रतिशत प्राप्ति सुनिश्चित करें। उत्कृष्ट कार्य करने वाले जिलों को प्रोत्साहन राशि भी दी जायेगी। आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन की समीक्षा में उन्होंने निर्देश दिया कि जिला स्वास्थ्य समिति की बैठकों में मिशन की प्रगति की नियमित समीक्षा करें। उन्होंने पात्र नागरिकों की आयुष्मान भारत स्वास्थ्य खाता आईडी बनाने के लिए अभियान चलाने के निर्देश दिये। बैठक में अपर मुख्य सचिव नमामि गंगे अनुराग श्रीवास्तव, सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य ऋतु माहेश्वरी आदि उपस्थित थे।

यमन के राष्ट्रपति भवन पर हूती विद्रोहियों का हमला, चार की मौत

साना (एजेंसी)। यमन के अदन शहर में हूती विद्रोहियों ने राष्ट्रपति भवन पर 5 बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। हमले के समय प्रधानमंत्री शाया मोहसेन अल-जिंदानी और सरकार के कई मंत्री परिसर में मौजूद थे, सभी सुरक्षित हैं। सूचना मंत्रालय के मुताबिक, हमले में 4 लोगों की मौत हुई है, जिनमें 2 सुरक्षाकर्मी शामिल हैं।हूती विद्रोहियों ने कहा कि उन्होंने अदन में सऊदी अरब के सैन्य अभियान मुख्यालय पर हमला किया। हूती मीडिया ने हथियारों के भंडार को निशाना बनाने का दावा भी किया। हालांकि, इन दावों की पुष्टि नहीं हुई है।अदन यमन की अंतरराष्ट्रीय मान्यता प्राप्त सरकार की अंतरिम राजधानी है। देश में सरकार और ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों के बीच लंबे समय से संघर्ष जारी है।यमन में हूती विद्रोहियों और सरकार के बीच लंबे समय से संघर्ष चल रहा है।सऊदी अरब यमन की अंतरराष्ट्रीय मान्यता प्राप्त सरकार का समर्थन करता है और हूतियों के खिलाफ लड़ रहे सरकारी सेनाओं को हवाई मदद देता है। वहीं, ईरान पर हूती विद्रोहियों को समर्थन देने के आरोप लगते रहे हैं। राष्ट्रपति भवन परिसर पर हमले से यमन में संघर्ष और बढ़ने की आशंका है। हूतियों ने कहा है कि उनका निशाना सऊदी सैन्य अभियान से जुड़े ठिकाने थे। यमन के हूती विद्रोही चीन से मंगाए गए पुर्जों की मदद से नई बैलिस्टिक मिसाइल बनाने की कोशिश कर रहे हैं। ब्रिटेन की संस्था कॉन्फ्लिक्ट आर्मामेंट रिसर्च (ङ्ख्रक्र) की बुधवार को जारी रिपोर्ट में यह बात कही गई है।रिपोर्ट के मुताबिक, विद्रोही ईरान में डिजाइन हुई खैबर शिकन मिसाइल जैसी मिसाइल तैयार करना चाहते हैं, जिसकी मारक क्षमता करीब 1500 किलोमीटर है।अगर हूती ऐसा हथियार बनाने में सफल होते हैं, तो वे सऊदी अरब के अलावा इजराइल को भी ज्यादा सटीक तरीके से निशाना बना सकते हैं। यमन में हूतियों ने 2014 में राजधानी सना पर कब्जा कर लिया था। इसके बाद 2015 में सऊदी अरब ने कई देशों के साथ मिलकर उनके खिलाफ सैन्य अभियान शुरू किया।सऊदी अरब चाहता था कि यमन की अंतरराष्ट्रीय मान्यता प्राप्त सरकार दोबारा सत्ता में आए और हूतियों का कब्जा खत्म हो।

पृष्ठ तीन का शेष

सुप्रा मकोर्ट...

लिए सेवानिवृत्त महिला न्यायाधीश और सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी की सदस्यता वाली अलग समिति गठित करने की मांग की। गौरतलब है कि 3 अक्टूबर को जंतर-मंतर पर प्रदर्शन की कवरेज के दौरान एसीपी पर महिला पत्रकार के यौन उत्पीड़न का आरोप लगा था। इसके बाद अधिकारी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग को लेकर थाने के बाहर प्रदर्शन हुआ था।

सीजेपीके विरोध..

साथ इकट्ठा होने का आह्वान किया। उन्होंने आरोप लगाया कि सीजेपी सदस्य सौरभ दास और आशुतोष रांका को तिरंगा फहराने के लिए जेल में डाला गया है। दास और रांका को पांच दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया। उन पर शांति बॉन्ड का उल्लंघन और जंतर मंतर में अतिक्रमण का आरोप है, जो अधिसूचित विरोध क्षेत्र नहीं है।

गुजरात :...

यह घटना कोविका डाइज एंड इंटरमीडिएट्स नाम की कंपनी में हुई। कंपनी में रंग बनाने का काम होता है। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, बॉयलर का नोजल फटने से विस्फोट हुआ, जिसके बाद फैक्ट्री में आग लग गयी। हालांकि, हादसे के कारणों की विस्तृत जानकारी अभी सामने नहीं आयी है।

वाराणसी : अवैध...

है। स्थानीय लोगों ने बताया कि राजू कुछ दिन पहले ही जेल से छूटकर आया था। लगभग ४० साल पहले जलालीपुर इलाके में भी ऐसा ही एक धमाका हुआ था, जिसमें राजू जेल गया था और उसके पिता मतिउल्लाह खान की मौत हो गयी थी। घटना की सूचना मिलते ही सारनाथ पुलिस, फायर ब्रिगेड, एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीमें तुरंत मौके पर पहुंच गयी। डीसीपी वरुणा जोन राजेश पाण्डेय ने बताया कि शाम पांच बजे मकान गिरने की सूचना मिली थी। मौके पर हाथ से बनाये गये पटाखे और बिखरे हुए अवशेष मिले हैं, जिससे यह स्पष्ट होता है कि अवैध रूप से पटाखा बनाने के दौरान यह हादसा हुआ। मलबे में दबे संभावित लोगों को बाहर निकालने के लिए युद्ध स्तर पर रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा है। पटाखा मौजूद होने के कारण बचाव कार्य में पूरी सतर्कता बरती जा रही है ताकि किसी अन्य अनहोनी से बचा जा सके।

तिरंगा मार्च...

स्थानों पर तैनात किया जाएगा। बैरिकेड लगाए जाएंगे और प्रदर्शनकारियों के साथ-साथ आम लोगों की आवाजाही को भी नियंत्रित किया जाएगा। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि कनॉट प्लेस निर्धारित प्रदर्शन स्थल नहीं है। अधिकारी ने कहा, जंतर-मंतर को निर्धारित प्रदर्शन स्थल की सूची से हटा दिया गया है। प्रदर्शनकारी आवश्यक अनुमति लेने के बाद रामलीला मैदान, बुराड़ी मैदान या सीबीडी मैदान में प्रदर्शन कर सकते हैं। यह प्रदर्शन सीजेपी नेताओं सौरव दास और आशुतोष रांका की गिरफ्तारी के बाद घोषित किया गया था। दोनों जंतर-मंतर पहुंचे थे, जिसके बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। एक विशेष कार्यकारी मजिस्ट्रेट ने उन्हें पांच दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया था।

सऊदी...

जा सकता है, जबकि हज यात्रा साल में एक निश्चित समय पर होती है। उमरा के लिए श्रद्धालु सऊदी अरब के मक्का जाते हैं, जो इस्लाम का सबसे पवित्र शहर है। वाणिज्य दूतावास ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में बताया कि मदद की जरूरत होने पर भारतीय नागरिक मक्का स्थित नियंत्रण कक्ष से फोन के जरिए संपर्क कर सकते हैं। यात्रियों को उड़ानें रद्द होने, उनके समय में बदलाव, यात्रा के वैकल्पिक इंतजाम और जरूरत पड़ने पर ठहरने की व्यवस्था के लिए ट्रैवल एजेंट, टूर ऑपरेटर और उमरा सेवाएं देने वाली एजेंसियों के संपर्क में रहने की भी सलाह दी गई है। वाणिज्य दूतावास ने बताया कि वह प्रभावित भारतीय नागरिकों की मदद के लिए विमानन कंपनियों और स्थानीय अधिकारियों के नियमित संपर्क में है। उड़ानों के संचालन से जुड़ी नयी जानकारी दूतावास के आधिकारिक सोशल मीडिया माध्यमों पर साझा की जाएगी। वाणिज्य दूतावास ने प्रभावित यात्रियों की मदद के लिए जेद्दा में भी चौबीसों घंटे काम करने वाला नियंत्रण कक्ष स्थापित किया है। रियाद स्थित भारतीय दूतावास ने सऊदी अरब में रह रहे भारतीय नागरिकों को स्थानीय अधिकारियों के निर्देशों का पालन करने, हवाई हमला होने की स्थिति में घरों के अंदर रहने और मौजूदा घटनाक्रम से जुड़े वीडियो या खबरें प्रसारित करने से बचने की बुधवार को सलाह दी। दूतावास ने बुधवार को बताया कि रियाद के किंग खालिद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उड़ानों का संचालन बंद है, जबकि दम्माम, जेद्दा और मदीना से उड़ानें कुछ बाधाओं के साथ जारी हैं। दूतावास के अनुसार, भारतीय विमानन कंपनियों एअर इंडिया, एअर इंडिया एक्सप्रेस, अकासा एअर और इंडिगो ने 17 अक्टूबर तक सऊदी अरब से आने-जाने वाली अपनी उड़ानें स्थगित कर दी हैं। वहीं, सऊदी अरब की विमानन कंपनियां सऊदिया और फ्लाइनास अपनी कुछ निर्धारित उड़ानों का संचालन कर रही हैं।

एसआईआर...

करना है। इसमें खास तौर पर युवाओं और पहली बार मतदान करने वाले लोगों पर ध्यान दिया जाएगा। इसके अलावा, मौजूदा मतदाता सूची में दर्ज गलतियों को सुधारने और सूची को सटीक व अद्यतन बनाने का प्रयास किया जाएगा। उत्तर प्रदेश की 403 सदस्यीय विधानसभा का कार्यकाल अगले साल 22 मई को समाप्त हो रहा है। वहीं, मणिपुर, गोवा, पंजाब और उत्तराखंड की विधानसभाओं का कार्यकाल मार्च 2027 में अलग-अलग तारीखों पर पूरा होगा। इन राज्यों में विधानसभा सीटों की संख्या क्रमशः 60, 40, 117 और 70 है। जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 के तहत चुनाव आयोग को विधानसभा का कार्यकाल समाप्त होने से छह महीने पहले भी चुनाव कराने की अनुमति है। ऐसे में चुनाव वाले राज्यों में मतदाता सूची को समय पर दुरुस्त करना महत्वपूर्ण है। गौरतलब है कि एसआईआर को लेकर विपक्षी दलों के इंडिया गठबंधन ने दिल्ली में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे को लेकर लगातार विरोध-प्रदर्शन किया है।

तमकुहीराज में अतिक्रमण हटाने को लेकर सफाईकर्मियों और व्यापारियों में टकराव

ईओ ने पुलिस को दी तहरीर, काररवाई की मांग पर थाना परिसर में धरने पर बैठे सफाईकर्मी

तमकुहीराज (कुशीनगर)। नगर पंचायत तमकुहीराज में अतिक्रमण हटाने के दौरान सफाई कर्मचारियों और व्यापारी समाज के बीच विवाद गहराता नजर आ रहा है। दोनों पक्षों की ओर से एक-दूसरे पर गंभीर आरोप लगाए जाने के बाद मामला पुलिस तक पहुंच गया है। वहीं, निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर सफाई कर्मचारी संघ ने थाना परिसर में धरना दिया। मिली जानकारी के अनुसार, अतिक्रमण हटाने के दौरान नगर पंचायत के कर्मचारियों के साथ मारपीट, गाली-गलौज और जातिसूचक शब्दों का प्रयोग किए जाने का आरोप लगाया गया है। इस संबंध में नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारी (ईओ) उत्तम वर्मा ने पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। आरोपित घटना को लेकर सफाई कर्मचारियों में नाराजगी है। कर्मचारियों का कहना है कि मामले में उचित कार्रवाई होनी चाहिए।

दूसरी ओर, व्यापारी समाज ने भी सफाई कर्मचारियों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। व्यापार मंडल के अध्यक्ष धर्मेंद्र मद्धेशिया व्यापारियों के साथ तमकुहीराज थाने पहुंचकर अपना पक्ष रख रहे हैं। इस तरह दोनों पक्षों के आमने–सामने आने से विवाद ने तूल पकड लिया है।

निष्पक्ष जांच से सामने आएगी सच्चाई–मामले में अब सबसे अहम सवाल यह है कि विवाद की वास्तविक वजह क्या है और दोनों पक्षों की ओर से लगाए गए आरोपों में कितनी सच्चाई है। पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराना जरूरी है। वीडियो साक्ष्य, प्रत्यक्षदर्शियों के बयान और उपलब्ध तथ्यों के आधार पर पुलिस को मामले की सच्चाई सामने लानी चाहिए, ताकि दोषी पाए जाने वाले व्यक्ति के खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई हो सके।

नगर पंचायत में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के दौरान उत्पन्न इस विवाद का निष्पक्ष समाधान क्षेत्र में शांति और सौहार्द बनाए रखने के लिए भी जरूरी है। अब सभी की निगाहें पुलिस की जांच और आगे की कार्रवाई पर टिकी हैं। इस सम्बन्ध मे थानाध्यक्ष ने बताया कि दोनो पक्ष से तहरीर मिला है जांच किया जा रहा है।

कार्यालय अधीक्षण अभियंता गोरखपुर वृत्त, लो.नि.वि., गोरखपुर

पत्रांक-7943/33 काम--गोरखपुर वृत्त/2026 दिनांक 08-10-2026

ई-निविदा सूचना (द्वितीय आमंत्रण)

महामहिम राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से उ0प्र0 लोक निर्माण विभाग के "ए बी व सी" श्रेणी के पात्र भवन कार्य हेतु पंजीकृत निविदादाताओ से ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निर्माण खण्ड, लो0नि0वि0, महराजगंज के अन्तर्गत नीचे दर्शाये गये कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है :-

क्र0 सं0	जनपद का नाम	कार्य का नाम	कार्य की लागत (रू0 लाख में)	धरोहर धनराशि (रू0 लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य समस्त कर सहित (रूपये में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि (वर्षा ऋतु सहित)	श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7	8
1	महराजगंज	निरीक्षण भवन फरेन्दा में बाउण्ड्रीवाल एवं गेट का निर्माण कार्य।	41.00	4.05	(स्टेशनरी चार्जेज + निविदा मूल्य+ जी.एस.टी.) रू0 2714.00	6 माह	A,B,C
2	महराजगंज	हडहवा गैंगहट के बाउण्ड्रीवाल एवं गेट का निर्माण कार्य।	57.00	4.85	(स्टेशनरी चार्जेज + निविदा मूल्य+ जी.एस.टी.) रू0 2714.00	6 माह	A,B,C

1. प्रत्येक निविदा की धरोहर धनराशि (ई0एम0डी0) ई-टेण्डर पोर्टल के माध्यम से जमा कराना अनिवार्य होगा।
2. प्रत्येक निविदा का निविदा प्रपत्र शुल्क (नॉन रिफन्डेबल), ई-टेण्डर पोर्टल के माध्यम से जमा कराना अनिवार्य होगा।

बिड डाक्यूमेंट वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर दि0 17.10.2026 से 27.10.2026 तक उपलब्ध है, जो कि दिनांक 27.10.2026 को दोपहर 12:00 बजे तक अपलोड किये जा सकते है। इसकी तकनीकी बिड दि0 27.10.2026 को अपरान्ह 12.30 बजे खोली जायेगी। निविदा अपलोड करने की अन्तिम तिथि 27.10.2026 को 12:00 बजे तक शुद्धि पत्र यदि कोई हो तो उसे वेबसाईट पर अपलोड कर दिया जायेगा।

निविदा से सम्बन्धित अधिक जानकारी वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है।

(एडीसन)
अधिशासी अभियंता
निर्माण खण्ड, लो.नि.वि.
महराजगंज

(अशोक कुमार वर्मा)
अधीक्षण अभियंता
गोरखपुर वृत्त, लो.नि.वि.
गोरखपुर

उ.प्र. 258242/दिनांक 14-10-2026 इमेल-upinformation@nic.in

कार्यालयः-नगर पंचायत सेवरही-कुशीनगर

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता हैं कि नगर पंचायत सेवरही, जनपद कुशीनगर कार्यालय के गृहकर पंजिका वित्तीय वर्ष 2015-16 से 2020-21 के अन्तर्गत गृहकर पंजिका में अपना नाम दर्ज कराने हेतु निम्न व्यक्ति द्वारा प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया गया हैं। यदि किसी भी मकान से सम्बन्धित नामान्तरण हेतु प्रस्तुत प्रार्थना पत्र पर किसी प्रकार की आपत्ति हो तो निम्नलिखित दिनांक के अन्दर अपने आपत्ति के समर्थन में साक्ष्य/सबूत के साथ नगर पंचायत सेवरही, जनपद कुशीनगर कार्यालय पर उपस्थित होकर प्रस्तुत करें, अन्यथा नामान्तरण की कार्यवाही सम्पन्न कर दी जायेगी।

क्र.सं.	स्वामी का नाम	आवेदक का नाम	नामान्तरण का प्रकार	वार्ड का नाम	मकान सं.	आपत्ति का दिनांक
01.	03	04	05	02	06	07
01.	राजेन्द्र प्रसाद पुत्र श्यामसुन्दर	श्री रामजी गुप्ता पुत्र राजेन्द्र प्रसाद	वरासत	04 किदवई नगर	26	20-11-2026

अधिशासी अधिकारी
नगर पंचायत सेवरही-कुशीनगर

संख्या-मेमो/नामा./न.पं.से./2026-27/दिनांक 15-10-2026

कार्यालय-नगर पंचायत पीपीगंज-गोरखपुर

अल्पकालिक ई-निविदा सूचना (ई-प्रोक्यूरमेंट सूचना)

एतद्द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर पंचायत पीपीगंज जनपद-गोरखपुर द्वारा **राज्य वित्त आयोग के अन्तर्गत** प्राप्त धनराशि से निर्माण कार्य हेतु आनलाईन निविदाएं उत्तर प्रदेश शासन की वेबसाईट http:etender.up.nic.in पर निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित समस्त जानकारी http:etender.up.nic.in पर उपलब्ध है। अधिक जानकारी हेतु किसी भी कार्यालय दिवस में नगर पंचायत पीपीगंज कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है। ई-निविदा हेतु निर्धारित तिथि एवं समय का विवरण निम्नवत है ।

निविदा अपलोड/डाउनलोड/खोलने की तिथि एवं समय

क्रमांक	विवरण	दिनांक एवं समय
1.	ई-निविदा प्रकाशित किये जाने की तिथि एवं समय	16-10-2026 समय सायं 5.00 बजे
2.	ई-निविदा डाउनलोड करने की तिथि एवं समय	16-10-2026 समय सायं 5.00 बजे
3.	ई-निविदा अपलोड करने की तिथि एवं समय	16-10-2026 समय सायं 5.00 बजे
4.	ई-निविदा अपलोड करने की अन्तिम तिथि एवं समय	05-11-2026 समय अपराह्न 03.00 बजे
5.	ई-निविदा खोलने की तिथि एवं समय	05-11-2026 समय अपराह्न 03.00 बजे

अधिशासी अधिकारी
नगर पंचायत पीपीगंज
गोरखपुर

अध्यक्ष
नगर पंचायत पीपीगंज
गोरखपुर

पत्रांक-1090/न.पं.पीपीगंज-2026-27/दिनांक 15-10-2026

कार्यालय अधिशासी अभियंता, ग्रामीण अभियंत्रण विभाग, प्रखण्ड-देवरिया

पता-विकास भवन, देवरिया

निविदा की प्रेस सूचना

पत्रांक-1262/अ.अ./ग्रा.अ.वि./निविदा/2026-27 दिनांक 06-10-2026

महामहिम राज्यपाल महोदय, उत्तर प्रदेश के ओर से अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, प्रखण्ड देवरिया के द्वारा ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, उ0प्र0 में ए, बी, सी, डी एवं ई श्रेणी में कार्य की लागत के सीमा के अनुरूप पंजीकृत निविदादाताओं से मैन्यूवल विधि के माध्यम से प्रतिशत दर के आधार पर नीचे दर्शाये गये कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। **बिड डाक्यूमेन्ट के साथ संलग्न बिल आफ क्वान्टिटी के अंकित दरो में जी0एस0टी0 के अतिरिक्त अन्य सभी कर सम्मिलित है. जी0एस0टी0 का भुगतान सरकार के निर्देशानुसार नियमानुसार अलग से किया जायेगा।** निविदादाता किसी एक कार्य अथवा सभी कार्यो के लिये निविदा दे सकता है।।

1. कार्यो से सम्बन्धित विवरण निम्नवत है:-

क्र0 सं0	जिला	कार्य का नाम	योजना /वर्ष	अनुमानित लागत रूपया लाख में	बिड सिक्योरिटी (ई0एम0डी0) लाख में	निविदा प्रपत्र का मूल्य या निविदा फीस जी0एस0टी0 सहित (यदि आवश्यक हो) (रू0 में) कैश अथवा डी0डी0 के रूप में	कार्य पूर्ण करने की अवधि वर्षा ऋतु सहित	जिलाधिकारी का कार्यालय
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	देवरिया	विकास खण्ड भलुअनी के ग्रामसभा जैतपुर में शिव मन्दिर के तरफ जाने वाली मार्ग का मि0/ख0 कार्य।	विधायक निधि वर्ष 2025-26	4.470	0.22	677.00	03 माह	देवरिया
2	देवरिया	विकास खण्ड पथरदेवा में ग्राम पंचायत बघड़ा महुआरी में मेन रोड से बसंत राय के नाद तक सी0सी0 रोड निर्माण कार्य।	विधायक निधि वर्ष 2025-26	4.910	0.25	677.00	03 माह	देवरिया
3	देवरिया	विकास खण्ड रामपुर कारखाना के ग्रामसभा रामपुर अवस्थी में मुख्य मार्ग से रामजी गुप्ता के घर के आगे तक सी0सी0 रोड निर्माण कार्य।	विधायक निधि वर्ष 2025-26	6.110	0.31	766.00	03 माह	देवरिया
4	देवरिया	विकास खण्ड रामपुर कारखाना के धनौती कला में शत्रुघ्न सिंह के गेट से गुलाब सिंह के दरवाजे तक सी0सी0 रोड निर्माण कार्य।	विधायक निधि वर्ष 2025-26	6.940	0.35	766.00	03 माह	देवरिया
5	देवरिया	विकास खण्ड भटनी के ग्रामसभा साहोपार के टोला बरडीहा में रामप्रवेश चौरसिया के घर से जयप्रकाश के घर के तरफ सी0सी0 रोड निर्माण कार्य।	विधायक निधि वर्ष 2025-26	9.390	0.47	766.00	03 माह	देवरिया
6	देवरिया	विकास खण्ड भटनी के ग्राम पिपरा देवराज में भीम के घर से सत्यदेव तिवारी के घर होते हुए रामनवमी विश्वकर्मा के घर के तरफ सी0सी0 रोड निर्माण कार्य।	विधायक निधि वर्ष 2025-26	8.540	0.43	766.00	03 माह	देवरिया
7	देवरिया	विकास खण्ड रामपुर कारखाना के ग्रामसभा मेहरौना में विरेन्द्र यादव के मकान से हीरा गुप्ता (शिवम गुप्ता) के मकान तक सी0सी0 रोड निर्माण कार्य।	विधायक निधि वर्ष 2025-26	9.960	0.50	766.00	03 माह	देवरिया
8	देवरिया	विकास खण्ड रामपुर कारखाना के ग्रामसभा मानिकपुर उर्फ नागवार में श्रीकिशुन के घर से तेजु गुप्ता के घर तक सी0सी0 रोड निर्माण कार्य।	विधायक निधि वर्ष 2025-26	4.070	0.20	677.00	03 माह	देवरिया
9	देवरिया	विकास खण्ड पथरदेवा के ग्राम सभा धुसवा में रामजानकी मन्दिर रोड से प्रमोद यादव के घर से बृजेश मद्धेशिया कोटेदार के दुकान तक सी0सी0 रोड निर्माण कार्य।	विधायक निधि वर्ष 2025-26	3.890	0.19	677.00	03 माह	देवरिया
10	देवरिया	विकास खण्ड रामपुर कारखाना के ग्राम सभा बरारी (धनौती खुर्द) में ज्ञान गंगा पब्लिक स्कूल के प्रांगण में इण्टरलाकिंग निर्माण कार्य।	विधायक निधि वर्ष 2025-26	1.380	0.07	589.00	03 माह	देवरिया
11	देवरिया	विकास खण्ड भटनी के ग्राम सभा अमवा पाण्डेय के बजरिया शुक्ल मेन रोड सिसई झाला मार्ग पर छेदी यादव के घर के सामने से बजरिया चौहान टोला तक मि0/ख0 कार्य।	विधायक निधि वर्ष 2025-26	2.180	0.11	589.00	03 माह	देवरिया
12	देवरिया	विकास खण्ड पथरदेवा के ग्रामसभा विशुनपुरा बाजार में मुख्य मार्ग से लक्ष्मी पैलेस को जाने वाली मार्ग का सी0सी0 रोड निर्माण कार्य।	विधायक निधि वर्ष 2025-26	8.500	0.43	766.00	03 माह	देवरिया
13	देवरिया	बनकटा के ग्राम पंचायत बैकुण्ठपुर में मैनेजर प्रसाद के घर से राजा प्रसाद के घोठा के तरफ खडण्जा कार्य।	सांसद निधि वर्ष 2026-27	5.000	0.25	677.00	03 माह	देवरिया
14	देवरिया	विकास खण्ड बनकटा के ग्राम पंचायत पिपरा बघेल में मेन रोड से योगेन्द्र सिंह के मुख्य मार्ग तक सी0सी0 रोड का निर्माण कार्य।	सांसद निधि वर्ष 2026-27	8.000	0.40	766.00	03 माह	देवरिया
15	देवरिया	विकास खण्ड बनकटा के ग्राम पंचायत मैसही में कामेश्वर कुशवाहा के घर से मकसूदन शर्मा के घर तक सी0सी0 रोड का निर्माण कार्य।	सांसद निधि वर्ष 2026-27	8.000	0.40	766.00	03 माह	देवरिया
16	देवरिया	विकास खण्ड भाटपार रानी के ग्राम पंचायत निशनिया पैकौली के बघी बाबू में मैनेजर यादव के घर से ध्यान गोंड के घर के आगे खलीका यादव के खेत तक खडण्जा कार्य।	सांसद निधि वर्ष 2026-27	6.460	0.32	766.00	03 माह	देवरिया

2. निविदा सूचना में अंकित कार्यालयों में बिड डाक्यूमेन्ट की उपलब्धता की तिथि-07.11.2026
3. निविदा बिक्री प्रारम्भ की तिथि, समय व स्थान-07.11.2026 को कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, प्रखण्ड- देवरिया, अधीक्षण अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, परिमण्डल- गोरखपुर एवं जिलाधिकारी जनपद- देवरिया पूर्वान्ह 10:00 बजे से।
4. निविदा बिक्री के लिये अंतिम तिथि, समय व स्थान-12.11.2026 को कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, प्रखण्ड- देवरिया, अधीक्षण अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, परिमण्डल- गोरखपुर एवं जिलाधिकारी जनपद- देवरिया अपरान्ह 04:00 बजे तक।
5. निविदा डालने की अंतिम तिथि, समय व स्थान-13.11.2026 को दोपहर 12:00 बजे तक क्रम सं0 3 पर अंकित स्थानों पर।
6. निविदा खोलने की तिथि एवं समय व स्थान-13.11.2026 को अपरान्ह 02:30 बजे, कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, प्रखण्ड- देवरिया अथवा सक्षम अधिकारी के निर्देशानुसार।
7. टेण्डर प्रक्रिया से पूर्व का कोई भी शपथ पत्र मान्य नहीं होगा।
8. निविदा आमन्त्रणकर्ता को आईटीबी के क्लॉज-9 क अनुसार परिशिष्ट/शुद्धि पत्र जारी करने का अधिकार है जो किसी भी समाचार पत्र में प्रकाशित नहीं किया जायेगा। अधिक जानकारी के लिये कृपया नियोक्ता कार्यालय अर्थात अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, प्रखण्ड- देवरिया में सम्पर्क करें।

सभी सम्भावित निविदादाता को सलाह है कि बिड सबमिट करने से पूर्व बिड डाक्यूमेन्ट को भली भाँति पढ़ लें।

अधिशासी अभियंता
ग्रामीण अभियंत्रण विभाग
प्रखण्ड-देवरिया
श्री राज्यपाल, उत्तर प्रदेश की ओर से

उ.प्र.-258285/दिनांक 14-10-2026 इमेल-upinformataion@nic.in

जमीनी विवाद में चचेरे भाई की गोली मारकर हत्या

गोरखपुर, १५ अक्टूबर। हरपुर बुदहट थाना क्षेत्र के करनपुरा गांव में गुरुवार सुबह खेत की जुताई को लेकर हुए विवाद में मेथौली निवासी शिवम उर्फ आदर्श पांडेय (२७) की उनके चचेरे भाई राधेश्याम पांडेय पुत्र स्व० राम पलट पाण्डेय ने गोली मारकर हत्या कर दी। दिनदहाड़े हुई इस वारदात से गांव में सनसनी फैल गई, वहीं मामले की जानकारी होने पर सीओ गीडा आभा सिंह के साथ घटना स्थल पर पहुंचे एसपी नार्थ राजेश धुनावत ने पीड़ित पक्ष से घटना की जानकारी देने के बाद आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की तीन टीम गठित किया है। हमारे हरपुर बुदहट व सहजनवां प्रतिनिधि से मिली जानकारी के अनुसार मृतक शिवम उर्फ आदर्श पांडेय के परिवार का करनपुरा गांव में नेवासा है। और शिवम का पूरा परिवार करनपुरा में ही रहकर खेती-बारी करता है। बताया जा रहा है कि एक जमीन को लेकर शिवम और उसके चचेरे भाई राधेश्याम पाण्डेय के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा है। गुरुवार सुबह लगभग १०:३० बजे शिवम उर्फ आदर्श पांडेय खेत की जुताई कराने के लिए पहुंचा था। इसी दौरान उनके चचेरे भाई राधेश्याम पांडेय ने खेत जोतने से मना कर दिया। इस बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच विवाद हो गया। विवाद के दौरान ट्रैक्टर वहां से चला गया। आरोप है कि इसके बाद राधेश्याम के एक अन्य भाई लवकुश पांडेय मौके पर पहुंचा औ शिवम उर्फ आदर्श पांडेय को गोली मारने के लिए ललकारा। इसके बाद राधेश्याम ने कथित तौर पर अपने लाइसेंसी बंदूक से शिवम पर गोली चला दी। गोली पेट में लगने से वह गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर मौके पर पहुंचे थानाध्यक्ष प्रशांत कुमार पाठक ने घायल को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी), सहजनवां ले गई, जहां चिकित्सकों ने परीक्षण के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना के संबंध में एसपी नॉर्थ राजेश धुनावत ने बताया कि जमीनी विवाद में गोली मारी गई है। परिजन से मिली तहरीर के आधार पर आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। फरार हत्यारोपियों की तलाश के लिए तीन टीमें बनाई गई है, जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जायेगा।

❖ एसपी नार्थ ने मौके पर पहुंचकर ली जानकारी, हत्यारोपी की गिरफ्तारी को बनाई टीम

एमजीयूजी के एनसीसी कैडेट्स ने लिया स्कूबा ड्राइविंग का प्रशिक्षण

गोरखपुर, १५ अक्टूबर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) के एनसीसी कैडेट्स ने 46 यूपी बटालियन एनसीसी की तरफ से आयोजित स्कूबा डाइविंग प्रशिक्षण शिविर में प्रतिभाग कर साहस, आत्मविश्वास और साहसिक गतिविधियों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का परिचय दिया। कैडेट्स ने इस प्रशिक्षण शिविर में पानी के भीतर रोमांचकारी गतिविधि का अनुभव प्राप्त किया। एमजीयूजी के कुलपति लेफ्टिनेंट जनरल डॉ. भूपेश कुमार गोयल ने स्कूबा डाइविंग प्रशिक्षण पर कैडेट्स को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि स्कूबा डाइविंग केवल समुद्र की गहराइयों में उतरकर प्रकृति की अद्भुत दुनिया को देखने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह आत्मविश्वास, धैर्य, अनुशासन और विपरीत परिस्थितियों में स्वयं को संतुलित रखने की क्षमता विकसित करने का एक अनूठा अनुभव भी है। कमांडिंग ऑफिसर कर्नल जयशंकर चौधरी ने कहा कि एनसीसी कैडेट्स के लिए स्कूबा डाइविंग प्रशिक्षण एक अभिनव एवं साहसिक पहल है, जो उन्हें परंपरागत सैन्य प्रशिक्षण से आगे बढ़कर नए अनुभव प्राप्त करने और अपनी क्षमताओं को पहचानने का अवसर प्रदान करती है। 46 बटालियन के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल अनूप सिंह व एमजीयूजी के एनसीसी अधिकारी लेफ्टिनेंट डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने भी कैडेट्स को प्रोत्साहित किया।

मतदान के लिए अवकाश अनुमन्य

गोरखपुर, १५ अक्टूबर। रिटर्निंग आफिसर, गोरखपुर-फैजाबाद खण्ड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र ने बताया है कि मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उत्तर प्रदेश लखनऊ तथा सामान्य प्रशासन, विभाग उत्तर प्रदेश शासन के द्वारा उत्तर प्रदेश विधान परिषद के गोरखपुर-फैजाबाद खण्ड शिक्षक द्विवार्षिक निर्वाचन-2026 हेतु, जो शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों से होने वाले राज्य विधान परिषद के निर्वाचनों हेतु बोनाफाइड मतदाता हैं, को मताधिकार के प्रयोजन हेतु, मतदान दिवस दिनांक 23.10.2026 को विशेष आकस्मिक अवकाश अनुमन्य किया गया है।

सतर्कता : एसपी सिटी और एएसपी ने नगरक्षेत्र का किया भ्रमण

अपराध संवाददाता

गोरखपुर, १५ अक्टूबर। शारदीय नवरात्रि का दिन जैसे जैसे अपने अंतिम पड़ाव की तरफ बढ़ रहा है पुलिस और प्रशासन का शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सतर्कता भी बढ़ती जा रही है। इसी क्रम में गुरुवार देरशाम एसपी सिटी निमिष पाटील ने कैंट और कोतवाली सर्किल के प्रमुख बाजारों व भीड़भाड़ वाले इलाकों में घुड़सवार पुलिस के साथ गश्त कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान एसपी सिटी के साथ सीओ कैंट एएसपी अरुण कुमार एस और सीओ कोतवाली ओमकार दत्त तिवारी भी मौजूद रहे। जानकारी के अनुसार एसपी सिटी के नेतृत्व में पुलिस लाइन से निकला घुड़सवारों का काफिला गोलघर रोड, बेतियाहाता, घंटाघर, नखास और बक्शीपुर सहित सर्किल के प्रमुख बाजारों व मिश्रित इलाकों का भ्रमण किया। इस दौरान अधिकारियों ने बाजारों में लोगों की आवाजाही बढ़ने और भीड़भाड़ की स्थिति को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की गई। एसपी सिटी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि अपने-अपने थाना क्षेत्रों में नियमित गश्त जारी रखें और संवेदनशील स्थानों पर विशेष सतर्कता बरतें।

❖ सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा, भीड़भाड़ वाले इलाकों में सतर्कता बढ़ाने के दिये निर्देश

स्मिता बनी एक दिन के लिए सरदारनगर की बीईओ

गोरखपुर, १५ अक्टूबर। मिशन शक्ति-06 अभियान के तहत गुरुवार को कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय, सरदारनगर की कक्षा नौ की छात्रा स्मिता प्रजापति को एक दिन के लिए खंड शिक्षा अधिकारी सरदारनगर की जिम्मेदारी सौंपी गई। इस पहल का उद्देश्य बालिकाओं में आत्मविश्वास बढ़ाने, नेतृत्व क्षमता विकसित करने तथा उन्हें शिक्षा और अधिकारों के प्रति जागरूक करना है। चौरी चौरा प्रतिनिधि के अनुसार एक दिन की खंड शिक्षा अधिकारी बनीं स्मिता प्रजापति ने नारी शिक्षा और नारी सुरक्षा को प्राथमिकता देने पर जोर दिया। उन्होंने अभिभावकों से अपील करते हुए कहा कि बेटियों को शिक्षा से वंचित न रखें, बल्कि उन्हें पढ़ने और आगे बढ़ने के समान अवसर प्रदान करें। शिक्षित बेटी न केवल अपने परिवार, बल्कि पूरे समाज के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक अभिभावक को अपनी बेटियों को अवश्य शिक्षित बनाना चाहिए, ताकि वे आत्मनिर्भर बनकर अपने अधिकारों के प्रति जागरूक हो सकें। मिशन शक्ति के तहत आयोजित इस पहल से छात्राओं में नई ऊर्जा और आत्मविश्वास का संचार हुआ। इस अवसर पर खंड शिक्षा अधिकारी जितेंद्र गोंड, चंद्र प्रकाश शुक्ला सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

सीएमओ ने जंगल कौड़िया सीएचसी का किया निरीक्षण

गोरखपुर, १५ अक्टूबर। जिले के सीएमओ डॉ. राजेश झा ने बृहस्पतिवार को जंगल कौड़िया सीएचसी का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) से जुड़े ज्यादातर कर्मियों सहित कुल 17 लोग अनुपस्थित मिले। सभी अनुपस्थित कर्मियों को चेतावनी पत्र जारी होंगे।सीएमओ ने सीएचसी परिसर का मुआयना किया और वहां कुछ स्थानों पर गंदगी देख कर नाराजगी जताई। डॉ. झा ने कहा कि अगर परिसर में फिर से गंदगी मिली तो कार्रवाई की जाएगी। सीएमओ ने अस्पताल में आने वाले मरीजों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। सीएमओ डॉ. झा ने बताया कि जंगल कौड़िया सीएचसी की उपस्थिति पंजिका देखने के बाद पता चला कि सात अक्टूबर से ही एनएचएम के कर्मी हाजिरी नहीं बना रहे हैं। इस संबंध में शासन से प्राप्त दिशा-निर्देशों के अनुसार उचित कार्रवाई की जा रही है। ऐसे सभी कर्मियों को चेतावनी पत्र जारी किया जा रहा है। स्वास्थ्य सेवाओं का संचालन नियमित कर्मियों और नियमित एएनएम के माध्यम से हो रहा है। सीएचसी अधीक्षक ने बताया कि संविदा एएनएम और सीएचओ भी कार्य नहीं कर रहे हैं। सीएमओ ने बताया कि फिलहाल नियमित चिकित्सकों और कर्मियों के जरिए आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जा रही हैं। डॉ. झा ने सीएचसी अधीक्षक को निर्देश दिया कि अस्पताल में जो भी मरीज आते हैं उन्हें परामर्श के साथ-साथ नि:शुल्क दवाएं और जांच की सुविधा उपलब्ध कराई जाए। मरीजों के साथ अच्छा बर्ताव किया जाए और आवश्यक होने पर ही उन्हें उच्च चिकित्सा केंद्रों के लिए रेफर किया जाए। मातृ सेवा कार्यक्रम के बारे में चर्चा करते हुए सीएमओ ने कहा कि जो भी प्रसूता उच्च चिकित्सा केंद्रों के लिए रेफर की जाएं उनका रेफरल कार्ड अवश्य भरा जाए और उनकी सूचना जिला स्तर पर दी जाए ताकि उन्हें समुचित सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें। ऐसा करके हम उच्च जोखिम गर्भवती व प्रसूता की जान बचा सकते हैं।

भजन सम्राट नन्दू मिश्रा के भजनों पर झूमे श्रद्धालु

गोरखपुर, १५ अक्टूबर। नवरात्र के पावन पर्व पर बुधवार, 14 अक्टूबर को अमटौरा ग्राम सभा स्थित दुर्गा मंदिर में ग्रामवासियों की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना के लिए भव्य पूजन एवं भजन संध्या का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रसिद्ध भजन गायक भजन सम्राट नन्दू मिश्रा ने माता रानी सहित विभिन्न देवी-देवताओं के भक्तिमय गीत प्रस्तुत कर श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। सहजनवां प्रतिनिधि के अनुसार भजन संध्या में माता रानी के जयकारों और भक्ति गीतों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। गायक नन्दू मिश्रा की शानदार प्रस्तुतियों पर श्रद्धालु झूम उठे। कार्यक्रम में हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने पहुंचकर भजन संध्या का आनंद लिया और मां दुर्गा के चरणों में शीश नवाकर परिवार एवं ग्राम सभा की सुख-समृद्धि की कामना की।कार्यक्रम का आयोजन रणविजय सिंह (बिजेन सिंह) के नेतृत्व में किया गया। इस अवसर पर राणा सिंह, राणा आदित्य सिंह, राणा अखंड (रिशु सिंह), हर्षु सिंह, इलु सिंह, उज्ज्वल सिंह सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।भजन संध्या ने पूरे गांव को भक्तिरस में सराबोर कर दिया। आयोजन के माध्यम से धार्मिक आस्था के साथ-साथ सामाजिक एकता और आपसी सद्भाव का संदेश भी दिया गया।

गोरखनाथ मंदिर में विधि विधान से हुई मां स्कंदमाता की आराधना

गोरखपुर, १५ अक्टूबर। शारदीय नवरात्र के पांचवें दिन, गुरुवार को गोरखनाथ मंदिर स्थित शक्तिपीठ में जगतजननी मां दुर्गा के पंचम स्वरूप मां स्कंदमाता की विधि-विधान से आराधना की गई। इस पावन अवसर पर समूचे लोक के कल्याण और नागरिकों के जीवन में सुख, शांति व समृद्धि की प्रार्थना की गई। नवरात्र की पंचमी तिथि पर गोरखनाथ मंदिर के प्रधान पुजारी योगी कमलनाथ ने प्रात:काल और सायंकाल, दोनों सत्रों में शक्तिपीठ के गर्भगृह में विशेष अनुष्ठान संपन्न कराया। अनुष्ठान का आरंभ वैदिक मंत्रोच्चार के बीच गौरी-गणेश के आह्वान व पूजन से हुआ, जिसके उपरांत सभी देव-विग्रहों का षोडशोपचार विधि से अर्चन किया गया। इस अवसर पर योगी कमलनाथ ने मां आदिशक्ति के पंचम स्वरूप की महिमा बताते हुए कहा कि मां स्कंदमाता ज्ञान और मोक्ष दोनों की प्रदाता हैं। उनकी अनन्य भक्ति और उपासना से साधक को अलौकिक सुख, मानसिक शांति और अंतत: परम गति (मुक्ति) सुलभ होती है। पंचमी तिथि के विशेष अनुष्ठान के क्रम में शक्तिपीठ के गर्भगृह में विद्वान आचार्यों ने श्रीमद्देवीभागवत महापुराण एवं श्रीदुर्गासप्तशती का सस्वर पाठ कर वातावरण को पूरी तरह भक्तिमय बना दिया। दोनों पहर की पूजा के समापन पर वैदिक ऋचाओं के बीच माता की आरती उतारी गई और क्षमा प्रार्थना के बाद उपस्थित श्रद्धालुओं में प्रसाद वितरित किया गया।

जिला अस्पताल में जमीन पर मिला लाचार मरीज

गोरखपुर, १५ अक्टूबर। जिला चिकित्सालय की स्वास्थ्य और सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह चरमरा चुकी है। जिस मरीज को वार्ड के भीतर बेड पर होना चाहिए था, वह खुले में जमीन पर बेबस पड़ा मिला। जब इस बदइंतजामी पर मीडियाकर्मी ने अस्पताल के प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक (एसआईसी) से जवाब मांगा, तो उन्होंने अपनी खामियों को सुधारने के बजाय पत्रकार पर ही अपना गुस्सा निकाल दिया और कवरेज रोकने का प्रयास किया। व्यवस्था की नाकामी पर पर्दा डालने और मीडियाकर्मी से बदसलूकी करने को लेकर अब गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। ऐसे में एसआईसी जैसे शीर्ष और जिम्मेदार पद पर आसीन अधिकारी का मीडिया के सवालों से बौखलाना यह दर्शाता है कि अस्पताल प्रबंधन मरीजों की सुरक्षा और सेवा को लेकर कितना लापरवाह बना हुआ है।

शास्त्र से बढ़कर कुछ नहीं, सत्संग से जीवन होता है सफल-महंत रामशरण दास

गोरखपुर, १५ अक्टूबर। कस्बे के मुक्तिपथ पर आयोजित सप्त दिवसीय रुद्र महायज्ञ एवं सरयू अमृत महोत्सव के चौथे दिन गुरुवार को श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। अयोध्या के रंगमहल के पीठाधीश्वर महंत रामशरण दास ने कहा कि शास्त्र से बढ़कर कुछ नहीं है। शास्त्र सनातन धर्म का मार्ग दिखाते हैं, जबकि शस्त्र देश की रक्षा और संचालन के लिए आवश्यक हैं। सत्संग का पलड़ा हमेशा भजन से भारी होता है। इसलिए सभी को सत्संग करना चाहिए। कथा को जीवन में उतार लेने से मनुष्य का जीवन सफल हो जाता है।

बड़हलगंज प्रतिनिधि के अनुसार श्रीमद् रुद्र भागवत कथा के चौथे दिन अंतरराष्ट्रीय कथावाचक पुंडरीक गोस्वामी ने श्रद्धालुओं को कथा का रसपान कराते हुए कहा कि श्मशान स्थल पर श्रीमद् रुद्र भागवत कथा, महायज्ञ और संत-महात्माओं का समागम अत्यंत दुर्लभ अवसर है। ऐसा आयोजन इस धरा पर शायद पहली बार हो रहा है। उन्होंने जननी और जन्मभूमि को स्वर्ग के समान महत्वपूर्ण बताया। सरयू नदी की महिमा का वर्णन करते हुए कहा कि सरयू मैया के जल में साक्षात भगवान का वास है। उन्होंने कहा कि जीवन में कोई भी विपत्ति आए तो भगवान श्रीकृष्ण के मंत्र कृष्णाय वासुदेवाय हरये परमात्मने। प्रणत: क्लेशनाशाय गोविंदाय नमो नम: का स्मरण करना चाहिए। भगवान की ओर एक बार मुख कर लेने मात्र से भी भक्त पापों से मुक्त हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि यदि श्रद्धा केवल किसी के आकर्षण के कारण है तो आकर्षण समाप्त होने के साथ श्रद्धा भी समाप्त हो जाती है। इसलिए श्रद्धा आकर्षण पर आधारित नहीं, बल्कि सच्चे विश्वास और भक्ति पर आधारित होनी चाहिए। महोत्सव के चौथे दिन हजारों श्रद्धालुओं ने हवन कुंड में आहुति देकर पुण्य लाभ प्राप्त किया। वहीं, महोत्सव के मंच पर विभिन्न लोक कलाओं और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। लोक कलाकार मनुज मधुर ने विभिन्न धार्मिक गीत प्रस्तुत कर श्रद्धालुओं को झूमने पर मजबूर कर दिया। इस दौरान बड़ी संख्या में साधु-संतों का समागम भी हुआ।

टीबी मुक्त भारत और महिला सुरक्षा का संदेश लेकर निकली जागरूकता रैली

गोरखपुर, १५ अक्टूबर। टीबी मुक्त भारत अभियान को गति देने और महिला सुरक्षा के प्रति लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से गुरुवार को कबूतरी देवी राजेश्वर त्रिपाठी स्मारक पीजी कॉलेज डुमरी खास में जनजागरूकता रैली निकाली गई। राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस), 44 बटालियन एनसीसी, 37 एसडी, 15 गर्ल्स बटालियन, 17 एसडब्ल्यू एनसीसी तथा रेंजर्स-रोवर्स के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस रैली के माध्यम से लोगों को क्षय रोग के प्रति जागरूक रहने और महिला सुरक्षा को सामाजिक जिम्मेदारी के रूप में अपनाने का संदेश दिया गया। चौरी चौरा प्रतिनिधि के अनुसार कार्यक्रम का शुभारंभ कॉलेज के संस्थापक स्वर्गीय बालेन्द्र प्रसाद त्रिपाठी के सुपुत्र ई. राधेश्याम त्रिपाठी और अमिता त्रिपाठी ने रैली को हरी झंडी दिखाकर किया। रैली के माध्यम से विद्यार्थियों और स्वयंसेवकों ने समाज में जागरूकता बढ़ाने तथा टीबी उन्मूलन और महिलाओं की सुरक्षा के प्रति लोगों को सजग रहने का आह्वान किया। इस आयोजन में महाविद्यालय के शिक्षकों, एनसीसी अधिकारियों, प्रशिक्षकों और अन्य कर्मचारियों ने सक्रिय सहभागिता की। कार्यक्रम के वरिष्ठ अधिकारी डॉ. सत्यवान कुमार यादव, डॉ. राम प्रभाकर धर द्विवेदी, डॉ. बलजीत, डीएलएड विभाग की प्राचार्य डॉ. साधना त्रिपाठी, डॉ. संतोष कुमार, डॉ. राघवेंद्र कुमार चौहान, डॉ. शैलेश पांडेय, डॉ. शैलेश मल्ल, डॉ. ऋषिकेश विश्वकर्मा, डॉ. राकेश मल्ल, डॉ. मंजुला त्रिपाठी, लेफ्टिनेंट वंदिता त्रिपाठी, इंस्ट्रक्टर अखिलेन्द्र सिंह, डॉ. ममता श्रीवास्तव, अविनाश त्रिपाठी, संजय पटेल, वैभव त्रिपाठी, हरेराम पाल, नीरज पांडेय, मनीष वर्मा, रामनिवास और रामनेवास सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

❖ टीबी मुक्त भारत और महिला सुरक्षा का संदेश लेकर निकली जागरूकता रैली

खानिमपुर में ट्रांसफार्मर शिफ्टिंग में ठेकेदार ने की मनमानी, हादसे का खतरा

गोरखपुर, १५ अक्टूबर। पिपरौली विकास खंड के ग्राम सभा खानिमपुर में विधायक निधि से किए गए 250 केबी ट्रांसफार्मर की शिफ्टिंग में ठेकेदार द्वारा भारी मनमानी की गई। जिससे नाराज होकर भाजपा मंडल उपाध्यक्ष नन्हें सिंह के नेतृत्व में दर्जनों ग्रामीणों द्वारा अधिशासी अभियंता विद्युत वितरण खंड को पत्र देकर शिकायत की जांच और दोषियों पर कठोर कार्रवाई की मांग की गई है। सहजनवां प्रतिनिधि के अनुसार नन्हें सिंह ने बताया कि वर्षों पहले गांव में घनी आबादी के बीचों बीच 250 केवीए का ट्रांसफार्मर लगा था। जिससे हमेशा खतरा कि आशंका बनी रहती थी। आए दिन ट्रांसफॉर्मर चिंगारी निकलने के साथ ही केबल स्पार्क करता रहता था। जिससे अगल बगल के लोग भयभीत रहते थे। ग्रामीणों की मांग पर सहजनवां विधायक प्रदीप शुक्ल ने अपनी निधि से 2 लाख 64 हजार रुपये ट्रांसफार्मर को दूसरी जगह शिफ्ट करने के लिए अवमुक्त किए थे। आरोप है कि ठेकेदार ने कार्य में घोर लापरवाही बरती है। बिना ग्राउटिंग और सेट वायर के ही पोल खड़े कर केबल लगा दी गई, जिससे सभी पोल झुककर टेढ़े हो गए हैं। पोल झुकने से तार ढीले होकर लटक रहे हैं। ट्रांसफार्मर के चारों तरफ सुरक्षा जाली नहीं लगाई गई, न ही अर्थिंग दी गई है। भाजपा नेता नन्हें सिंह ने कहा कि इससे कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। उन्होंने विभाग से तत्काल कमियों को दूर कराने और दोषी ठेकेदार के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही की मांग की है।

भाजपा प्रत्याशी ध्रुव कुमार त्रिपाठी के समर्थन में मतदान की अपील

गोरखपुर, १५ अक्टूबर। गोरखपुर-फैजाबाद शिक्षक एमएलसी निर्वाचन को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने शिक्षक मतदाताओं से संपर्क एवं संवाद अभियान तेज कर दिया है। इसी क्रम में भाजपा महानगर अध्यक्ष रमेश प्रताप गुप्ता ने विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों में शिक्षकों से मुलाकात कर भाजपा प्रत्याशी ध्रुव कुमार त्रिपाठी के समर्थन में मतदान करने की अपील की। अभियान के अंतर्गत महानगर अध्यक्ष रमेश प्रताप गुप्ता ने दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में शिक्षा विभाग की प्रोफेसर सुनीता दुबे एवं वाणिज्य विभाग के प्रोफेसर श्रीवर्धन पाठक से भेंट कर शिक्षक एमएलसी चुनाव को लेकर चर्चा की। इस दौरान उन्होंने शिक्षक मतदाताओं से संवाद स्थापित करते हुए भाजपा प्रत्याशी ध्रुव कुमार त्रिपाठी के पक्ष में समर्थन जुटाने की अपील की। इसी क्रम में उदया पब्लिक स्कूल, गिरधरगंज में शिक्षकों से संपर्क एवं संवाद कर भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में मतदान करने का आग्रह किया गया। वहीं, राम शिशु मंदिर में भी शिक्षक मतदाताओं से मुलाकात कर ध्रुव कुमार त्रिपाठी के पक्ष में मतदान की अपील की गई।महानगर अध्यक्ष ने शिक्षक साथियों से संवाद करते हुए चुनाव में सक्रिय भागीदारी निभाने तथा भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में मतदान करने का आह्वान किया। विभिन्न शिक्षण संस्थानों में चलाए गए इस संपर्क अभियान के माध्यम से शिक्षकों तक पार्टी का पक्ष पहुंचाने और उनसे समर्थन प्राप्त करने का प्रयास किया गया।

ग्रामीण महिलाओं के स्वावलंबन का सफल मॉडल बना 'श्री बाबा गोरखनाथ कृपा एमपीओ'

गोरखपुर, १५ अक्टूबर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन के अनुरूप ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (यूपी-एसआरएलएम) के तहत संचालित 'श्री बाबा गोरखनाथ कृपा मिल्क प्रोड्यूसर्स ऑर्गनाइजेशन' (एमपीओ) एक सफल मॉडल बनकर उभरा है। नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड (एनडीडीबी) के सहयोग से गठित यह संगठन पूर्वी उत्तर प्रदेश की ग्रामीण महिलाओं को डेयरी व्यवसाय से जोड़कर उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत करने में अहम भूमिका निभा रहा है। कभी घर-परिवार तक सीमित रहने वाली महिलाएं आज दूध उत्पादन और आपूर्ति के माध्यम से कारोबार में भागीदारी निभा रही हैं।तीन वर्षों में संगठन ने 407 करोड़ रुपये का टर्नओवर दर्ज किया है। इसकी सबसे बड़ी विशेषता यह है कि संगठन की सभी 79,000 सदस्य ग्रामीण महिलाएं हैं। सरकार के 'लखपति दीदी' विजन को आगे बढ़ाते हुए एमपीओ से जुड़ी 6,812 महिलाएं इस श्रेणी में शामिल हुई हैं, जबकि 285 महिला सदस्यों की सालाना आय 10 लाख रुपये से अधिक बताई गई है। दूध उत्पादन और उसकी नियमित आपूर्ति के जरिए ये महिलाएं ग्रामीण अर्थव्यवस्था में अपनी भागीदारी मजबूत कर रही हैं। ग्रामीण महिलाओं की सफलता की इन कहानियों में गोरखपुर के सिकरीगंज क्षेत्र के पिडरा गांव की कौशल्या देवी भी शामिल हैं। श्री बाबा गोरखनाथ कृपा एमपीओ से जुड़ने के बाद उन्होंने आधुनिक पशुपालन, वैज्ञानिक प्रबंधन और नियमित दूध आपूर्ति के जरिए अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत किया है। संगठन के अनुसार, वह गोरखपुर जिले में दूध आपूर्ति के मामले में जिला टॉपर बनी हैं। कौशल्या देवी ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में 28,483 लीटर दूध की आपूर्ति की, जिसके एवज में उन्हें 10 लाख 50 हजार 119 रुपये का भुगतान प्राप्त हुआ। वित्तीय वर्ष 2025-26 में उन्होंने 37,106 लीटर दूध की आपूर्ति कर 14 लाख 95 हजार 604 रुपये का भुगतान प्राप्त किया। वहीं, वर्तमान वित्तीय वर्ष में 30 सितंबर तक वह 25,420 लीटर दूध की आपूर्ति कर 10 लाख 10 हजार 58 रुपये का भुगतान प्राप्त कर चुकी हैं। कौशल्या देवी बताती हैं कि एमपीओ से जुड़ने के समय उनके पास केवल दो गायें थीं। संगठन से नियमित भुगतान और अन्य सुविधाएं मिलने से उनका भरोसा बढ़ा और उन्होंने पशुपालन का विस्तार किया। आज उनके पास 16 गायें हैं। श्री बाबा गोरखनाथ कृपा एमपीओ के मुख्य कार्यपालक अधिकारी धनराज साहनी के अनुसार, संगठन का नेटवर्क गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, महराजगंज, संतकबीरनगर, आजमगढ़ और मऊ सहित सात जिलों में फैला हुआ है। संगठन से जुड़ी प्रत्येक महिला सदस्य इसकी शेयरधारक है। इन सदस्यों के माध्यम से प्रतिदिन डेढ़ लाख लीटर से अधिक दूध का संग्रहण किया जा रहा है।संगठन में दुग्ध भुगतान की व्यवस्था पारदर्शी रखी गई है। दूध की आपूर्ति के एवज में प्रत्येक 10 दिन में सीधे सदस्य महिलाओं के बैंक खातों में भुगतान किया जाता है। धनराज साहनी के अनुसार, अब तक हुए दुग्ध संग्रह के एवज में 407 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा चुका है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में संचालित यह एमपीओ मॉडल ग्रामीण क्षेत्रों में महिला सशक्तीकरण, वित्तीय समावेशन और श्वेत क्रांति को एक साथ आगे बढ़ाने की मिसाल बनकर उभरा है। संगठन के माध्यम से महिलाओं को डेयरी व्यवसाय से जोड़ने, नियमित भुगतान की व्यवस्था उपलब्ध कराने और उनकी आर्थिक भागीदारी बढ़ाने के प्रयास ग्रामीण आजीविका को मजबूती देने में सहायक साबित हो रहे हैं।

❖ तीन वर्षों में 407 करोड़ रुपये का कारोबार, 6,812 महिलाएं बनीं लखपति दीदी; 285 महिला सदस्यों की सालाना आय 10 लाख रुपये से अधिक

संदिग्ध परिस्थिति में पुलिस ने युवक का शव किया बरामद

गोरखपुर, १५ अक्टूबर। सहजनवा थाना क्षेत्र के भीमापार नाला पुलिया के पास पुलिस के पानी भरे खेत में एक 35 वर्षीय युवक का लाश बरामद जिसकी पहचान जोगिंद्र पुत्र रामतेज निवासी सीहापार के रूप में हुई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया। सहजनवां प्रतिनिधि के अनुसार थाना क्षेत्र के भीमापार के पास स्थित नाला पुलिया के पास शाम 5 बजे के करीब ग्रामीणों ने पानी भरे खेत में एक 35 वर्षीय युवक की लाश देखकर पुलिस को सूचना दिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव का शिनाख्त कराया जिसकी पहचान जोगिंद्र पुत्र रामतेज निवासी सीहापार के रूप में हुई। सूत्रों की माने तो युवक शराब पीने का आदी था। पुलिस ने शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया है। इस संदर्भ में थानेदार संजय कुमार मिश्र ने कहा कि शव को पोस्टमार्टम के लिये भेजा गया है। रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

जांच करने आयी टीम के सामने दोनों पक्ष आपस में भिड़े

फाजिलनगर,कुशीनगर। गांव में विकास कार्यों भ्रष्टाचार की जांच करने पहुंची दो सदस्यीय टीम के समाने ही दो पक्ष आपस में भिड़ गए जिसमें शिकायतकर्ता सहित दो लोग घायल हो गए। इसके बाद टीम जांच को पूरा किए बिना गांव से लौट आईं। जबकि चौरा खास पुलिस ने मामले की जानकारी से इंकार किया है।

ब्लाक के बालियवां निवासी सरफुद्दीन ने ज्वाइंट मजिस्ट्रेट कसया जी अक्षय दीपक को शिकायती पत्र देकर गांव के विकास कार्यों में भ्रष्टाचार की शिकायत किया था। जिसके क्रम में उन्होंने बीडीओ को जांच कराकर रिपोर्ट देने के लिए कहा था।

इसी क्रम में एडीओ पंचायत अनिरुद्ध सिंह व कोर्डिनेटर राजेश गुप्ता गांव में पहुंचे। अभी वे जांच प्रक्रिया को कर ही रहे थे कि इसी बीच जांच को लेकर दो पक्ष आमने सामने आ गए और देखते ही देखते मारपीट शुरू हो गई जिसमें शिकायतकर्ता के अलावा उनके छोटे भाई फैयाज घायल हो गए। जिन्हें सीएचस फाजिलनगर लाया गया। जहां से शिकायतकर्ता की गंभीर स्थिति देख जिला अस्पताल भेज दिया गया है जबकि छोटे भाई को प्राथमिक उपचार के बाद सीएचसी से छुट्टी दे दी गई है।

थानाध्यक्ष चौराखास महेंद्र प्रजापति ने घटना की जानकारी होने से इंकार करते हुए कहा कि तहरीर मिलेगी तो उसके अनुसार कार्रवाई होगी। इस संदर्भ में ज्वाइंट मजिस्ट्रेट जी अक्षय दीपक ने कहा कि प्रकरण संज्ञान में है। घटनाक्रम की जांच कराएंगे। जो भी दोषी होगा उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी। जांच में बाधा डालना गंभीर बात है।

गन्ना मूल्य 650 रुपये घोषित करने की किसान सभा ने की मांग

कसया, कुशीनगर। उत्तर प्रदेश किसान सभा जिला कमेटी कुशीनगर के पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री को संबोधित पांच सूत्रीय ज्ञापन एसडीएम कसया को सौंपा और गन्ना मूल्य 650 रुपए घोषित करने की मांग सरकार से की। गुरुवार को एसडीएम कसया के अनुपस्थिति में उनके कार्यालय लिपिक को ज्ञापन देते हुए किसान सभा के राज्य काउंसि ल सदस्य कामरेड अयोध्या लाल श्रीवास्तव, बीपी गुप्ता और जिलाअध्यक्ष जवाहर शर्मा के नेतृत्व में सौंपे ज्ञापन में पदाधिकारियों ने गन्ना किसानों की समस्याओं के समाधान की मांग की। ज्ञापन में राज्य सरकार चीनी मिल चालू होने से पहले गन्ने का मूल्य 650 रुपये प्रति कुंतल घोषित करने, पिछले सत्र का बकाया गन्ना मूल्य ब्याज सहित भुगतान किया जाए और बंद पड़ी मिलों को चालू करने, चीनी मिल गेट और क्रय केंद्रों पर किसी भी तरह की धांधली या घटतौली पर रोक लगाई लगाने तथा गन्ना खरीद केंद्रों की संख्या बढ़ाई बढ़ाने, अतिवृष्टि और तूफान से बर्बाद हुई गन्ने की फसल का मुआवजा देने तथा चीनी का मूल्य गन्ना मूल्य से निर्धारित किया जाए। जब गन्ना 400 रुपये कुंतल था तो चीनी 42 रुपये किलो थी, आज चीनी 70 रुपये किलो बिक रही है, इसलिए बढ़ा हुआ मूल्य गन्ना किसानों को दिया जाए। किसान नेताओं ने चेतावनी दी है कि यदि सरकार मांगों पर किसान आंदोलन करने को बाध्य होंगे।

महिला किसानों को सम्मानित कर बढ़ाया उत्साह

पडरौना/कुशीनगर। कृषि भवन सभागार, रामपुर फार्म में राष्ट्रीय महिला किसान दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में प्रगतिशील महिला किसानों को सम्मानित कर आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाने के लिए प्रेरित किया

गया। कृषि विज्ञान केंद्र के डॉ. अरुण प्रताप सिंह ने प्राकृतिक खेती, श्रीअन्न उत्पादन, पराली प्रबंधन और कृषि उत्पादों के मूल्यवर्धन की जानकारी दी। गन्ना विभाग के अखिलेश्वर सिंह ने महिला स्वयं सहायता समूहों की ओर से गन्ने की पौध तैयार करने के कार्यों पर प्रकाश डाला। उप कृषि निदेशक अतीन्द्र सिंह ने कहा कि महिला किसान कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने किसानों से विभागीय योजनाओं का लाभ उठाने की अपील की। इस दौरान ललिता सिंह, उर्मिला देवी, अंजलि पाण्डेय, जैवून, सरोज देवी और शिवानी द्विवेदी सहित अन्य महिला किसान मौजूद रहीं।

मीना मंच की तहत लगा मेला

फाजिलनगर,कुशीनगर। बीआरसी पर मीना मंच के तहत मदर मेला लगा जिसमें विभिन्न विद्यालयों के छात्र छात्राओं की माताओं को सम्मानित किया गया। गुरुवार को उच्च प्राथमिक विद्यालय फाजिलनगर व बनकटा बाजार सहित आधा विद्यालयों के छात्र व उनकी माताएं मौजूद रहीं। मेले में विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम स्वच्छता,पर्यावरण, बाल विवाह आदि विषयों पर बनाए माडल प्रस्तुत किए।मीना मंच के ब्लाक नोडल अधिकारी जितेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि शिक्षा व्यक्ति को जागरूक करती है। बच्चों की प्रस्तुति सराहनीय है। बच्चों के विकास में अभिभावक की महत्वपूर्ण भूमिका है। संचालन एआरपी धर्मेंद्र सिंह ने किया। इस दौरान जगदीश पांडेय,राजमती, अनीता देवी, रजिया खातून, प्रभावती देवी, हरिंद्र प्रसाद, राकेश त्रिपाठी, सुनील कुमार, राजेश गुप्ता, दिनेश यादव, रागिनी गुप्ता, मंजू गुप्ता आदि मौजूद रहे।

अनियमितता की जांच की मांग को लेकर आमरण अनशन

बभनौली (कुशीनगर)। पूर्व प्रधान के कार्यकाल में शौचालय निर्माण और आवास आवंटन में कथित अनियमितताओं की जांच व कार्रवाई की मांग को लेकर तिवारी पट्टी निवासी सुग्रीव कुमार

गुरुवार को पंचायत भवन परिसर में आमरण अनशन पर बैठ गए। उन्होंने इस संबंध में जिलाधिकारी कुशीनगर समेत अन्य अधिकारियों को ज्ञापन देकर मामले में कार्रवाई की मांग की है। सुग्रीव कुमार पुत्र बृज बिहारी ने 12 अक्टूबर 2026 को जिलाधिकारी को दिए ज्ञापन में आरोप लगाया है कि पूर्व प्रधान के कार्यकाल में बने शौचालयों और आवास आवंटन में अनियमितताओं की शिकायत के बावजूद प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। उनका कहना है कि मामले से संबंधित साक्ष्य उपलब्ध कराने के बाद भी जांच में लीपापोती की गई। उन्होंने दावा किया कि वह पिछले करीब 14 माह से अधिकारियों के कार्यालयों का चक्कर लगा रहे हैं, लेकिन अब तक समस्या का समाधान नहीं हुआ है। शिकायतकर्ता ने जिला पंचायतराज अधिकारी आलोक कुमार प्रियदर्शी और मनरेगा से संबंधित अधिकारी राकेश कुमार की भूमिका की जांच कराने की मांग की है। उन्होंने जिलाधिकारी से पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराकर आरोप प्रमाणित होने पर जिम्मेदार लोगों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई करने की अपील की है। ज्ञापन की प्रतिलिपि मुख्यमंत्री, पुलिस अधीक्षक कुशीनगर, मुख्य चिकित्सा अधिकारी कुशीनगर, उपजिलाधिकारी तमकुहीराज और थाना प्रभारी को भी भेजने के लिए अंकित की गई है। सुग्रीव कुमार ने चेतावनी दी है कि मांगों पर कार्रवाई नहीं होने की स्थिति में वह आगे भी अपना आंदोलन जारी रखेंगे। इस धरना प्रदर्शन कृष्णा यादव, धर्मा साहनी, सुरेंद्र निषाद, रामवध प्रजापति, डब्लू शर्मा , हरिकेश निषाद, संतोष जायसवाल, सोनू अंसारी, गिरधारी कुशवाहा, सुभाष यादव, कृष्णा वर्मा आदि उपस्थित रहे।

राजस्व कार्यों,न्यायालय में लंबित वादों, आईजीआरएस एवं राजस्व वसूली की डीएम ने की समीक्षा

पडरौना/कुशीनगर।कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी संजय चौहान की अध्यक्षता में राजस्व कार्यों, न्यायालयों में लंबित वादों, आईजीआरएस, राजस्व वसूली एवं अन्य राजस्व संबंधी कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में राजस्व विभाग की प्रमुख प्राथमिकताओं, लंबित वादों के निस्तारण, जनशिकायतों के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण तथा राजस्व वसूली की प्रगति की विस्तृत समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

जिलाधिकारी ने स्वामित्व योजना के अंतर्गत लंबित प्रकरणों का प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित करने तथा अंश निर्धारण की प्रक्रिया को निर्धारित समयसीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों की गहन जांच कर सभी पात्र किसानों एवं उनके आश्रितों को बिना किसी अनावश्यक विलंब के नियमानुसार लाभान्वित करने पर जोर दिया। रियल टाइम खतौनी से संबंधित कार्यों की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने अभिलेखों के अद्यतीकरण की प्रक्रिया में पूर्ण शुद्धता एवं पारदर्शिता सुनिश्चित करने तथा लंबित कार्यों को शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राजस्व अभिलेखों में शुद्धता बनाए रखना और संबंधित कार्यों को समयबद्ध ढंग से पूरा करना अधिकारियों की प्राथमिकता होनी चाहिए। राजस्व वसूली की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने जीएसटी, बैंक देय, विद्युत देय, परिवहन एवं खनन सहित विभिन्न विभागों से संबंधित बकाया धनराशि की नियमित एवं प्रभावी समीक्षा करने तथा निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप वसूली में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आरसी के माध्यम से की जाने वाली वसूली में अमीनों की कार्यप्रणाली पर सतर्क निगरानी रखी जाए तथा वसूली की प्रगति की प्रत्येक सप्ताह समीक्षा की जाए, ताकि निर्धारित लक्ष्य समय से प्राप्त किए जा सकें। न्यायालयों में लंबित राजस्व वादों की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता की धारा 24 के अंतर्गत पैमाइश एवं सीमांकन, धारा 67 के अंतर्गत अतिक्रमण एवं अनधिकृत कब्जे से संबंधित मामलों तथा धारा 116 के अंतर्गत कुर्रा एवं बंटवारे से संबंधित वादों सहित अन्य लंबित प्रकरणों का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि न्यायालय के आदेश एवं निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार पैमाइश के उपरांत पत्थर नसब किए जाने के बाद यदि कोई व्यक्ति पत्थर उखाड़ता है या उसमें छेड़छाड़ करता है, तो उसके विरुद्ध नियमानुसार कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। आईजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त जनशिकायतों की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि प्रत्येक शिकायत का निस्तारण निर्धारित समयसीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण ढंग से किया जाए। शिकायतों के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए तथा यह सुनिश्चित किया जाए कि कोई भी प्रकरण डिफॉल्टर श्रेणी में लंबित न रहने पाए। उन्होंने अधिकारियों को जनसमस्याओं के प्रति संवेदनशील रहते हुए शिकायतों का प्रभावी समाधान करने पर विशेष जोर दिया। अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) ने सभी संबंधित अधिकारियों एवं पटल सहायकों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए लंबित प्रकरणों का शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने स्पष्ट किया कि शासकीय कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही अथवा शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में समस्त उपजिलाधिकारी, तहसीलदार एवं संबंधित पटल सहायक उपस्थित रहे।

❑लंबित प्रकरणों का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करें अधिकारी — जिलाधिकारी
❑स्वामित्व योजना, अंश निर्धारण एवं रियल टाइम खतौनी के कार्यों में तेजी लाने के निर्देश

भगवान के भक्ति में बाधक बनने वाले का त्याग कर देना ही धर्म है

कोटवा बाजार/कुशीनगर। बिकास खंड नेबुआ नौरंगिया के दुर्गा मंदिर कठनइया में तृतीय दिवस की कथा प्रारंभ करते हुए श्री स्वामी सर्वेश्वराचार्य जी महाराज ने महाराज मनु के तीन बेटियों सहित दोनों पुत्र प्रियव्रत और उत्तान पाद महाराज के वंश का वर्णन करते हुए परम श्रेष्ठ राजा महाराज पृथु के द्वारा किए गए सौ अश्वमेध यज्ञों का वर्णन किया, शत क्रतु महाराज पृथु ने अपने दिव्य त्याग और साधना से पृथ्वी देवी को प्रसन्न कर अनेक प्रकार के रत्नों को प्राप्त कर अपने राज्य धर्म का सर्वथा शास्त्र सम्मत पालन करते हुए निरीह प्राणीयों सहित अपने राज्य की प्रजा को ही भगवान विष्णु का स्वरूप मानकर सेवा किए, शास्त्रों के अनुसार राजा का एक मात्र धर्म ओर कर्तव्य होता है अपने प्रजा जन की निष्ठा पूर्वक सेवा, भगवान के चौबीस अवतारों में ऋषभ देव भगवान के अवतार की कथा करते हुए पिता और माता सहित गुरु पति मित्र आदि का वर्णन करते हुए कहे, भगवान की भक्ति में यदि बाधा उत्पन्न करे भगवान का विरोध करे तो वह चाहे माता ,पिता,गुरु,पति सहित दुनिया का कितना भी प्रिय से प्रिय क्यों न हो शीघ्र उसका त्याग ही धर्म माना गया है,भक्त प्रहलाद के जीवन का चरित्र वर्णन करते हुए महाराज श्री ने कहा परिस्थितियां चाहे जैसी हो हर दुख सहते हुए अपने ही पिता हिरण्यकशिपु के द्वारा अनेकों असहैय यातना सहकर भी भगवान नृसिंह को प्रकट किया यही है भगवान की भक्ति का कठिन संघर्ष, याद रहे भगवान नृसिंह कहते है भक्त प्रहलाद तुम्हारी भक्ति व्यर्थ नहीं हो सकती जिस माता पिता के गर्भ से तुम जैसा भागवत जन्म लेता है उस माता पिता की इक्कीस पीढ़ियां मेरे वैकुण्ठ में सदा के लिए निवास करती है । प्रहलाद जी का चरित्र भक्तों के आकर्षण का केंद्र रहा ।

भलुअनी में आज सजेगी गरबा डांडिया की महफिल, झूमेगा पूरा शहर

भलुअनी, देवरिया । नवरात्रि के पावन अवसर पर भलुअनी में गरबा महोत्सव सीजन 2 में इस बार भी गरबा और डांडिया की धूम देखने को मिलेगी। % गरबा महोत्सव आयोजन 16-17 अक्टूबर कों स्थानीय नगर पंचायत के कस्बा स्थित माँ भगवती पैलेस में किया जाएगा। इस आयोजन को लेकर नगर में उत्साह का माहौल है। आयोजन समिति के गौरव गुप्ता व बृजमोहन मद्धेशिया ने बताया कि नवरात्रि के रंग, पारंपरिक परिधान, गरबा की थाप और डांडिया की मस्ती से सजा यह महोत्सव महिलाओं को उत्सव, मनोरंजन और आपसी मेल-मिलाप का विशेष अवसर प्रदान करेगा। पारंपरिक संस्कृति और आधुनिक उत्सवी अंदाज के संगम से कार्यक्रम को यादगार बनाने की तैयारियां की जा रही हैं। यह आयोजन केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति, परंपरा और नारी शक्ति के उत्सव का प्रतीक है। महोत्सव के मुख्य अतिथि के रूप में समाजसेवी संजय तिवारी रहेंगे। एंकर के रूप में भोजपुरी फिल्म अभिनेत्री पलक वर्मा एवं ऐश्वर्या रहेगी।

बाइक की टक्कर से गंभीर रूप से घायल दोनों बाइक चालक

इंदिरा बाजार कुशीनगर । दो बाइक की टकराहट में भिषण एक्सिडेंट होने का समाचार प्राप्त हुआ है। मदीना बाजार चौराहा पर किसी कार्य बस सुमही बुजुर्ग रामपुर टोला सुहेल अंसारी अपने बाईक पर दो छात्राओं को बैठा कर किसी कार्य बस जरूरत कार्य से जा रहे थे कि अज्ञात बाइक चालक के वाईक से जोर दार टक्कर होने के चलते वाइक सवार तीन लोगों को गंभीर चोट लग गई ।

कार्यालय-नगर पंचायत मेंहदावल, जनपद-संत कबीरनगर

आफलाईन निविदा सूचना

एतद्द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि पालिका निधि/पंचम राज्य वित्त आयोग द्वारा प्राप्त धनराशि से नगर पंचायत मेंहदावल में आगामी छठ पूजा दिनांक 15-11-2026 के दृष्टिगत आफलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। किसी भी आफलाईन निविदा को बिना कारण बताए स्वीकार अथवा अस्वीकार करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी में निहित होगा। आफलाईन निविदा के साथ-साथ जमानत धनराशि नगर पंचायत मेंहदावल के कोष में नकद/राष्ट्रीय बचत पत्र अथवा राष्ट्रीय बैंक की सावधी जमा रसीद जो अधिशासी अधिकारी, नगर पंचायत मेंहदावल के नाम बन्धक होगी व इण्डियन बैंक नगर पंचायत मेंहदावल के खाता संख्या-50504550585, आई.एफ.एस.सी. कोड IDIB000M692 में जमा किया जाना अनिवार्य होगा। उक्त के अनुपस्थिति में ठेकेदारों की निविदा को अवैध माना जायेगा। अधिशासी अधिकारी/सक्षम अधिकारी नगर पंचायत मेंहदावल को बिना कारण बताये किसी भी निविदा को स्वीकृत/अस्वीकृत करने का अधिकारी सुरक्षित होगा । निविदादाता निविदा खुलने के समय उपस्थित रह सकते हैं। निविदा खोले जाने की तिथि में यदि अवकाश होगा तो निविदायें अगले कार्य दिवस में खोली जायेगी। निविदा की नियम एवं शर्ते किसी भी कार्यालय दिवस में प्रस्तुत होकर देखी जा सकती हैं।

क्र.सं.	विवरण	प्रारम्भ दिनांक एवं समय	अन्तिम दिनांक एवं समय
01.	निविदा बिक्री	30-10-26 12 PM	30-10-26 04.00 PM
02.	निविदा जमा	31-10-26 12 PM	31-10-26 02.00 PM
03.	निविदा खुलना	31-10-26 04 PM	
04.	निविदा खुलने का स्थान	कार्यालय नगर पंचायत मेंहदावल	

क्र. सं.	कार्य का विवरण	प्राक्कलन धनराशि (लाख में)	अग्रिम जमानत धनराशि लाख में	निविदा प्रपत्र शुल्क	कार्य अवधि
01.	नगर पंचायत मेंहदावल के अन्तर्गत कुबेरनाथ पोखरा, पक्का पोखर, गंगा सागर पोखरा, ब्रह्मचारी पोखरा, ठाकुरद्वारा पोखरा, सोनबरसा पोखरा, घलनिया ताल, गगनईराव पोखरा, धौरापार पोखरा, तुलसीपुर अभिलहंवा पोखरा, अछिया ब्रह्म बाबा मंदिर पोखरा, झरिया शिव मंदिर पोखरा आदि स्थानों पर लाईट, जनरेटर, बैरिकेटिंग. टेन्ट, साउण्ड, साज-सज्जा, बैनर, कैमरा, अर्पण कलश आदि का कार्य।	कोटेशन अनुसार न्यूनतम दर	0.50	2,000.00	15-11-2026 के पूर्व

(लिपिक)

(अवर अभियंता)
नगर पंचायत मेंहदावल
संतकबीरनगर

(पंकज कुमार)
अधिशासी अधिकारी
नगर पंचायत मेंहदावल
संतकबीरनगर

(श्रीमती लक्ष्मी)
अध्यक्ष
नगर पंचायत मेंहदावल
संतकबीरनगर

पत्राक-1730/न.पं.में./2026-27/दिनांक 13-10-2026

कार्यालय खण्ड विकास अधिकारी चरगांवा, गोरखपुर

अतिअल्पकालिक निविदा सूचना (मा. मुख्यमंत्री जी के कार्यक्रम के दृष्टिगत

E-mail ID-mnrega, apo.chargawan@gmail.com

राज्य वित्त आयोग योजना वर्ष 2026-27 का कार्य जिलाधिकारी महोदय, गोरखपुर की स्वीकृति दिनांक 12-10-2026 जिसकी सूचना जिला पंचायत राज अधिकारी, गोरखपुर के पत्र संख्या 4315 दिनांक 13-10-2026 द्वारा उपलब्ध कराया गया है के क्रम में खण्ड विकास अधिकारी चरगावा, जनपद-गोरखपुर उ.प्र. की ओर से कार्यदायी संस्था, खण्ड विकास अधिकारी चरगांवा में पंजीकृत/राजकीय विभागों में पंजीकृत/सामग्री आपूर्तिकर्ता निविदादाताओं से निम्न कार्य हेतु प्रतिशत दर (%) की निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र. सं.	कार्य का नाम	कार्य की प्रकृति	कार्य की लागत (जी.एस.टी. सहित)	मार्जिनमनी की राशि 2 प्रति.	फार्म का मूल्य
1.	ग्राम सभा रामगढ़ उर्फ रजही में बुढ़िया माता मन्दिर के पास स्थित पोखरे पर मिट्टी/खड़न्जा कार्य।	मिट्टी/खड़ंजा	844100	16900	812
2.	ग्राम सभा रामगढ़ उर्फ रजही में बुढ़िया माता मन्दिर के पास स्थित पोखरे के चारो तरफ लोहे का ग्रिल (रेलिंग) निर्माण कार्य।	ग्रिल (रेलिंग) निर्माण कार्य	999900	20000	812

शर्त/प्रतिबंध

1. निविदा प्रपत्र खण्ड विकास अधिकारी चरगांवा गोरखपुर में कार्यालय दिवस में प्रातः 10.00 बजे से सांय 05.00 बजे के बीच दिनांक 14-10-2026 से 23-10-2026 तक टेण्डर बाक्स में डाला जा सकता है।
2. निविदा प्रपत्र पूर्ण रूप से भरा हुआ, और प्रत्येक पन्ने पर फर्म का हस्ताक्षर मुहर सहित जमा किया जाना चाहिए। अपूर्ण फार्म स्वीकार्य नहीं होगा।
3. निविदा दिनांक 24-10-2026 को अपरान्ह 02.00 बजे के बाद खण्ड विकास अधिकारी-चरगांवा गोरखपुर की टेण्डर कमेटी द्वारा खोली जाएगी।
4. सामग्री आपूर्ति/निर्माण कराने हेतु फुल टेण्डर दर परियोजनावार टेक्निकल एवं फाइनेन्सियल देना होगा। सम्बन्धित परियोजना पर जिस फर्म का दर सबसे न्यून होगा, उसे उस परियोजना को कार्य के प्राक्कलन के मानक के अनुसार कार्य कराने हेतु स्वीकृति पत्र दिया जाएगा।
5. फर्म/वेण्डर/आपूर्तिकर्ता का वाणिज्य कर विभाग में रजिस्ट्रेशन (जी.एस.टी.) की प्रति, तीन वर्ष का आयकर जमा करने की प्रति, आधार, पैनकार्ड, हैसियत प्रमाण-पत्र, चरित्र प्रमाण-पत्र, अनुभव प्रमाण-पत्र, श्रम विभाग में पंजियन प्रमाण-पत्र, किसी कार्यदाई संस्था में पंजियन का प्रमाण-पत्र की छाया प्रति स्वप्रमाणित कर देना होगा।
6. प्रस्तुत दरें पी.डब्लू.डी. की दर से अधिक दर स्वीकार्य नहीं होगा।
7. फर्म/वेंण्डर/आपूर्तिकर्ता के बिल से 02 प्रति. आयकर, 02 प्रति. जी.एस.टी. और 01 प्रति. लेबर सेस कटौती के उपरान्त डिजिटल भुगतान किया जाएगा।
8. कार्यप्रभारी/खण्ड विकास अधिकारी/अवर अभियन्ता/प्रमुख क्षेत्र पंचायत/लेखाकार/विकास खण्ड के कर्मचारियों के सगे सम्बन्धी एवं रिश्तेदार (यथा माता-पिता, पुत्र-पुत्री, पुत्रवधु, पति-पत्नी, भाई-भतीजा, बहन-बहनोई, चाचा-चाची, सास-ससुर, साला) द्वारा दरें प्रस्तुत नहीं की जाएंगी। उक्त आशय का नोटरी शपथपत्र प्रस्तुत करना होगा।
9. निविदा बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार खण्ड विकास अधिकारी के पास सुरक्षित होगा।
10. खण्ड विकास अधिकारी कार्यालय से किसी भी कार्य दिवस में टेण्डर फार्म का मूल्य जमा कर प्राप्त किया जा सकता है।

खण्ड विकास अधिकारी
चरगांवा, गोरखपुर

पत्रांक-1704/निविदा/2025-2026/दिनांक 15-10-2026

दुर्गा सप्तशती- शक्तिशाली सिद्ध मंत्र और उनका चमत्कारी महत्व

शारदीय नवरात्रि का पावन पर्व इन दिनों देश भर में बेहद धूमधाम के साथ मनाया जा रहा है। इस विशेष अवसर पर जानिये कि आखिर कैसे देवी के ९ स्वरूप दुर्गा सप्तशती से जुड़े हुए हैं। इसके साथ ही माता को प्रसन्न करने वाले शक्तिशाली सिद्ध मंत्र और उनके चमत्कारी महत्व जो जीवन में सुख-समृद्धि और सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं।

नवरात्रि विशेष

शारदीय नवरात्रि चल रहे हैं और इन नी दिनों तक मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की विधि-विधान से पूजा की जाती है। इस दौरान घरों और मंदिरों में देवी आराधना के साथ दुर्गा सप्तशती का पाठ भी किया जाता है। दुर्गा सप्तशती को चंडी पाठ या देवी माहात्म्य के नाम से भी जाना जाता है। यह मार्कंडेय पुराण का एक भाग है, जिसकी रचना महर्षि वेद व्यास ने की है। इस ग्रंथ में 13 अध्याय और 700 श्लोक हैं। दुर्गा सप्तशती में देवी दुर्गा की संपूर्ण कथा, रहस्य, कवच, अर्गला, कीलक और उनके विभिन्न प्रकट होने के प्रसंग वर्णित हैं। दुर्गा सप्तशती के अनुसार, नवरात्रि में दुर्गा सप्तशती का पाठ करने से माता का आशीर्वाद प्राप्त होता है और सभी समस्याओं से मुक्ति भी मिलती है।

दुर्गा सप्तशती का पाठ

दुर्गा सप्तशती में यह बताया गया है कि कैसे महाशक्ति ने समय-समय पर विभिन्न रूपों में प्रकट होकर महिषासुर, शुंभ-निशुंभ, चंड-मुंड और रक्तबीज जैसे महाअसुरों का वध किया। सप्तशती के पहले अध्याय में दैत्य मधु कैटभ के वध, दूसरे अध्याय में देवताओं के तेज से मां दुर्गा के अवतरण और महिषासुर सेना के वध की कहानी है। तीसरे अध्याय में महिषासुर और उसके सेनापति के वध के बारे में बताया गया है। चौथा अध्याय देवराज इंद्र आदि देवताओं के द्वारा मां की स्तुति, पांचवें अध्याय में चंड मुंड द्वारा राक्षस शुम्भ के सामने देवी की सुंदरता का वर्णन और छठे अध्याय में धुम्रलोचन वध का वर्णन है। सातवें अध्याय में चंड मुंड वध और आठवें में रक्तबीज के वध के बारे में बताया गया है। अध्याय नौ और दस में निशुम्भ शुम्भ वध की कथा है। ग्यारहवें अध्याय में देव और देवी की स्तुति करके वरदान के बारे में जानकारी दी गई है। बारहवें और तेरहवें अध्याय में देवी के चरित्र की महिमा और वैश्य सुरथ की कथा है, जिसे देवी का वरदान मिला था।

तीन भागों में दुर्गा सप्तशती के 700 श्लोक

देवी के ये प्रकटीकरण और उनके युद्ध के रूप ही आगे चलकर 'नवदुर्गा' की उपासना की परंपरा का आधार बने। दुर्गा सप्तशती में 700 श्लोक हैं, जिन्हें तीन भागों में बांटा गया है। प्रथम चरित्र (महाकाली), मध्यम चरित्र (महालक्ष्मी) और उत्तर चरित्र (महासरस्वती)। ये तीनों ही महाशक्ति के मूल स्वरूप हैं, जिनसे नौ अलग-अलग देवियों (नवदुर्गा) की आराधना का विधान पुष्ट होता है।

दुर्गा सप्तशती पाठ का महत्व

मान्यता है कि दुर्गा सप्तशती का पाठ करने से भय, शोक और सभी प्रकार के कष्टों से मुक्ति मिलती जाती है। इसका पाठ विशेष रूप से नवरात्रों में किया जाता है और ये अचूक फल देने वाला होता है। नवरात्रि में यह शक्तिशाली पाठ करने से सभी तरह की नकारात्मक शक्तियां दूर हो जाती हैं और घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार बनता है। साथ ही ग्रहों के अशुभ प्रभाव में कमी आती है और माता का आशीर्वाद प्राप्त होता है। दुर्गा सप्तशती के अलग-अलग श्लोकों का अलग महत्व है। इन श्लोकों को पढ़ने से भक्तों को कई लाभ होते हैं।

दुर्गा सप्तशती मंत्र

सर्वमंगल मांगल्ये शिवे सर्वार्थ साधिके। शरण्ये त्र्यंबके गौरी नारायणी नमोस्तुते॥ यह मंत्र किसी भी शुभ कार्य की शुरुआत, पारिवारिक सुख, और सभी मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए अत्यंत फलदायी माना जाता है। जयंती मंगला काली भद्रकाली कपालिनी दुर्गा क्षमा शिवा धात्री स्वाहा स्वधा नमोस्तुते॥ इस मंत्र का जाप जीवन में विजय पाने, संकटों को टालने और मां दुर्गा की कृपा से उन्नति प्राप्त करने के लिए किया जाता है। शूलेन पाहि नो देवि पाहि खड्गेन चाम्बिके। घण्टास्वनेन नः पाहि चापज्यानिःस्वनेन च॥ यह मंत्र चारों ओर एक आध्यात्मिक सुरक्षा कवच बनाता है, जिससे नकारात्मक ऊर्जा, बुरी नजर, डर और शत्रुओं से रक्षा होती है। सर्वाबाधाप्रशमनं त्रैलोक्यस्य खिलेश्वरि। एवमेव त्वया कार्यमस्मद्वैरिविनाशनम्॥ इस मंत्र के जरिए तीनों लोकों की पीड़ा हरने वाली मां से गुप्त या प्रत्यक्ष शत्रुओं के विनाश और जीवन की बड़ी बाधाओं को शांत करने की प्रार्थना की जाती है। सर्वाबाधा विनिर्मुक्तो धनधान्यस तान्वितः। मनुष्यो मत्प्रसादेन भविष्यति नसंशयः॥ इस मंत्र के जाप से मां दुर्गा की अनुकंपा से घर में धन-धान्य, सुख-समृद्धि और संतान सुख की प्राप्ति होती है।

खूनी व बादी बवासीर में बेहद असरकारक
अर्शवेदा कैप्सूल

सुविचार
आपका आज का मनोबल ही कल की सफलता का कारण बनेगा।
• 100% आयुर्वेदिक • सुरक्षित • असरदार
Customer Care : 9628078000
www.rphealthgroup.com
Also available at TATA 1mg amazon Flipkart

अपनी जिंदगी

प्रेम- खोज से अनुभूति तक

गुरुदेव श्री श्री रवि शंकर

जीवन प्रेम से उत्पन्न होता है और जीवन प्रेम की ही तलाश करता है। जीवन का लक्ष्य भी प्रेम है, और जीवन प्रेम से ही कायम रहता है। इस ग्रह पर ऐसा कोई भी प्राणी या जीवित इकाई नहीं है, जिसने प्रेम को न जाना हो या जो प्रेम से रहित हो। यदि प्रेम सृष्टि में सर्वत्र विद्यमान है, तो फिर प्रेम की तलाश क्यों है? हम प्रेम को क्यों खोजते हैं? जब ये प्रश्न मानव-मन को उद्वेलित करने लगते हैं, तभी किसी की आध्यात्मिक यात्रा का प्रारंभ होता है। प्रेम क्या है? भावनाओं का वर्णन करना सबसे कठिन कार्य है- किसी भी भावना का। भावनाओं को शब्दों में बाँधना या किसी को बौद्धिक रूप से यह समझाना सरल नहीं है कि वह भावना क्या है। यह एक अत्यंत सूक्ष्म और गहन अनुभव है। प्रेम इस सृष्टि का मूल आधार है। वह कभी समाप्त नहीं हो सकता; वह सदैव विद्यमान रहता है। प्रेम दीजिए-वह कई गुना होकर आपके पास लौटेगा। प्रेम वास्तव में कोई मार्ग नहीं है; प्रेम स्वयं ही घर है। प्रेम आपको आपके मूल स्वरूप में वापस ले आता है। प्रेम कोई क्रिया या कर्म नहीं है, यह एक अवस्था है- एक परिणाम है। तत्पश्चात प्रश्न उठता है-मैं इसे कैसे प्राप्त करूँ? यह इच्छा का विषय नहीं हो सकता। जब इच्छाएँ शांत हो जाती हैं, तभी प्रेम का अनुभव संभव होता है। प्रेम को इच्छा का विषय न बनाइए। इच्छा का स्वभाव है-अभी नहीं, भविष्य में कुछ। यह बेचैनी उत्पन्न करती है, जबकि प्रेम का प्रभाव शीतलता से परिपूर्ण होता है। प्रेम को अपनी इच्छाओं का लक्ष्य न बनाइए। जब इच्छाएँ शांत हो जाती हैं, तब यह अनुभव होता है कि प्रेम तो यहीं है। प्रेम सभी इच्छाओं का अंतिम लक्ष्य है, और जब उसे प्राप्त नहीं किया जा सकता, तब घृणा और क्रोध उत्पन्न होते हैं। प्रेम की इच्छा अन्य अपूर्णताओं को जन्म देती है, जैसे निराशा। चाहे इच्छा पूर्ण हो या अपूर्ण, वह अंततः निराशा ही लाती है-यह इच्छा का स्वभाव है। प्रेम को केवल उसकी इच्छा करने से प्राप्त नहीं किया जा सकता, क्योंकि प्रेम तो इच्छाओं के समाप्त होने पर ही प्रकट होता है। प्रेम से विरह उत्पन्न होता है, और विरह ही भगवान है; प्रेम ही भगवान है। विरह के बिना जीवन अर्थहीन हो जाता है। विरह उत्पन्न करना गुरु का कार्य है। लोग संसार के लिए दुःखी होते हैं, किंतु यदि संसार के दुःख से ऊपर उठकर भगवान के लिए विरह उत्पन्न हो जाए, तब साधना पूर्ण हो जाती है। इसलिए विरह का जन्म होना अत्यंत शुभ है।

प्रेम को इच्छा का विषय न बनाइए। इच्छा का स्वभाव है-अभी नहीं, भविष्य में कुछ। यह बेचैनी उत्पन्न करती है, जबकि प्रेम का प्रभाव शीतलता से परिपूर्ण होता है। प्रेम को अपनी इच्छाओं का लक्ष्य न बनाइए।

छात्राओंने लिखे अजब-गजब जबाव

सागर एक्सीलेंस गर्ल्स कॉलेज में 999 छात्राओं को सप्लीमेंट्री आई थी इसके बाद उन्होंने कॉलेज से लेकर कलेक्ट्रेट तक खूब प्रदर्शन किया था, जिसके चलते मामला सुर्खियों में आ गया था इसके बाद कॉलेज प्रबंधन ने छात्राओं को उत्तर पुस्तिकाएं दिखाने के लिए बुलाया, लेकिन जब रिवैल्यूएशन के लिए छात्राओं की उत्तर पुस्तिकाएं देखी गई और इनमें जो प्रश्नों के आंसर लिखे थे उनको पढ़कर छात्राओं ने खुद अपनी नजरें नीचे झुका ली, कॉपियां चेक करने बुलाए गए शिक्षकों का भी माथा घूम गया, उत्तर पुस्तिकाओं में कुछ प्रश्नों के किस तरह से आंसर लिखे थे एक नजर इस पर डालते हैं. सागर के उपनगर मकरोनिया में स्थित दीनदयाल नगर की जानकारी लिखते हुए आंसर दिया था दीन दयाल नगर में अधिक गंदगी रहती है. रात में कुत्ते भौंकते हैं, यहां लड़कियां सुरक्षित नहीं है। दीनदयाल नगर में सफाई होनी चाहिए.सवाल किसी व्यक्ति के परिचय का था, लेकिन जवाब में पूरे दीनदयाल नगर की समस्याओं का ब्योरा लिख दिया। ऐसे ही एक्सपर्ट ने पूछा-राष्ट्रपति का वीटो पावर क्या है, छात्रा बोली-

मकरोनिया में जो 12 मॉल है? उसके बारे में जानकारी देने लगी। वर्तमान समय में भारत भी एक डिजिटल भारत बन गया, इस दौर हर व्यक्ति सोशल मीडिया का प्रयोग करता है. गर्ल्स कॉलेज की छात्राओं की कॉपियां चेक होने के बाद कॉपियों में छात्राओं की ओर से दिए गए सवालों के जवाब उच्च शिक्षा के स्तर की जमीनी हकीकत बयां कर रहे है, हालांकि, इसको लेकर एक्सीलेंस कॉलेज के प्राचार्य डॉ आनंद तिवारी का कहना है कि एक तो कोरोना की वजह से बच्चियों का बेस गड़बड़ हुआ है। दूसरा वह कक्षाओं में भी अनुपस्थित रहती हैं। हम लोगों के द्वारा क्लास में स्टूडेंट की संख्या बढ़ाने के लिए कई तरह के प्रयास किया जा रहे हैं. 75% उपस्थिति अनिवार्य किए हुए हैं ऐसा नहीं होने पर परीक्षा से वंचित करते हैं। स्कॉलरशिप रोक दी जाती है लेकिन जो परीक्षा परिणाम आया है इसके बाद स्पेशल कक्षाएं लगाई जा रही हैं। कॉलेज प्रबंधन ने अभिभावकों के सामने सभी 2469 उत्तरपुस्तिकाएं दिखाने की बात कही थी। लेकिन पहले दिन 69 तो दूसरे दिन 71 छात्राएं ही आईं. दो दिन में सिर्फ मात्र 8 छात्राएं ही अभिभावकों को लेकर आईं। 140 छात्राओं में से महज 16 ने ही रिजल्ट पर असहमति जताई है। प्राचार्य ने बताया कि जिन छात्राओं को सप्लीमेंट्री आई है, उन्हें अब पूरक परीक्षा के लिए पूरक फॉर्म भरना पड़ेगा. इसके लिए उनकी फीस प्रति विषय 400 रुपए से घटाकर कॉलेज प्रबंधन ने 200 रुपए कर दी।

स्वास्थ्यके लिए लाभकारी है चांदी का वर्क

त्योहारों का सीजन शुरू हो चुका है, नवरात्रि चल रही है, उसके बाद दशहरा, फिर दिवाली और भाई दूज। छुट्टियों और मीठी ठंड वाले इस फेस्टिवल सीजन में मिठाइयों की तरफ हाथ अपने-आप चला ही जाता है। हलवाइयों की दुकानों पर भीड़ लगी हुई है। हर कोई अच्छी से अच्छी मिठाई अपने परिवार और रिश्तेदारों-दोस्तों के लिए लेना चाहता है। अक्सर दुकानों में मिठाइयों की चमक और रौनक बढ़ाने के लिए, चांदी के वर्क का इस्तेमाल किया जाता है। काजू कतली से लेकर मोतीचूर के लड्डुओं तक, आपने ये वर्क जरूर देखा होगा। ये आज से नहीं, बल्कि सालों से इस्तेमाल होता रहा है, लेकिन इंस्टाग्राम और फेसबुक के जमाने में इस चांदी के वर्क को लेकर कई बार ये सवाल उठता है कि क्या यह वर्क वाकई शाकाहारी है? इसी चिंता में तो कई लोग ऐसी मिठाइयों से दूरी ही बना लेते हैं, जिनके ऊपर चांदी का वर्क लगा होता है। पर क्या इस दावे में कोई सच्चाई है क्या सच में चांदी का वर्क शाकाहारी नहीं बल्कि नॉन-वेजिटेरियन होता है। सिल्वर वर्क या चांदी का वर्क एक बहुत पतला चांदी का पत्रा होता है, जो सिर्फ 0.2 से 0.8 माइक्रोमीटर मोटा होता है। ये इतना पतला होता है कि इसे आसानी से खाया जा सकता है पर इसका कोई स्वाद नहीं होता। यह मिठाई को रॉयल और चमकदार लुक देता है और इसीलिए इसका चलन काफी है। सिर्फ लुक ही नहीं, चांदी का ये वर्क मिठाई को सेहत के लिए और भी फायदेमंद बना देता है। आयुर्वेद के अनुसार चांदी को स्वास्थ्य के लिए लाभकारी माना जाता है। सालों पहले चांदी का वर्क बनाने का तरीका ऐसा था कि चांदी की पतली शीट को जानवरों की आंतों (इंटेस्टाइन) या चमड़े के बीच रखकर हथौड़े से पीटा जाता था। यह जानवर बैल, भैंस, भेड़ या बकरी के होते थे। इसकी वजह थी कि जानवर की कोमल त्वचा चांदी को चिपकने से रोकती थी और पीटने पर आसानी से अलग हो जाती थी, लेकिन पीटने के दौरान आंत का कुछ हिस्सा चांदी में मिल जाता था। इसलिए, वर्क को नॉन-वेजिटेरियन माना जाता था। यह शाकाहारियों के लिए बड़ा विषय था क्योंकि चांदी का वर्क लगी मिठाइयां मंदिरों में प्रसाद में भी चढ़ती थीं, इसलिए, ये विवाद और भी बढ़ा हो गया था। 2016 में फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने ये फैसला लेते हुए वर्क बनाने में जानवरों की आंत या चमड़े का इस्तेमाल पूरी तरह बैन कर दिया। क्योंकि न केवल ये तरीका गलत था बल्कि सेहत के लिए भी बहुत हानिकारक था। इस तरह वर्क बनाने में बैक्टीरिया फैलने का खतरा था बहुत ज्यादा था। साथ ही शाकाहारियों की भावनाओं के सम्मान को भी इसमें ठेस पहुंच रही थी। दिल्ली सरकार ने इसे लागू किया, लेकिन 2018 में दिल्ली हाई कोर्ट ने कुछ मैन्युफैक्चरर्स की अपील पर बैन हटा दिया लेकिन कोर्ट ने कहा कि तरीका साफ-सुथरा होना चाहिए, आज के समय में ज्यादातर वर्क मशीन से ही बनाया जाता है। अभी के समय की बात करें तो बाजार में उपलब्ध ज्यादातर सिल्वर वर्क मशीन-मेड होता है। इसमें सिर्फ शुद्ध चांदी होती है, जो पेपर या मशीन के बीच पीटी जाती है. कई पॉपुलर स्वीट चेन तो अब अपनी मिठाइयों के वर्क पर वेजिटेरियन सर्टिफाइड का लेबल लगाते हैं। यूं तो वर्क अब सुरक्षित है, लेकिन जब भी आप मिठाई खरीदें तो हमेशा इसकी जानकारी लें। अगर आप पैकेज्ड मिठाई खरीदें तो बॉक्स पर देखें, वेजिटेरियन वर्क लिखा हो। अगर हलवाई से ले रहे हैं तो दुकानदार से इसके बारे में पूछें। अगर आपको फिर भी इसकी शुद्धता पर शक है तो बिना वर्क वाली मिठाई खरीदें।

प्यार अंधा होता है सुना था, आज देख भी लिया

कहते हैं कि प्यार अंधा होता है। प्यार में इंसान न उम्र देखता है और न ही दुनिया की परवाह करता है। आपने भी कई बार लोगों को यह कहते सुना होगा, लेकिन उत्तर प्रदेश के औरैया जिले से एक ऐसी प्रेम कहानी सामने आई है, जिसे जानकर आप भी कह उठेंगे कि प्यार सच में अंधा होता है। यहां 30 साल की एक लड़की को अपने से 45 साल बड़े यानी 75 साल के बुजुर्ग से प्यार हो गया। हैरानी की बात यह है कि लड़की इंस्टाग्राम पर रील्स बनाती है और जिस बुजुर्ग को

उसने अपना जीवनसाथी चुना है, वह उसकी दोस्त के पिता हैं। बताया जा रहा है कि दोनों की मुलाकात करीब दो साल पहले हुई थी। धीरे-धीरे बातचीत बढ़ी और फिर दोनों एक-दूसरे को दिल दे बैठे। अब दोनों ने उम्र के इतने बड़े फासले की परवाह किए बिना शादी करने का फैसला कर लिया है। इतना ही नहीं, दोनों की सगाई भी हो चुकी है और अब शादी की तैयारियों की चर्चा है। इस अनोखी प्रेम कहानी ने पूरे इलाके में हलचल मचा दी है और लोग यह जानकर हैरान हैं कि आखिर 75 साल के बुजुर्ग और 30 साल की लड़की के बीच प्यार कैसे हुआ।

महंगे शौक छोड़कर छोटी खुशियोंपर फोकस कर रहे लोग

आज कई लोग बड़ी खरीदारी या महंगी चीजों पर पैसा खर्च करने के बजाय छोटी-छोटी खुशियों के लिए बजट निकाल रहे हैं। कभी पसंदीदा कॉफी, कभी छोटी सी चॉकलेट, फूलों का गुलदस्ता या मनपसंद खाना. इन छोटे खर्चों का मकसद सिर्फ सामान खरीदना नहीं, बल्कि रोजमर्रा की जिंदगी में खुद को थोड़ा खुश महसूस कराना है। सोशल मीडिया पर इस तरह की सोच को लिटिल ट्रीट कल्चर कहा जा रहा है. खास बात यह है कि इसमें खुशी के लिए बहुत ज्यादा पैसे खर्च करने की जरूरत नहीं मानी जाती. छोटी रकम में मिलने वाली चीजें भी दिन को बेहतर बना सकती हैं, लेकिन सवाल यह है कि यह ट्रेंड आखिर लोगों के बीच इतना लोकप्रिय क्यों हो रहा है. लिटिल ट्रीट कल्चर का सीधा मतलब है खुद को छोटी-छोटी चीजों से खुश करना. इसके लिए किसी बड़े मौके या खास दिन का इंतजार नहीं किया जाता. अगर किसी दिन काम ज्यादा रहा या मूड खराब है, तो व्यक्ति अपनी पसंद की कॉफी ले सकता है, कुछ अच्छा खा सकता है या अपने लिए कोई छोटी चीज खरीद सकता है. यह सोच खास तौर पर उन लोगों के बीच नजर आ रही है, जो बड़े खर्चों को कम करके अपने बजट में छोटी खुशियों के लिए जगह बनाना चाहते हैं। यानी हर खुशी के लिए महंगी शॉपिंग या लग्जरी अनुभव जरूरी नहीं है। महंगाई और बढ़ते खर्चों के बीच बहुत से लोग बड़े शौक पूरे करने से

पहले अपने बजट के बारे में सोचते हैं। ऐसे में छोटी खरीदारी एक आसान विकल्प लगती है. उदाहरण के लिए, हर महीने महंगा ट्रिप प्लान करने के बजाय किसी नए कैफे में जाना, महंगे गैजेट की जगह कोई पसंदीदा किताब खरीदना या बाहर घूमने के बजाय घर पर अपनी पसंद की डिश बनाना। इसका एक दूसरा पहलू भी है। जब रोजमर्रा की जिंदगी में काम और जिम्मेदारियां ज्यादा होती हैं, तो लोग अपने लिए छोटे ब्रेक तलाशते हैं। लिटिल ट्रीट कल्चर इसी जरूरत को एक आसान तरीके से सामने रखता है.सोशल मीडिया पर लोग अपनी छोटी-छोटी खुशियों को शेयर करते हैं। कॉफी, फूल, बेकरी आइटम, किताब, स्किनकेयर प्रोडक्ट या किसी पसंदीदा जगह पर छोटी आउटिंग जैसी चीजों की तस्वीरें इस ट्रेंड का हिस्सा बन गई हैं. हालांकि, सोशल मीडिया पर दिखने वाली हर चीज को अपनी जिंदगी में अपनाना जरूरी नहीं है. लिटिल ट्रीट कल्चर का असली विचार अपनी क्षमता के हिसाब से खुशी तलाशना है, न कि हर दिन कुछ नया खरीदना।

मां ने सिखाया मुश्किलों का सामना करना-माधुरी

बच्चों की परवरिश में माता-पिता की भूमिका सिर्फ उन्हें अच्छी आदतें सिखाने तक सीमित नहीं होती, बल्कि वे बच्चों को जिंदगी की मुश्किल परिस्थितियों से लड़ना भी सिखाते हैं। कई बार माता-पिता की कही छोटी-सी बात बच्चों के जीवन का सबसे बड़ा सबक बन जाती है। खासकर जब बच्चे कम उम्र में किसी नए क्षेत्र में कदम रखते हैं, तो उन्हें परिवार के सहयोग और सही मार्गदर्शन की सबसे ज्यादा जरूरत होती है। बॉलीवुड अभिनेत्री माधुरी दीक्षित की जिंदगी में भी उनकी मां का ऐसा ही खास स्थान रहा है। माधुरी ने हाल ही में टीवी शो 'कौन बनेगा करोड़पति 18' में अपनी मां से जुड़ी कुछ यादें साझा कीं। इस दौरान उन्होंने बताया कि उनकी मां ने उन्हें न सिर्फ कला और डांस की सीख दी, बल्कि आलोचनाओं का सामना करना और अपने लक्ष्य के प्रति ईमानदार रहना भी सिखाया। मां की यही सीख माधुरी के लिए मुश्किल समय में हिम्मत और आगे बढ़ने की प्रेरणा बनी। अमिताभ बच्चन के साथ बातचीत के दौरान माधुरी दीक्षित ने अपनी मां के साथ अपने रिश्ते के बारे में खुलकर बात की. अमिताभ बच्चन ने उनसे पूछा कि क्या उन्होंने अपनी मां से बहुत कुछ सीखा है और उनसे उन्हें क्या खास मिला है। इस सवाल के जवाब में माधुरी ने बताया कि उनकी कला, रचनात्मकता और डांस का काफी हिस्सा उन्हें अपनी मां से ही मिला है। माधुरी ने अपनी मां को बेहद मजबूत महिला बताया। उन्होंने कहा कि उनकी मां का व्यक्तित्व अमिताभ बच्चन की मां तेजी बच्चन की तरह ही मजबूत था. जिस तरह एक मां अपने बच्चों को मुश्किल हालात में संभालती है, उसी तरह माधुरी की मां ने भी उन्हें जिंदगी के उतार-चढ़ाव से निपटना सिखाया. माधुरी दीक्षित ने बताया कि जब उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखा था, तब वह बहुत छोटी थीं. उस उम्र में अगर कोई उनके बारे में कुछ गलत कह देता था, तो उन्हें बुरा लगता था। वह घर आकर दुखी हो जाती थीं और दूसरों की बातों को दिल से लगा लेती थीं। ऐसे समय में उनकी मां उन्हें समझाती थीं कि दूसरों की बातों से इतनी जल्दी कमजोर नहीं पड़ना चाहिए। अगर उन्हें किसी काम को करने की इच्छा है, तो उन्हें अपनी मेहनत से उसे करके दिखाना चाहिए. मां का मानना था कि सिर्फ लोगों की बातों पर ध्यान देने के बजाय अपने काम पर फोकस करना ज्यादा जरूरी है।